शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 180

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

आरोप : सांसद सीपी चौधरी के पत्र की अवहेलना करना बन चुका है डीसी की कार्यशैली का हिस्सा

सांसद ने गिरिडीह डीसी से सात दिनों के अंदर घुसपैठ की रिपोर्ट मांगी

वरीय संवाददाता। रांची

- चंद्रप्रकाश चौधरी ने गिरिडीह के उपायुक्त के खिलाफ खोला मोर्चा
- गिरिडीह जिले में अवैध तरीके से हो रहा बांग्लादेशी घुसपैठ
- सात दिन के अंदर जांच कर पूरा ब्योरा उपलब्ध कराएं उपायुक्त
- गृह मंत्रालय को भी सांसद सीपी चौधरी ने मामले की दे दी सूचना

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने गिरिडीह डीसी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने सोमवार को फिर से डीसी को पत्र लिखा है. डीसी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि सांसद के पत्र की अवहेलना करना आपकी कार्यशैली का अंग बन गया है. पर्यावरण के प्रति आपका आचरण और नदियों के साथ प्राकृतिक जलस्रोतों पर अवैध अतिक्रमण जैसे गंभीर विषय पर आपने कोई जवाब नहीं दिया. दो माह से ज्यादा समय बीतने के बाद भी मांगी गयीं सूचनाएं अब तक उपलब्ध नहीं करायी गयीं. प्रशासनिक लापरवाही और जानबूझ कर सांसद के पत्र की अवहेलना करना आपकी कार्यशैली का अंग बन चुका है. लिखा कि पांच दिनों के अंदर मेरे द्वारा मांगी गयी सूचनाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें. आपका मेरे प्रश्नों का उत्तर ना देना आपके खिलाफ न्यायिक समीक्षा में अभिलेख के रूप में देखा जायेगा. मैं बिना पूर्वाग्रह के आपसे सकारात्मक प्रति-उत्तर की अपेक्षा रखता हूं.

गिरिडीह में बांग्लादेशी घुसपैठ का ब्योरा उपलब्ध करायें : सांसद ने पत्र में डीसी को यह भी लिखा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर्यावरण b प्रदूषण पर जो आपकी प्रशासनिक कार्यशैली रही है. वैसा आचरण न कर गिरिडीह जिला में एक भी अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम ना रहे यह सुनिश्चित करें. कहा कि गृह मंत्रालय को भी इसकी जानकारी दी है. गिरीडीह जिला में शहरी क्षेत्र क्रमश वार्ड के सूची के साथ बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम की उपस्थिति का ब्यौरा जांच के बाद उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें. ग्रामीण क्षेत्र में गिरिडीह जिले की सभी पंचायतों में जांच कर बांग्लादेशी घुसपैठ की उपस्थिति का भी ब्यौरा देना सुनिश्चित करें. सांसद सीपी चौधरी ने सात दिनों के अंदर जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा है. उन्होंने लिखा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है. सोशल मीडिया में भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के झारखंड में घुसने की चर्चा हो रही है. गिरिडीह सांसद के रूप में मेरा कर्तव्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर जिला प्रशासन को सजग करें. राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है.

हे दर्शनार्थियों, पूजा घूमिए, धक्के खाइए, हमरा थोबड़ा निहारिए, ढीढ़- ढीढ़ भर शुभकामनाएं लीजिए

संजय सिंह

राजधानी पूजामय हो गयी है. कुछ पूजा पंडालों मे भीड़ भी उमड़ने लगी है. इधर शहर में लगे होर्डिंग, बिजली के खंभे, डिवाडर पर लगे खंभे नेताओं के पोस्टर-बैनर से पट गए हैं. पूजा पंडालों के आसपास तो कुछ ज्यादा ही पोस्टर-बैनर, होर्डंग लगे हैं, जो दर्शनार्थियों से कह रहे हैं, नवरात्र, दुर्गापूजा, दशहरा, विजयादशमी की ढेर सारी शुभकामनाएं. यानी पूजा में आप घूमिए, धक्के खाइए, लेकिन हमरी तस्वीर जरूर देखिए, हमरी शुभकामनाएं लीजिए. शहर में जेने-तेने खंभे पर कुकुरमुत्ते की तरह-तरह की पार्टी और तरह-तरह के नेताजी लोगन की तस्वीरें लग गई हैं. वईसे ई तो चुनावी साल है, थोड़के दिन में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है. अचार संहिता लागू होगा, तो सभी होर्डिंग, पोस्टर, बैनर हटाने पड़ेंगे. चूंकि चुनावी साल है, तो ढेरे वैसे नेताजी लोग पोस्टर-बैनर में चेहरा चमकाईले हैं, जो कहीं न कहीं से चुनाव लड़ने की इच्छा रखते हैं. हालांकि, कुछ नेताजी लोगन का एरियावाइज भी पोस्टर-बैनर लग गया है. यानि कोई हटिया से चुनाव लड़ना चाहता है और टिकट की दावेदारी किए हुए है, तो ऊ नेताजी अपना होर्डिंग, बैनर-पोस्टर उसी इलाके में लगाईले हैं. इसी तरह असलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में नेताजी लोग पोस्टर-बैनर से चेहरा चमकाईले हैं. कुछ नेताजी तो नवरात्र, दुर्गापूजा, विजयादशमी की ही शुभकामनाएं दे रहे हैं, तो कुछ अईसन भी नेताजी पोस्टर में उभर आये हैं, जो दिवाली-भाई दूज, छठ तक के शुभकामना एडवांस में ही दे दीहिन हैं. अइसन नेताजी के एक समर्थक कहते हैं, भाई फेस्टिव सीजन है. दुर्गापूजा शुरू होती ही दिवाली, छठ की भी तैयारी शुरू हो जाती है और लोग बाजार में, पूजा पंडाल में जुटते हैं, तो पोस्टर-बैनर, होर्डिंग पर नजर पड़बे करेगा. यदि भगवत कृपा से कहीं टिकटवा मिल गया, तो कम से कम आम लोग को ज्यादा न बतावे पड़ेगा. वैसे नेताजी के समर्थक कहते हैं, भाई पर्व-त्योहार में प्रचार-प्रसार का ई सशक्त माध्यम है. अब देखिए न, रांची शहर में तो कईगो अईसन पार्टी व नेताजी के पोस्टर-बैनर लग गईल है, जेकर नाम न कहियो सुना है, न ओकरा लोग जानता है. खास कर राजनीति में एक्टिव लोग के भी न तो ऊ पार्टिया के बारे में पता है, न ऊ नेताजी के बारे में. प्रमुख राजनीतिक पार्टी के नेताजी को लोग थोड़ा बुहत तो ऊ पेशा के लोग जानबो करते हैं, आम लोग भी तनिका जानबो-बुझबो करता है, लेकिन नयका पार्टी वे नेताजी के नाम देख के लोग चिहा जा रहा है.

कहता है - भाई इनका बारे में कहियो कोई सुनबो नहीं किया है. न उनको तनिको जानता है. एक-दू गो नेताजी और उनकी पार्टियो का नाम कभी नहीं सुना है. कुछ इलाकों में एगो कोनो जोहार पार्टी के पोस्टर कोई नेताजी लगाईले हैं. दर्शनार्थियों को ढेरे-ढेर शुभकामनाएं देले हैं. लेकिन ई नयका पार्टिया कब अवतरित हुई, के लांच किहीस, ई राजनीति के धुरंधर लोगन के भी न पता है. कुछ नेताजी लोग खास कर बड़की पार्टिया वाले, चुनाव में किस्मत आजमावे ला बेकरार हैं. तो ऊ लोग ढेरे होर्डिंग लगाईले हैं व पोस्टरबाजी कईले है. कुछ नेताजी लोग के आजू-बाजू वाला लोग कहले है कि अरे उनके नेताजी को कोई टिकट थोड़े न चाही, चुनावो न लड़ेला है. लेकिन ईहे बहाने आम लोग व अपनी पार्टी के बड़का नेताजी लोग के नजर में तो आईए जाएंगे. अभी भाई टिकटवा लगी ढेरे मारा-मारी हो रहल है, अईसे में साइडे रहे में भलाई है, लेकिन अभिये से आम लोग के साथे बड़का नेताजी लोग के नजर में रहेंगे, तो तनिका फायदा तो होबे न करेगा.

वईसे पोस्टर-बैनर और होर्डिंग लगावे में नेशनल पार्टिया के लोग तो आगे-आगे हईये है, रिजनल पार्टी वाला नेताजी लोग भी तनिको न पिछुआ रहल है. सबके मालूम है कि सप्ताह-10 दिन में पोस्टर-बैनर, होर्डिंग के सफाचट करे पड़ेगा, लेकिन तबतक तनिका भीड़-भाड़ में कुछो लोग तो चिह्न जाए, जान जाए. तबे न बात बनेगा. वईसे पोस्टर-बैनर वार में कई गो अइसन नेताजी लोग भी शामिल हो गये हैं, जे इहे पर्व-त्योहार के बहाने तनिका चंदा-चुटिया करे के जुगाड़ में लग गईल हैं. आगे इनको कितना फायदा होगा, ई तो राम जानें, लेकिन नेताजी लोग चेहरा चमकावे के होड़ में शामिल हो गईल है. अब चेहरा चमकाओ प्रतियोगिता में नेताजी लोग के कितने लाभ होगा, कईसन लाभ होगा, ई तो उहे लोग जानें, लेकिन आम लोगन को ई चेहरा चमकउवा नेता लोगन से कोईयो मतलब न है. कुछ लोग तो ईहे कह रहा है, भाई पूजा घूमेला है, मेला घूमेला है, ई नेताजी लोग के थोबड़वा निहारे से आखिर का होवे वाला है.

चुनावी चकल्लस

झारखंड हाईकोर्ट ने आठ लाख मुआवजा देने का दिया आदेश

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

- 2017 में ट्रेन से गिरकर हुई थी शंभू साहनी की मौत, पत्नी को मुआवजा देने का आदेश

झारखंड हाईकोर्ट ने 2017 में चलती ट्रेन से गिरकर मरने वाले व्यक्ति की विधवा को आठ लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया है. हाईकोर्ट ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें उसने मृतक के परिजनों को मुआवजा देने से इनकार कर दिया था. हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया कि मृतक एक वास्तविक यात्री था. जबकि जांच रिपोर्ट के दौरान उसके पास टिकट नहीं था. दरअसल सात जून 2017 को शम्भू साहनी पीरपैंती स्टेशन की यात्रा के लिए खरीदे गये वैध द्वितीय श्रेणी के टिकट के साथ साहिबगंज जंक्शन पर हावड़ा-गया एक्सप्रेस में सवार हुए थे. जैसे ही ट्रेन पीरपैंती के पास पहुंची, शंभू उतरने के लिए ट्रेन के दरवाजे की ओर बढ़ा. लेकिन दरवाजे के पास यात्रियों की भीड़ जमा होने के कारण धक्का-मुक्की होने लगी, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह अम्मापाली हॉल्ट और पीरपैंती स्टेशन के बीच चलती ट्रेन से गिर गया. इस घटना में मौके पर ही उसकी मौत हो गयी. शंभू साहनी की मौत के बाद उसकी पत्नी कविता देवी ने रांची रेलवे दावा न्यायाधिकरण से मुआवजे की मांग की, लेकिन उसकी मांग को ठुकरा दिया गया. इसके बाद उसने हाईकोर्ट में गुहार लगायी, जिसपर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई.

जैप-आईआरबी के 92 पुलिसकर्मियों के आवेदन स्वीकृत

रांची। शिकायत कोषांग की बैठक में जैप और आईआरबी के 92 पुलिस कर्मियों के आवेदन स्वीकृत हुए, जबकि 36 पुलिसकर्मियों के आवेदन को अस्वीकृत कर दिया गया. गौरतलब है कि जैप और आईआरबी की विभिन्न वाहिनियों में पदस्थापित पुलिसकर्मियों ने दूसरी जगह ट्रांसफर के लिए शिकायत कोषांग में आवेदन दिये थे. इसके बाद बीते 5 अक्टूबर को एडीजी जैप की अध्यक्षता में शिकायत कोषांग की बैठक हुई थी. बैठक में पुलिसकर्मियों की शिकायत पर विचार किया गया और उन्हें दूसरी वाहिनी में ट्रांसफर भी किया गया. शिकायत कोषांग में कुल 128 पुलिसकर्मियों के आवेदन आये थे.

भारतीय जनता पार्टी का विस्तृत घोषणा पत्र जारी होगा

झारखंड में एनआरसी लागू करेगी भाजपा सरकार: शिवराज चौहान

चुन-चुन कर घुसपैठिए बाहर किए जाएंगे

प्रमुख संवददाता। रांची

केंद्रीय मंत्री सह झारखंड भाजपा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी घुसपैठिए बढ़ रहे हैं. संथालपरगना क्षेत्र में घुसपैठ के कारण डेमोग्राफी में बड़ा परिवर्तन आया है. आदिवासी आबादी 44% से घटकर 28% पहुंच गटी. इसके अतिरिक्त सामान्य आबादी भी प्रभावित हुई है. शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा का विस्तृत घोषणा पत्र जारी होगा. झारखंड में एनडीए सरकार बनते ही एनआरसी लागू कर घुसपैठियों की पहचान करेगी.चुन-चुन कर देश से बाहर निकालेगी. राज्य सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी घुसपैठियों के आधार कार्ड बनाए जा रहे, वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जा रहे. यह सब वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हो रहा.आज राज्य में सिर्फ मुख्यमंत्री बनाने या सत्ता परिवर्तन की लड़ाई नहीं है, बल्कि राज्य की रोटी मतलब रोजगार, माटी मतलब जमीन और बहन बेटियां, तीनों को बचाने लड़ाई है.

घुसपैठिये स्थानीय सरकार पर भी कर रहे कब्जा : घुसपैठिये आते हैं, यह बसते हैं. आदिवासी बहन बेटियों से शादी करते है और उनकी जमीन हड़पते हैं. रुबिका पहाड़िया जैसी बेटी की टुकड़ों में काटकर निर्मम हत्या हुई है. अंकिता को जलाकर मार दिया गया. घुसपैठिए अब आदिवासी बेटियों से शादी कर स्थानीय सरकार पर भी कब्जा कर रहे.

चुनाव में हिट होने के लिए दिल्ली में बन रही बीजेपी की रणनीति

प्रमुख संवाददाता। रांची

- उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम फैसला लेगी संसदीय बोर्ड

बैठक में ये हुए शामिल

दिल्ली में हो रही बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, शिवराज सिंह चौहान, हिमंता बिस्वा सरमा, अमर बाउरी, सांसद प्रदीप वर्मा से साथ चुनाव समिति के सदस्य शामिल हुए हैं. जानकारी के अनुसार पहली सूची में 30 से 35 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जा सकती है.

विधानसभा चुनाव में हिट होने के लिए बीजेपी की रणनीति दिल्ली में बन रही है. उम्मीदवारों के नामों पर मंथन शुरू हो गया है. प्रत्याशियों के नामों पर अंतिम फैसला संसदीय बोर्ड ल ग ि. विजयादशमी के बाद के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी. झारखंड बीजेपी के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि झारखंड के सभी विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के नाम के पैनल बनाए जा रहे हैं. इसके बाद संसदीय बोर्ड इस पर अंतिम फैसला लेगा. इस प्रक्रिया को पूरा करने में कम से कम सात दिन और लगेंगे. उम्मीदवारों की पहली सूची विजयादशमी के बाद जारी कर दी जाएगी.

सेल और बीएचपी के बीच हुआ एमओयू

स्टील डीकार्बोनाइजेशन को लेकर समझौता

संवाददाता। रांची

एमओयू के दौरान सेल और बीएचपी के अधिकारी.

स्टील उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और अग्रणी वैश्विक संसाधन कंपनी (बीएचपी) के बीच स्टील मेकिंग डीकार्बोनाइजेशन की दिशा में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एमओयू किया गया. यह साझेदारी भारत में ब्लास्ट फर्नेस रूट के लिए लो-कार्बन स्टील मेकिंग टेक्नोलॉजी वाले तरीकों को बढ़ावा देने की दिशा में सेल और बीएचपी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है.

इस समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों पक्ष पहले से ही सेल के ब्लास्ट फर्नेस संचालन करने वाले एकीकृत इस्पात संयंत्रों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (जीएचजी) को कम करने की दिशा में विभिन्न रणनीतियों का आकलन करने वाले शुरुआती अध्ययन के साथ संभावित डीकार्बोनाइजेशन के अनुकूल विभिन्न वर्कस्ट्रीम्स की खोज कर रहे हैं. ये वर्कस्ट्रीम ब्लास्ट फर्नेस के लिए हाइड्रोजन और बायोचार जैसे वैकल्पिक रिडक्टेंट्स की भूमिका पर विचार करेंगे ताकि डीकार्बोनाइजेशन ट्रांजिशन को अनुकूल बनाने के लिए स्थानीय अनुसंधान और विकास क्षमता का निर्माण भी किया जा सके. भारत और वैश्विक इस्पात उद्योग में मध्यम और दीर्घ अवधि के दौरान डीकार्बोनाइजिंग को बढ़ावा देने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी को लागू करना और मौजूदा ब्लास्ट फर्नेस तकनीकी में कमी लाना महत्वपूर्ण है और इस अप्रोच के साथ ये साझेदारियां बेहद जरूरी हैं.

सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने इस समझौते पर कहा, सेल बीएचपी के साथ इस समझौते को टिकाऊ तरीके से स्टील उत्पादन के विकास की दिशा में भविष्य की ओर एक बढ़ते कदम के रूप में देख रहा है. इस्पात क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं के साथ लेकर चलने की उभरती हुई आवश्यकताें पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है. सेल भारत में इस्पात उद्योग के लिए एक इनोवेटिव भविष्य को बढ़ावा देने के जरिये जलवायु परिवर्तन के मुद्दे से निपटने में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है. बीएचपी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी राग उड ने कहा बीएचपी का सेल के साथ लंबे समय से एक मजबूत संबंध स्थापित है और हम ब्लास्ट फर्नेस रूट के लिए डीकार्बोनाइजेशन के अवसरों का पता लगाने की दिशा में अपने इस संबंध को और बढ़ाने तथा मजबूत करने के लिए बेहद खुश हैं.

गोगो दीदी योजना पर कांग्रेस का तंज

जैसे पूत के पांव पालने में नजर आती है, वही हाल है फॉर्म का

विशेष संवाददाता। रांची

गोगो दीदी का फॉर्म भरवाने को लेकर उपजे विवाद पर कांग्रेस भी कूद गयी है. प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि जैसे पूत के पांव पालने में नजर आते हैं, उसी प्रकार भाजपा की गोगो दीदी योजना के फॉर्म की सच्चाई नजर आती है. सिन्हा ने तंज कसते हुए कहा की भाजपा ने कौन सा ऐसा बैंक खोल दिया, जिसमें बिना खाता नंबर के पैसा भेजा जाएगा. मतलब साफ है कि वोट के लिए राज्य की बहनों, बेटियों के साथ भाजपा फिर छल कर रही है. इनकी नीयत में खोट है. ये बेटियों को सबल बनाना नहीं बल्कि बोट बैंक के रूप में सिर्फ इस्तेमाल करना चाहती है. मंईयां सम्मान योजना से डरी भाजपा अब पूरी तरह बौखला गई है. अपने 10 सालों के शासनकाल में बेटियों को प्रताड़ित करने वाली भाजपा को झारखंड में चुनाव के वक्त बेटियों की चिंता सता रही है. सिन्हा ने कहा कि जब इस राज्य में भाजपा की सरकार थी, तब भाजपा ने महिलाओं के सम्मान के लिए कितनी योजनाएं धरातल पर उतारी, उसका हिसाब देना चाहिए. चुनाव के वक्त बेटियों के सम्मान की बात करना भारतीय जनता पार्टी को शोभा नहीं देता. महागठबंधन सरकार की इच्छाशक्ति के आगे भाजपा की हर घोषणा फेल हैं. जनता का विश्वास महागठबंधन सरकार पर है, इस चुनाव में भाजपा हाशिये पर चली जाएगी.

गोगो-दीदी योजना से डरी हुई है झामुमो, कांग्रेस और राजद: बाउरी

- सीएम का यह डर अच्छा है

प्रमुख संवाददाता। रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि कोई राज्य की महिलाओं को हक देने का प्रयास कर रहा है तो सीएम हेमंत को परेशानी है. अगर बांग्लादेशियों को किसी योजना का लाभ देना होता तो सीएम समर्थन में सबसे आगे खड़े होते. लोकसभा चुनाव के पूर्व इंडी ठगबंधन खुलेआम महिलाओं से फॉर्म भरवा रही थी. तब मुख्यमंत्री को आनंद की अनुभूति हो रही थी. यह नियम आचार संहिता लगने के पश्चात की है. आचार संहिता लगने के पूर्व अगर कोई राजनीतिक दल अपने वादों को लेकर राज्य की जनता के समक्ष जाता है, तो उसमें क्या समस्या है? समस्या सिर्फ वैसे लोगों को है जिनकी जमीन खिसक चुकी है.

समय बदलेगा, परिस्थितियों बदलेंगी

राज्य के अफसरों पर निशाना साधते हुए कहा कि वैसे पदाधिकारी भी ध्यान रखें: "समय बदलेगा, परिस्थितियों बदलेंगी", ऐसा कोई कार्य न करें कि एक राजनीतिक दल का कार्यकर्ता होने का मुहर लग जाए और भविष्य में परेशानियां खड़ी हो. राज्य में भाजपा नेतृत्व की सरकार आएगी. राज्य की हर महिला को महीने की 11 तारीख को 2100 रुपए दिए जाएंगे. इसे कोई भी कुंठित मानसिकता नहीं रोक सकती.

2006 से बंद पड़ा केंद्रीय विद्यालय फिर से खुलेगा

- रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ का प्रयास रंग लाया
- खलारी के लोगों को मिला नवरात्र का उपहार

संवाददाता। रांची

रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने नवरात्रि के अवसर पर डकरा खलारी क्षेत्र को नयी सौगात दी है. वर्ष 2006 से बंद पड़े केंद्रीय विद्यालय एक फिर शुरू होने वाला है. सत्र 2025- 26 से यहां शिक्षा भी शुरू हो जाएगी. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया कि डकरा खलारी का केंद्रीय विद्यालय फिर शुरू हो, यहां के बच्चों को अच्छी शैक्षणिक व्यवस्था, अच्छा शैक्षणिक माहौल मिले, इस दिशा में उनका प्रयास सांसद बनने के साथ ही 2019 से आरंभ किया था. कोयला मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के साथ लगातार समन्वय के बाद अब सुखद परिणाम सामने आया है. सीसीएल द्वारा फिर उस केंद्रीय विद्यालय को शुरू करने का प्रस्ताव दिया गया है, जिसे शिक्षा मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है. इसे शुरू करने की स्वीकृति भी दे दी है. शैक्षणिक क्षेत्र 2025 - 26 से इस विद्यालय में नामांकन और पढ़ाई शुरू हो जायेगी.

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान समय में केंद्रीय विद्यालय के पुराने भवन का ही जीर्णोद्धार किया जायेगा. इस भवन को बेहतर स्थिति में बनाकर विद्यालय के पठन पाठन का कार्य आरंभ किया जायेगा. इसके बाद ही जल्द नया भवन भी तैयार होगा, इसकी भी स्वीकृति मिल चुकी है. नया भवन अत्याधुनिक होगा, जहां बच्चों के लिए कई सुविधाएं होंगी. मंत्री ने कहा कि यहां केंद्रीय विद्यालय के शुरू होने से क्षेत्र के कामगारों ग्रामीण नागरिकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था मिल पायेगी. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री की पहल धरातल पर उतरने से पूरे क्षेत्र के नागरिकों के साथ भाजपा कार्यकर्ता में खुशी की लहर है.

बदलाव 12 पुलों का काम 60 से 90 फीसदी तक पूरा

झारखंड में बढ़ रही पुलों से सड़कों की कनेक्टिविटी

- चार पुलों का निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूरा हो गया है
- फिलहाल राज्य में 84 पुल चालू हैं

रवि भारती। रांची

झारखंड में पुलों से सड़कों को जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है. फिलहाल पथ निर्माण विभाग राज्य के विभिन्न जिलों में 28 पुलों का निर्माण कार्य कर रहा है. इसमें से 12 पुलों का काम 60 से 90 फीसदी तक पूरा हो चुका है. चार पुल का निर्माण काम पूरा हो गया है. इसमें उत्तर प्रदेश और ओडिशा बॉर्डर को जोड़ने वाले पुल भी शामिल हैं. इसका निर्माण मुसाबनी-डुमरिया के बीच हो रहा है. इस पुल का निर्णाण कार्य 82 फीसदी पूरा हो चुका है.

किन पुलों का कितना काम हुआ पूरा

पुल निर्माण का क्षेत्र	लागत(करोड़ में)	काम(प्रतिशत में)
मुसाबनी-डुमरिया	39.93	82
पिपला मोड़-घोड़ाबांधा	13.66	25
धालधूम गढ़	12.68	85
गोविंदपुर बाइपास	163.53	00
सरायकेला-खरसांवा	6.92	90
कांड्रा चांडिल रोड	18.37	90
तीनपहाड़-धमधमिया	93.94	00
पथना-हिरणपुर	5.91	00
बोरियो बाजार	6.81	00
भंडारीडीह-तुपकाडीह	40.00	85
कोनार नदी(गोविंदपुर)	6.93	80
डुमरी-नवाडीह-बेरमो	14.74	05
रजरप्पा रोड	15.13	100
मुगमा-चिरकुंडा	54.34	00
नवागढ़-तोपचांची रोड	6.87	92
हेसापाड़ा-कुसुमडीह	11.48	60
विश्रामपुर से भेलवा	11.87	00
लेस्लीगंज	23.93	82
कनहर बराज के पास धुरकी प्रखंड	21.12	00
लातेहार सरयू कोटाम रोड	6.10	43
गिरिडीह-देवघर रोड	6.17	19
चैनपुर-नौगेन	6.75	100
चैनपुर-घाघरा	20.72	100
भंडरा-सेन्हा रोड़	10.54	65
रुक्का-सालहन	36.41	94
रांची-हटिया स्टेशन के बीच	11.92	80

ये पुल हैं तैयार : रामगढ़ के रजरप्पा में सड़क पर बनने वाले पुल का निर्माण पूरा हो चुका है. इस पर 15.13 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. इसके अलावा चैनपुर-नौगेन-जयरागी सड़क पर बने पुल का निर्माण पूरा हो गया है. इस पर 6.75 करोड़ रुपए खर्च किये गये हैं. चैनपुर-घाघरा और कामडारा-बेड़ो के बीच पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. चैनपुर-घाघरा के बीच बने पुल के निर्माण कार्य में 20.72 करोड़ और कामडारा-बेड़ो के बीच बने पुल में11.37 करोड़ रुपए खर्च किये गये हैं.

सात माह में 118 एसटी-एससी महिलाओं के साथ हुआ दुष्कर्म

- 12 जिलों में एसटी-एससी महिलाओं के साथ दुष्कर्म की एक भी घटना नहीं
- रांची में सर्वाधिक 89 एसटी-एससी महिलाओं के साथ दुष्कर्म का केस

वरीय संवाददाता। रांची

झारखंड में बीते सात माह में 118 अनुसूचित जाति-जनजाति महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं. झारखंड पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, सभी दुष्कर्म की वारदातें जनवरी से जुलाई महीने के बीच हुई हैं. राज्य के 12 जिलों में दरिंदों ने इस घटना को अंजाम दिया है. रांची में सर्वाधिक 89 एसटी-एससी महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ है. वहीं अन्य 12 जिलों में एक भी एसटी-एसटी महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटना नहीं हुई है. इनमें गढ़वा, लातेहार, कोडरमा, रामगढ़, बोकारो, गुमला, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, जामताड़ा, दुमका और साहिबगंज शामिल हैं

झारखंड के किन 12 जिलों में हुईं दुष्कर्म की घटनाएं

रांची	:	89
खूंटी	:	01
सिमडेगा	:	01
लोहरदगा	:	16
पलामू	:	03
हजारीबाग	:	01
चतरा	:	01
गिरिडीह	:	01
धनबाद	:	01
गोड्डा	:	01
देवघर	:	01
पाकुड़	:	02
कुल	:	118

ईडी के नाम पर रांची में करोड़ों की वसूली!

रांची। ईडी के नाम पर रांची में करोड़ों की वसूली का मामला सामने आया है. इसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. वहीं मामला सामने आने के बाद पंडरा ओपी में शिकायत दर्ज करायी गयी है. जानकारी के मुताबिक, कई सीओ को ईडी की कार्रवाई से दूर रखने के नाम पर यह वसूली की गई है. बताया जा रहा है, ईडी की कार्रवाई दिखाकर और ईडी की चार्जशीट से दूर रखने के नाम पर कई लोगों से करीब सात करोड़ रुपये वसूले गए हैं. बताया जा रहा है कि कई सीओ जमीन से जुड़े मामले में ईडी के रडार पर थे. फिलहाल मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गयी है. वहीं मामले में दूसरे पक्ष के द्वारा भी एफआईआर दर्ज करा दी गयी है. आवेदन में अपहरण और जबरन पैसे वसूलने का आरोप लगाया गया है. दूसरे पक्ष की ओर से अधिवक्ता सुजीत कुमार की ओर से यह आरोप लगाया है. जबकि संजीव पांडे द्वारा ठगी का आरोप अधिवक्ता सुजीत पर लगाया गया है.

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024 आश्विन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ वर्ष : 2, अंक : 180 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शारदीय नवरात्र

षष्ठं कात्यायनी

चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानव-घातिनी॥

जगज्जननी भगवती दुर्गा के जिस विग्रह की उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है, रोग, शोक, पाप, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं, जिनकी उपासना से परम पद की प्राप्ति होती है, उन भगवती कात्यायनी को भक्तिपूर्वक नमन करता हूं. शारदीय नवरात्र के छठे दिन 8 अक्टूबर को भगवती कात्यायनी के ही दर्शन-पूजन का विधान है. मां कात्यायनी स्वर्ण के समान भास्वर हैं. इनकी चार भुजाएं हैं. दायीं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में. मां के बायीं तरफ के ऊपर वाले हाथ में तलवार है और नीचे वाले हाथ में कमल का फूल सुशोभित है. इनका वाहन सिंह है. इनका स्वरूप अत्यन्त भव्य और दिव्य है. पुत्री के रूप में भगवती परांबा को प्राप्त करने के लिए महर्षि कात्यायन ने कठिन तपस्या की थी. मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया. इसलिए उन्हें कात्यायनी की संज्ञा प्राप्त हुई. ब्रज की गोपियों ने भगवान कृष्ण को पति के रूप में पाने की कामना से इनकी आराधना की थी.

-डॉ. विनय कुमार पांडेय

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.7	24.8
जमशेदपुर	33.3	25.0
डालटनगंज	33.0	25.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,000
चांदी (किलो)	93,000

ब्रीफ खबरें

अमेरिकी वैज्ञानिक एम्ब्रोस व रुवकुन को चिकित्सा का नोबेल

जेनेवा। विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को संयुक्त रूप से 2024 के चिकित्सा के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट में नोबेल अकादमी ने सोमवार को इसकी घोषणा की. इस साल का अवॉर्ड 1901 के बाद से चिकित्सा में दिया जाने वाला 115वां नोबेल है. 229 विजेताओं में से 13 महिलाएं भी हैं. जीन गतिविधि को विनियमित करने वाले मौलिक सिद्धांत की खोज के लिए वैज्ञानिकों को ये पुरस्कार दिया गया. विक्टर एम्ब्रोस व गैरी रुवकुन इस बात में रुचि रखते थे कि विभिन्न कोशिकाओं के प्रकार कैसे विकसित होते हैं. उन्होंने माइक्रोआरएनए की खोज की, जो छोटे आरएनए अणुओं का एक नया वर्ग है जो जीन विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

बीरभूम में कोयला खदान में विस्फोट, सात खनिकों की मौत

बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम में कोयला खदान में जोरदार विस्फोट हुआ है. इस हादसे में कोयला खदान में काम कर रहे सात मजदूरों की मौत हो गई. विस्फोट में कई लोग घायल भी हुए हैं. हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है. पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह भदुलिया ब्लॉक की कोयला खदान में हुई. हालांकि, पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि. ने दावा किया है कि उसकी खदान में विस्फोट के कारण पांच लोगों की जान चली गई.

चौका के नरसिंह इस्पात में मजदूर की मौत, बवाल

मजदूरों का आरोप : जहरीली गैस लीक करने के कारण बिगड़ी हालत

उठाये सवाल

- शाम में बिगड़ी हालत तो, रात 12 बजे परिजनों को क्यों दी सूचना

डायरेक्टर बोले

- हमने समय पर इलाज के लिए पहुंचाया, परिजनों व ग्रामीणों की मांगों पर एमडी से बात कर बताएंगे

दिलीप कुमार। चांडिल

17 जून को प्रकाशित खबर.

चौका के नरसिंह इस्पात कंपनी के मजदूर सुरेश महतो की मौत के बाद गुस्साए परिजनों, कामगारों व ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया. सोमवार शाम छह बजे जैसे ही एंबुलेंस से सुरेश का शव पहुंचा, साथी मजदूर उत्तेजित हो गये. काफी संख्या में सुरेश के गांव व ससुराल के ग्रामीण भी कंपनी गेट पर पहुंच प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे.कपंनी गेट के बीचोबीच एंबुलेस खड़ा कर हंगामा करने लगे.

परिजनों का आरोप था कि कारखाना में जहरीली गैस के रिसाव के कारण सुरेश की तबीयत बिगड़ी गई थी. लेकिन कंपनी प्रबंधन ने इलाज कराने में देर कर दी, जिससे उसकी मौत हो गयी. ग्रामीण कंपनी प्रबंधन पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ ही साथ परिजनों को मुआवजा व एक सदस्य को नौकरी देने की मांग कर रहे थे. मजदूरों का कहना था कि कारखाना में न तो प्राथमिक इलाज की कोई व्यवस्था है और न ही एंबुलेस की. ड्यूटी के दौरान मजदूरों के साथ कोई हादसा होता है, तो समय पर इलाज नहीं हो पाने के कारण मजदूर की मौत हो जाती है. वहीं परिजनों का आरोप था कि जब शाम में ही सुरेश की हालत बिगड़ी, तो प्रबंधन ने उन्हें उसी वक्त क्यों नहीं सूचना दी, ताकि वे उनका समय पर इलाज करा पाते. प्रबंधन ने आखिर रात 12 बजे जब ज्यादा हालत खराब हुई, तो सूचना दी और रिम्स, रांची ले जाने के संबंध में जानकारी दी. आखिर प्रबंधन ने समय पर इलाज की व्यवस्था क्यों नहीं की. उधर मामले की जानकारी मिलने के बाद जेबीकेएसस के केंद्रीय उपाध्यक्ष तरुण महतो, आजसू के जिलाध्यक्ष सचिन महतो, प्रखंड अध्यक्ष दुर्योधन गोप सहित काफी संख्या में दोनों पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता कंपनी गेट पर हंगामा करने लगे. हंगामे की सूचना पाकर बीडीओ तालेश्वर रविदास व चौका थाना प्रभारी बजरंग महतो पुलिस के साथ पहुंचे और हंगामा कर रहे ग्रामीणों व कारखाना के मजदूरों को समझा-बुझा कर शांत कराने की कोशिश की.

पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने के बावजूद हंगामा बढ़ता गया. बीडीओ के दबाव में कंपनी के डाइरेक्टर अजय सिंह गेट से बाहर आये. उन्होंने अपना पक्ष रखा, बताया कि समय पर सुरेश के इलाज के लिए चांडिड में ही एक स्थानीय डॉक्टर के पास ले जाया गया था. वहां से उसे टीएमएच ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने रिम्स, रांची रेफर कर दिया. लेकिन हम सुरेश को बचा न सके. मजदूरों की मांगों पर उन्होंने कंपनी के प्रबंध निदेशक से बातचीत करने की बात कही और अंदर चले गये. उधर अजय सिंह को देखते ही मजदूर उत्तेजित हो गए थे, जिन्हें थाना प्रभारी ने संभाले रखा. मजदूरों का गुस्सा देखते हुए काफी संख्या में पुलिस बल को कारखाना के सामने तैनात रखा गया है. बीडीओ और थाना प्रभारी प्रबंधन से सम्मानजनक वार्ता कराने का प्रयास कर रहे हैं. उधर जेबीकेएसएस के उपाध्यक्ष तरुण महतो ने साफ कह दिया कि मजदूरों की मांग नहीं मानी गयी, तो कंपनी प्रबंधन का हुक्का-पानी बंद कर दिया जाएगा. उन्होंने कंपनी के जिम्मेवार अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग की.

परिजनों ने कहा

मुंह से निकल रहा था झाग

परिजनों व स्थानीय लोगों ने कहा कि सुरेश महतो बी शिफ्ट ड्यूटी करने आये थे. शाम को उनकी तबियत खराब हुई तो डाइरेक्टर को सूचना दी गयी. लेकिन वे कारखाना नहीं आये. सुरेश को एक कमरे में लेटा दिया गया था. उसके मुंह से झाग निकल रहा था, लेकिन प्रबंधन की ओर से तत्काल इलाज की कोई व्यवस्था नहीं की गयी. बाद में उसे कैंपर गाड़ी (डाला गाड़ी) पर लाद कर इलाज के लिए ले जाया गया. यदि चौका के डॉक्टर के पास ले जाया गया था, तो वहां इलाज का कोई परची तो होगा न. परिजनों का कहना है कि समय पर प्रबंधन इलाज की व्यवस्था नहीं कर सका, जिससे उनके साथी की मौत हो गयी. जब सुरेश को रिम्स ले जाया गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सुरेश के साला विदेश महतो ने बताया कि शाम को इलाज की व्यवस्था की गई होती, तो बहनोई सुरेश की जान बचाई जा सकती थी. लेकिन न तो कारखाना में इलाज की कोई व्यवस्था है और न एबुंलेस की. देर रात 12 बजे उन्हें फोन पर सुरेश की तबीयत खराब होने की सूचना दी गयी थी.

सीएम ने सभी डीसी को दिया निर्देश, चुनाव आयोग के नियमों को तोड़ने की आजादी नहीं

सरकार और भाजपा के बीच ठनी

रवि भारती। रांची

हिमंता विस्वा सरमा बोले

- हम किसी नियम या संवैधानिक प्रावधान का नहीं कर रहे उल्लंघन

गिरिडीह जिला प्रशासन ने कहा

- गोगो दीदी योजना के नाम से कोई भी योजना राज्य में संचालित नहीं

सीएम हेमंत सोरेन के एक आदेश के बाद राज्य सरकार और भाजपा में ठन गई है. सीएम ने सोमवार को सोशल मीडिया में पोस्ट कर लिखा है कि सभी जिलों के डीसी संज्ञान लें और सुनिश्चित करें कि भारत निर्वाचन आयोग के सभी नियमों का सख्ती से पालन हो. झारखंड में किसी को चुनाव आयोग के नियमों को तोड़ने की आजादी नहीं है. सभी डीसी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें. साथ ही सुसंगत धाराओं में मुकदामा कायम करते हुए सूचना दें. सीएम के इस निर्देश के बाद असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड भाजपा चुनाव सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा ने कहा कि चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता चुनाव अधिसूचना जारी होने की तिथि से प्रभाव में आती है. अधिसूचना जारी होने तक, प्रत्येक राजनीतिक दल को अपने कार्यक्रम संचालित करने का अधिकार है. जब तक हम किसी नियम या संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं, हमारी गतिविधियों में राज्य सरकार द्वारा किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप अवैध माना जाएगा.

हेमंत ने एक्स पर क्या लिखा : सभी उपायुक्त संज्ञान लें एवं सुनिश्चित करें कि भारत निर्वाचन आयोग के सभी नियमों का सख्ती से पालन हो. झारखंड में किसी को केंद्रीय चुनाव आयोग के नियमों को तोड़ने की आज़ादी नहीं है. सभी उपायुक्त दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें एवं सुसंगत धाराओं में मुकदमा कायम करते हुए सूचना दें.

झामुमो ने की भाजपा की शिकाय़त : झामुमो ने भी भाजपा की शिकायत की है. झामुमो की ओर से ट्वीट कर कहा गया है कि भाजपा लगातार निर्वाचन आयोग के नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है - और चुनाव आयोग सो रहा है. सवाल करते हुए लिखा है कि आख़िर भाजपा को नियम तोड़ने की विशेष छूट है क्या ? आख़िर इतनी छूट के बाद भी 240 ही क्यों ? चुनाव आयोग कहता है कि किसी भी तरह का फॉर्म नहीं भरवाया जा सकता है. पर भाजपा के नेता, दल बदलू लगातार इसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं और केंद्रीय चुनाव आयोग शांत है. सीएम इस पर संज्ञान लें, नहीं तो इंडिया गठबंधन भी अब ऐसे हथकंडे अपनाएगा.

ऐसे भ्रामक विज्ञापनों से रहें सावधान : उधर, इस संबंध में मीडिया में कुछ विज्ञापन आने के बाद सभी जिला प्रशासन सतर्क हो गए हैं. ई सिलसिले में गिरिडीह जिला प्रशासन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों यह सूचना प्राप्त हो रही है कि कुछ लोगों के द्वारा गोगो दीदी योजना के नाम से 2100 रुपए प्रति महिलाओं को लाभ देने के लिए आवेदन प्रपत्र भरवाया जा रहा है. इस संबंध में सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा के तहत गिरिडीह जिले में गोगो दीदी योजना के नाम से कोई भी योजना संचालित नहीं है. न ही प्रशासन द्वारा कोई आवेदन प्रपत्र जारी किया गया है. आम लोगों से अनुरोध भी किया गया है कि कि ऐसे भ्रामकों विज्ञापन से सावधान रहें. सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक के हस्ताक्षर से यह विज्ञप्ति जारी की गई है.

मैं खुद भरवाऊंगा गोगो दीदी योजना का फॉर्म, सरकार दर्ज कराए केस : बाबूलाल

आदर्श आचार संहिता लागू होने के पूर्व ही सीएम हेमंत सोरेन द्वारा जिला उपायुक्तों को अपने एक्स हैंडल से दिए गए निर्देश पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रति जनता के बढ़ते रुझान और समर्थन से मुख्यमंत्री बौखलाहट में हैं. ऐसा लगता है उन्हे संवैधानिक ज्ञान का अभाव है. वे गलत सलाहकारों से घिर चुके हैं. पंच प्रण के तहत गोगो दीदी योजना द्वारा भाजपा महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है. इस योजना के तहत महिलाओं के बैंक खातों में सरकार बनने के तुरंत बाद 2100 रुपए प्रति माह भेजे जाएंगे. इसके लिए भाजपा कार्यकर्ता सक्रिय रूप से फॉर्म भरवा रहे हैं, ताकि महिलाओं को उनके अधिकार और सशक्तिकरण का लाभ मिल सके. हेमंत सोरेन सरकार इस जनकल्याणकारी योजना को बाधित करने का हरसंभव प्रयास कर रही है. भाजपा कार्यकर्ताओं को झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है और तरह-तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है, ताकि वे अपने मिशन से पीछे हट जाएं. हेमंत सोरेन को एक बार फिर से आगाह कर देना चाहता हूं कि आप चाहे जितने भी झूठे मुकदमे दर्ज करवा लें, भाजपा कार्यकर्ता आपके इन दमनकारी हथकंडों और गीदड़ भभकी से डरने वाले नहीं हैं. पहले भी आपने कई मुकदमे दर्ज कराए हैं, परंतु हम पीछे नहीं हटे और न ही हटेंगे.

भाजपा कार्यकर्ताओं से की अपील

भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं से अपील करते करते हुए कहा कि वे गोगो दीदी योजना के फॉर्म भरवाने के कार्य को हर घर तक पहुंचाएं. राज्य की महिलाओं के सशक्तीकरण और उनके उत्थान के लिए इस महत्वपूर्ण कार्य को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करें. आपकी मेहनत से राज्य की महिलाएं सशक्त होंगी और उनका भविष्य उज्ज्वल होगा. सभी कार्यकर्ता बंधुओं को आश्वस्त कर देना चाहता हूं कि मैं खुद भी स्वयं आप लोगों के साथ मिल कर अपनी माताओं बहनों के बीच जाकर उनकी उन्नति और प्रगति के लिए गोगो दीदी योजना का फॉर्म भरवाऊंगा. भाजपा कार्यकर्ता महिला कल्याण के लिए हजारों केस मुकदमा, लाठी गोली खाने को तैयार हैं.

किंग कौन, किंग मेकर कौन आज हटेगा परदा

एग्जिट पोल के नतीजों से इंडिया ब्लॉक गदगद
भाजपा का भी सरकारें बनाने का दावा

लगातार न्यूज । नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना मंगलवार सुबह शुरू होगी. इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की गई है. रुझान 10 बजे से मिलने की उम्मीद है. सभी एग्जिट पोल की मानें तो 90 सीटों वाले हरियाणा में कांग्रेस की सरकार पूर्ण बहुमत से बन सकती है. वहीं जम्मू कश्मीर में भी इंडिया गठबंधन की सरकार बन सकती है. 90 सीटों वाले जम्मू-कश्मीर के चुनाव नतीजे से 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में पहली निर्वाचित सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा. एग्जिट पोल के नतीजों से इंडिया ब्लॉक दावा कर रहा है कि भाजपा हार रही है.

हरियाणा-जम्मू कश्मीर में मतगणना आज

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि एग्जिट पोल के अनुसार पीएम का जलवा खत्म हो गया. वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर आए एग्जिट पोल नतीजों को दिशा दिखाने वाला बताया. साथ ही दावा किया कि भारी बहुमत से प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने वाली है.

वहीं भाजपा नेता आरपी सिंह ने कहा, लालू यादव को इंतजार करना चाहिए. उन्हें एग्जिट पोल पर विश्वास नहीं करना चाहिए. हरियाणा में हम मजबूत स्थिति में हैं और जम्मू-कश्मीर में हम सरकार बना रहे हैं. नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भी कहा है कि जम्मू-कश्मीर में गठबंधन की सरकार बन रही है. इस पर आरपी सिंह ने कहा, वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं. जम्मू-कश्मीर में नतीजों से एक दिन पहले ही राजनीति गरमा गई है. क्या जरूरत पड़ने पर कांग्रेस-नेकां, पीडीपी की मदद लेगी, इस सवाल पर नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाने के लिए महबूबा मुफ्ती की पार्टी का समर्थन लेने पर विचार को लेकर तैयार है. उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पांच आरक्षित सीटों पर सदस्यों को नामित करने का अधिकार उपराज्यपाल को देने के कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यदि भाजपा नीत केंद्र सरकार इस पर आगे बढ़ती है तो उनकी पार्टी उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी.

सीएम हेमंत सोरेन ने स्मार्ट सिटी में अपोलो मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल की रखी आधारशिला, कहा

रांची को जल्द मिलेगी बड़े शहरों जैसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की सुविधा

कौशल आनंद। रांची

अब राजधानी रांची में भी बड़े शहरों जैसी सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल की सुविधा उपलब्ध होगी. राज्य सरकार और अपोलो ग्रुप मिल कर रांची की स्मार्ट सिटी में मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल बनाएंगे. इसकी आधारशिला सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नगर विकास मंत्री हफीजुल अंसारी और अपोलो ग्रुप की एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरपर्सन डॉक्टर प्रीता रेड्डी ने रखी.

इसी मौके पर इस्लाम नगर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत निर्मित 291 आवासों का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री ने किया. उन्होंने पांच लाभुकों मो. शफीक, अब्दुल बारी, रूबीना खातून, मौलाना तफजुल हुसैन, तहिरा मुसाजी आदि को चाबी भी सौंपी. इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, सांसद महुआ माजी, विकास आयुक्त अविनाश कुमार, नगर विकास सचिव सुनील कुमार आदि भी मौजूद थे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि 310 बेड के इस मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल में हृदय रोग, अत्याधुनिक कैंसर उपचार, दयालु मातृ स्वास्थ्य, विशेष बाल चिकित्सा की व्यवस्था होगी. यह अस्पताल आपके जीवन के हर चरण में आपके साथ रहेगा. झारखंड स्वास्थ्य को लेकर हमेशा चिंतित रहा है. **-शेष पेज 11 पर**

मुख्यमंत्री ने इस्लाम नगर के 291 विस्थापितों को सौंपी आवास की चाबी

अपोलो मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के बाद नक्शा देखते सीएम.

इस्लाम नगर के लाभुकों को घर की चाबी सौंपते सीएम हेमंत सोरेन.

अस्पताल में रहेगी ये व्यवस्था और सुविधा

- झारखंड के लोगों को नई दिल्ली,चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद जैसे शहरों की ओर भाग-दौड़ नहीं करनी होगी
- **310 बेड के इस मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल में प्रसिद्ध हृदय देखभाल, अत्याधुनिक कैंसर उपचार, दयालु मातृ स्वास्थ्य, विशेष बाल चिकित्सा की व्यवस्था होगी.**
- इस अस्पताल का निर्माण रांची स्मार्ट सिटी क्षेत्र में 2.75 एकड़ जमीन पर होगा.
- **रांची नगर निगम की ओर से इस जमीन नि :शुल्क अपोलो प्रबंधन को उपलब्ध कराई गई है.**
- यहां हमेशा अत्याधुनिक कैथ लैब्स, एमआरआई, ऑपरेशन थिएटर और न केवल प्रौद्योगिकी के साथ जीवन रक्षक दवाओं तथा अभूतपूर्व प्रक्रियाओं के वादे के साथ सुसज्जित आईसीयू तैयार रहेगा.
- **इस अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध रहेगी.**

शेयर बाजार के लिए ब्लैक मंडे: 9 लाख करोड़ और डूबे

एजेंसियां। मुंबई

हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए ब्लैक मंडे साबित हुआ. विदेशी निवशकों की तेज बिकवाली के चलते लगातार छठे कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार तेज बिकवाली के साथ बंद हुआ. बैंकिंग, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स पर सबसे ज्यादा मार पड़ी. कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स औंधे मुंह जा गिरे. कारोबार खत्म होने पर बीएसई 638 अंकों की गिरावट के साथ 81050 अंकों पर क्लोज हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 198 अंकों की गिरावट के साथ 24,817 अंकों पर क्लोज हुआ. सोमवार के कारोबार में बैंकिंग और एनर्जी स्टॉक्स की सबसे ज्यादा पिटाई

हुई. निफ्टी बैंक 837 अंकों या 1.63 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ. जबकि निफ्टी का एनर्जी इंडेक्स 2.52 फीसदी या 1050 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ. इसके अलावा ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर गिर कर बंद हुए. निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स भी 1170 अंकों या 2 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 495 अंक या 2.75 फीसदी गिरकर क्लोज हुआ. केवल आईटी सेक्टर के शेयरों में थोड़ी हरियाली नजर आई.

इजराइल-हमास संघर्ष का एक साल : वक्ताओं ने कहा-युद्ध नहीं शांति चाहिए, गाजा में निर्दोष लोगों की हत्या बंद करो

वामदलों के देशव्यापी आह्वान पर फिलिस्तीन एकजुटता दिवस मना

संवाददाता। रांची

इजराइल फिलिस्तीनी जनता का नरसंहार बंद करो के नारों के साथ सोमवार को मेन रोड स्थित भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यालय में वामदलों ने देशव्यापी आह्वान पर फिलिस्तीन एकजुटता दिवस मनाया. वक्ताओं ने कहा कि युद्ध नहीं शांति चाहिए, गाजा में निर्दोष लोगों की हत्या बंद करो, आज गाजा में इजराइल के नरसंहारक युद्ध का एक वर्ष पूरा हो गया है. पिछले वर्ष 7 अक्टूबर को इजराइल के अंदर हमास द्वारा किए गए हमले का बदला लेने के नाम पर इजराइली फौज ने गाजा में फिलिस्तीनियों पर बर्बर हमला किया था. पूरी दुनिया में लाखों-लाख लोग सड़कों पर उतर कर इस नरसंहारकारी जंग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर युद्ध को तुरंत रोकने की मांग कर रहे हैं. इस पृष्ठभूमि में इस बर्बर युद्ध को रोकने और शांति के पक्ष में वामपंथी पार्टियों ने पूरे देश में फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिवस मनाया. इस देशव्यापी कार्यक्रम के माध्यम से भारत सरकार से मांग की गई कि फिलिस्तीन की जनता के पक्ष में उठ खड़े हों, विश्व जनमत की भावना का सम्मान करें.

कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार से फिलिस्तीन की जनता के पक्ष में खड़े होने की मांग की गई.

रांची में वामदलों द्वारा सीपीआई कार्यालय में एक युद्ध विरोधी सभा भी आयोजित की गई. इसकी अध्यक्षता गोपीकांत बक्शी ने की. सभा को सीपीएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, भाकपा माले के शुभेंदु सेन, भाकपा के अजय सिंह, सुखनाथ लोहरा, जैनेंद्र कुमार, प्रतीक मिश्र, प्रकाश टोप्पो, अनिर्वान बोस, बीना लिंडा, मोहन दत्त, एसके राय, समीर दास, सीमा केरकेट्टा, प्रफुल्ल लिंडा, अधिवक्ता एम चौधरी, फादर टोनी, फादर टाम समेत अन्य ने भी अपने विचार रखे.

वामदलों ने फिलिस्तीन पर इजराइली हमलों की निंदा की

वामदल एकता मंच ,लोहरदगा के तत्वावधान में शांति नगर,किस्को मोड़,लोहरदगा में सोमवार को बैठक अनंत दास की अध्यक्षता में हुई, जिसमें अमेरिका के इशारे पर इजराइल के द्वारा फिलस्तीन पर हमला करने की निन्दा की गई . तथा उससे उत्पन्न तीसरे विश्व युद्ध की परिस्थिति पैदा करने की कार्रवाई को निन्दनीय करार दिया गया . वामदल दुनिया में शांति पक्षधर रहा है, युद्ध व नरसंहार का नहीं, दो-दो विश्व युद्ध के प्रहार से आज भी दुनिया उबर नहीं पायी है और अगर तीसरा विश्व युद्ध हो गया तो दुनिया नष्ट हो जायगी . दुनिया का विकास रुक जायगा,साथ ही आने वाली पीढी का नामोनिशान मिट जाएगा एवं नाभिकीय शस्त्रों के करण कोई विजेता नहीं रह पाएगा . वामदल भारत सरकार से मांग करती है कि फिलिस्तीन के पक्ष में तथा दुनिया में शांति कायम करने का पहल करे, क्योंकि भविष्य में आने वाली पीढ़ी को शांति व सुख चैन मिल सके . अंत में युद्ध नहीं, शांति चाहिए, अमेरिका चौधराहट बंद करे, वामदल एकता जिन्दाबाद के नारे के साथ बैठक संपन्न हुई . मौके पर दिलीप कुमार वर्मा, महेश कुमार सिंह, बच्चू नारायण सिंह, राम कुमार महतो,जगदीश महतो,लाल धनंजय शाहदेव, शिवनाथ यादव, मो कैश, रामलखन वर्मा, गौशुल आजम ने भी अपने विचार रखे .

107 बीडीओ इधर से उधर, वरुण कुमार बने चान्हो के बीडीओ

रांची। राज्य सरकार ने 107 प्रखंड विकास पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है. ग्रामीण विकास विभाग ने सोमवार को यह आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश के अनुसार वरुण कुमार को चान्हो रांची का बीडीओ, एजाज हुसैन अंसारी को तोपचांची, लक्ष्मण यादव को बाघमारा, विशाल कुमार पांडे को टुंडी, अमृता सिंह को चालकुशा, अनुज बंदों को मनातू, अरुण कुमार मुंडा को पोटका, सुषमा आनंद को गोला, राजेश कुमार सिंह को रामेश्वर दुमका, सौरभ कुमार को कथैकुंड दुमका, कमलेंद्र कुमार सिंह को रामगढ़, दुमका प्रधान हंसदक को मनोहरपुर, शशि संदीप सोरेन को मार्गो मुंडा का बीडीओ बनाया गया है. नवीन चंद्र झा को, एकता वर्मा को इचागढ़, अनिल कुमार पासवान को बारियातू, लातेहार, सीमा कुमारी को जारीडीह भेजा गया है.

ब्रीफ खबरें

इंदिरा पेंशन योजना का बढ़ेगा दायरा

रांची। झारखंड सरकार बुजुर्गो के लिए पेंशन योजना में बदलाव करने की तैयारी कर रही है. इसके तहत अब इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ 80 वर्ष के ऊपर के वृद्धों को भी दिया जाएगा. इस आशय की स्वीकृति कैबिनेट की बैठक में दी जा सकती है. मंत्रिपरिषद की मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में शाम चार बजे से होने वाली बैठक में सड़क-पुल निर्माण इत्यादि की भी योजना की मंजूरी मिलेगी. इसके अलावा भी कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव की स्वीकृति मिल सकती है.

शिक्षक संघ ने सीएम हेमंत से किया आग्रह

रांची। झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि झारखंड के शिक्षकों, अभ्यर्थियों एवं विद्यार्थियों के हित की रक्षा करें. उन्होंने कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एवं जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय समेत राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश जांच परीक्षा में झारखंड के अभ्यर्थियों के लिए कोई भी परीक्षा केंद्र तय नहीं है.

कुड़ुख कार्यशाला 11 से 13 तक भोपाल में

रांची। आदिवासी लूर अड्डा, रांची में कुड़ुख लिटरेरी सोसायटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली के अध्यक्ष सह जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय, रांची विश्वविद्यालय के पूर्व समन्वयक की अध्यक्षता में तीन दिवसीय 17 वीं राष्ट्रीय कुड़ुख कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा. यह कार्यक्रम. 11 से 13 अक्टूबर तक भोपाल के ऑडिटोरियम कैंपियन स्कूल में चलेगा.

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इलेक्शन कमीशन को लिखा पत्र, अपनी मांग में कहा

तय समय पर हों राज्य में चुनाव

गोगो फार्म में कोई निबंधन संख्या अंकित नहीं, इसलिए सरकार का दायित्व है, फर्जीवाड़े को रोकना

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने तय समय से पूर्व झारखंड में चुनाव कराने को लेकर इलेक्शन कमीशन को पत्र लिखा है. पार्टी की ओर से लिखे गए पत्र के बाद कहा कि राज्य में हमारी सरकार का कार्यकाल दिसंबर के अंतिम में पूरा होगा. जो सरकार राज्य में होती है. जिसका काम अपने कार्यकाल तक काम-काज करना और अपने राज्य की जनता को विकास योजनाओं को देना, उनका संपूर्ण विकास करना. हरियाणा सरकार का कार्यकाल अक्टूबर तक है, इसलिए वहां पर इसी माह चुनाव हुआ. पिछले बार भी 23 दिसंबर को निर्वाचन आयोग का रिजल्ट आया. 29 दिसंबर को राज्य की जनता के जनादेश के मुताबिक शपथ लिया. पांच जनवरी को औपचारिक रूप से विधानसभा का गठन हुआ. मगर यहां पर यह सूचनाएं आ रही हैं कि यहां पर समय पूर्व चुनाव कराया जाए. मैंने एक पत्र इलेक्शन कमीशन को भेजा है. विगत 23 सितंबर को चुनाव आयोग की टीम आयी थी तब हमने हमलोगों ने कहा था कि जनादेश का विपिरीत जाकर काम होता है तो वह लोकतंत्र के खिलाफ होगा, संविधान के खिलाफ होगा. क्योंकि हमें जनादेश पांच साल का प्राप्त है. क्योंकि हमे जनादेश पांच साल के लिए मिला है. उसमें अगर पांच मिनट का भी छय होगा, तो जनादेश का अपमान होगा. लोकतांत्रिक भावना के खिलाफ होगा. हम चुनाव से डरते नहीं है. चुनाव के लिए हमेशा तैयार रहते हैं. लेकिन हमारे कुछ महत्वाकांक्षी जनसरोकार के काम है, वहीं कहीं प्रभावित न हो. बाधित न हो. इसी आशंका के साथ हमने आग्रह किया है. हमारा कार्यकाल दिसंबर तक का है. हमें पर्याप्त समय दें. उक्त बातें झामुमो के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने इलेक्शन कमीशन को पत्र लिखने के बाद आयोजित एक प्रेस वार्ता में कही.

हरियाणा और महाराष्ट्र के साथ भेदभाव नहीं तो फिर तो झारखंड के साथ क्यों : उन्होंने कहा कि हरियाणा के साथ भेदभाव नहीं हुआ. महाराष्ट्र के साथ भी भेदभाव नहीं होगा. तो फिर झारखंड के साथ क्यों. हमारे साथ होगा तो हम उचित और न्यायोचित भी नहीं है. हम जनता से कहना चाहते हैं कि आप किसी भ्रम में न रहें. 15 नंवबर तक हमारे यहां कई पर्व त्योहार हैं. दीपवाली और छठ यहां के अहम त्योहार हैं. छठ में दूसरे प्रदेश के लोग अपने गांव चले जाते हैं. दिसंबर को पूरा माह बच रहा है. अब तो जम्मू काश्मीर जैसे राज्य में जहां इतना आशांति था, दुर्गम पहाड़ियां थे, वहां पर दो फेज में चुनाव हो सकता है. हमारा तो 81 है, हरियाणा का 90 है. इलेक्शन कमीशन तय समय चुनाव कराए. झारखंड नए कीर्तिमान बनाए, मतदात के तहत.

गोगो योजना फार्म के मास्टर माइंड बाबूलाल जी हैं

गोगो योजना का भाजपा द्वारा फार्म भरवाने जाने के विषय पर उन्होंने कहा कि यहां के लोग सीधे-साधे हैं . यह भाजपा के ठग प्रजाति के हैं . इस योजना का फार्म निकाला है, उसमें पंजीकरण फार्म लिखा है . वह दो हिस्से में है . जिसमें कोई संख्या अंकित है क्या . जिसे निबंधन संख्या कहा जाता है . इसलिए सरकार को फर्जीवाड़ा का संचालन करने पर रोक लगाना जरूरी है . जो अधकट्टी दे रहे हैं वह भी फर्जी है . बाबूलाल जी कह रहे हैं मैं भराऊंगा, तो यह भी जान लें कि इस पूरे फर्जीवाड़ा के मास्टर माइंड बाबूलाल जी हैं . एक-एक हजार रुपया गैर कानूनी रूप से वसूला जा रहा है . कांग्रेस जब अपनी योजना का फार्म भरवा रही थी, तो क्या ये लोग इलेक्शन कमीशन नहीं गए थे क्या . ये भाजपा के लोग जाली हैं, जाली पार्टी का जाली काम . उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि पांच प्रपंच में क्या एनआरसी मुद्दा रखा है क्या . ये डिफ्यूज बम हैं . क्या असम में, त्रिपुरा में एनआरसी लागू हुआ .

ढाई -तीन साल क्या हुआ सभी जानते हैं

भट्टाचार्य ने कहा कि दो साल कोरोना, फिर सरकार तोड़ो, विधायक खरीदो, झूठे केस में जेल भेजो का काम हुआ . इसके बाद काम शुरू हुआ . लोकसभा चुनाव बाद काम में तेजी आई . इसलिए ऐसी दवाइयां ली हैं लोगो को सुखद अनुभूति हो रही है . ढाई-तीन साल क्या हुआ सभी जानते हैं .

गोगो दीदी फार्म भाजपा के वैचारिक दिवालियेपन का नमूना : विनोद पांडेय

रांची। भाजपा के गोगो दीदी फार्म भरवाने पर झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि यह भाजपा का एक और जुमला है. पेड़ पर कटहल और होंठ पर तेल वाली कहावत भाजपा पर चरितार्थ हो रही है. सत्ता से दूर रह कर भाजपा विचलित हो गई है और मुंगेरीलाल के हसीन सपने की तरह सरकार बनाने का असंभव सपना देख रही है. एक राजनीतिक दल के रूप में भविष्य में सरकार बनने पर योजना बनाने से पहले विपक्ष में रहते हुए फार्म भरवा कर भाजपा ने अपने वैचारिक दिवालियापन का नमूना पेश किया है. जुमलेबाजी भाजपा की रग - रग में रच - बस गया है. ये राज्य की भोली भाली जनता को ठगने की सोची समझी साजिश है. यह हर

कोई समझ रहा है कि जनभावनाओं के अनुरूप, जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने वाले हेमंत सरकार की लोकप्रियता से भाजपा बौखलाहट में नैतिक - अनैतिक, उचित - अनुचित, संवैधानिक और असंवैधानिक के बीच का अंतर नहीं समझ पा रही है. केंद्र की सत्ता पर काबिज भाजपा कानून का मखौल उड़ा रही है.

विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि जुमलेबाज भाजपा के नेता बताएं कि उनकी केंद्र की सत्ता पर काबिज सरकार हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने के वादे पर कितना कदम आगे बढ़ी. कितने युवाओं को देश में रोजगार दिया. विदेश में जमा भारत का काला धन वापस लाकर हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपए देने के वादा का क्या हुआ. वैचारिक पतन की मारी भाजपा के देश भर के नेताओं के मुंह पर आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव का परिणाम एक जबरदस्त तमाचा होगा. जनता ही इन्हें सबक सिखाएगी. भाजपा के नेता लोगों को भ्रमित करने के लिए गोगो दीदी फार्म भरवा रहे हैं एक ऐसा फार्म जिसमें खाता संख्या नहीं लिया जा रहा है.

न्यूज अपडेट

भारत कॉम्बैट गेम्स के वुशु प्रतियोगिता में बना चैंपियन

रांची। भारत पहले दक्षिण एशियाई स्कूल कॉम्बैट गेम्स में वुशु प्रतियोगिता में चैंपियन बना. बांग्लादेश के ढाका में कॉम्बैट टूर्नामेंट का आयोजन किआ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में किया गया था. भारतीय वुशू संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जनाब सोहेल अहमद ने जानकारी दी कि भारत ने इस प्रतियोगिता में वुशू में 15 स्वर्ण पदक, 6 रजत और 3 कांस्य पदक जीते. वहीं भारतीय स्कूली बच्चों ने ताइक्वांडो में 2 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल जीता. एथलेटिक और कराटे में भारत में निराशा हाथ लगी. फर्स्ट साउथ एशिया स्कूल स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका ने हिस्सा लिया था. भारत के शम्भु सेठ को इस प्रतियोगिता के कंपटीशन डायरेक्टर बनाया गए थे.

हटिया सिंह मोड़ सरना स्थल में प्रार्थना सभा का आयोजन

रांची। हटिया सिंह मोड़ सरना स्थल पर सोमवार को सरना झंडा गड़ी सह प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. इसमें बड़ी संख्या में सरना धर्मावलंबी शामिल हुए. इससे पहले सरना श्रद्दालु लटमा रोड, सिंह मोड़ होते हुए सरना स्थल पहुंचे. यहां पर भजन कीर्तन किया गया. पुराने झंडे को बदला गया और नया सरना झंडा लगाया गया. सभा को संबोधित करते हुए राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा का केंद्रीय अध्यक्ष रवि तिग्गा ने कहा कि सरना प्रार्थना सभा से आदिवासी समाज एकजुट हो रहा है. युवा नेतृत्व सामने आ रहा है. सामाजिक अगुवा उत्पन्न हो रहा है. प्रकृति सरंक्षण को नया दिशा दी जा रही है. प्रार्थना सभा से कुप्रथा को हटाया जा रहा है. समाज से पूर्वजों से प्राप्त परंपरा का निर्वाह हो रहा है. धर्म गुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति पूजक हैं.सरना मां में लोगों का विश्वास बढ़ा है. आज झारखंड, बिहार,बंगाल और छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश में सरना धर्मावलंबियों ने सरना प्रार्थना सभा का आयोजन करना शुरू कर दिया है. मौके पर सुधीर लकड़ा, सुशीला तिग्गा, कमल उरांव, मंगतु उरांव समेत अन्य शामिल थे.

टाइनी टॉट्स में डांडिया डांस प्रतियोगिता आयोजित

रांची। शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन सोमवार को स्थानीय विद्यानगर स्थित टाइनी टॉट्स इंग्लिश हाई स्कूल में गर्ल्स स्टूडेंट्स के लिए डांडिया डांस की प्रतियोगिता आयोजित की गई. पूर्व के दो दिनों में टीचर्स स्वाति तिवारी एवं स्वाति श्री ने अलग-अलग ग्रुप्स की सभी छात्राओं को कोरियोग्राफ किया. दो खंडों में आयोजित इस प्रतियोगिता के सीनियर ग्रुप में कक्षा छह से कक्षा आठ की छात्राएं शामिल थीं, जिसमें से प्रथम पुरस्कार के लिए रिम्मी कुमारी को, द्वितीय पुरस्कार के लिए साक्षी जायसवाल को एवं तृतीय पुरस्कार के लिए पुष्पा कुमारी एवं साइबा परवीन को संयुक्त रूप से चयनित किया गया. इसी प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए क्रमशः इशान्वी कुमारी एवं वंशिका राज को चुना गया. प्रतियोगिता का जूनियर ग्रुप कक्षा तीन से कक्षा पांच तक की छात्राओं के लिए था. इसमें वाणी सिंह एवं आद्या कुमारी की जोड़ी को प्रथम स्थान, आकांक्षा सिंह एवं प्रिया कुमारी की जोड़ी को द्वितीय स्थान तथा आयुष्मा कुमारी एवं रेहनुमा यास्मीन की जोड़ी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. इसी ग्रुप में प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए जान्हवी कुमारी एवं अनोखी कुमारी की जोड़ी को चुना गया. दोनों कोरियोग्राफर्स ने ही निर्णायक की भूमिका अदा की एवं विद्यालय के प्राचार्य दीपक साहू तथा निदेशक प्रवीण परिमल ने संयुक्त रूप से सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर के पुरस्कृत किया.

करगे पंचायत भवन में विधिक सेवा आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

बाल विवाह कानूनन अपराध : शिवानी सिंह

संवाददाता। रांची

झालसा के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के द्वारा करगे पंचायत भवन, मांडर में विधिक सेवा आपके द्वार कार्यक्रम का अयोजन सोमवार को किया गया. एलएडीसी अधिवक्ता शिवानी सिंह व डालसा के कार्यरत पीएलवी ने करगे पंचायत भवन में लोगों को डायन बिसाही और बाल विवाह पर जागरूक किया. शिवानी सिंह ने कहा कि डायन-बिसाही अंधविश्वास है, किसी भी महिला को डायन कहकर इंगित करना, उसे मारना-पीटना, हत्या करना और प्रताड़ित करना कानुनन अपराध है. वहीं बाल विवाह के बारे में बताया कि सभी अभिभावक 18 साल के बाद ही कन्याओं का विवाह करें. उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी. वहीं पीएलवी सुमन ठाकुर ने लोक अदालत एवं पीड़ित मुआवजा की जानकारी दी. डालसा, रांची के एलएडीसी अधिवक्ता ने कहा कि विचाराधीन बंदियों तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के वर्गों के लोगों को डालसा के द्वारा मुकदमा लड़ने तथा अपना बचाव करने के लिए निःशुल्क विधिक सहायता दी जाती है. डालसा के पीएलवी सुमन ठाकुर व पम्मी देवी ने प्री-लिटिगेशन मुकदमा दर्ज कराने, विधवा, वृद्धा पेंशन, असंगठित मजदूरों का निबंधन, आयुष्मान भारत योजना के गोल्डन कार्ड, शौचालय स्वच्छता के बारे में भी जानकारी दी. कार्यक्रम में रेनू देवी, शाहिस्ता प्रवीण, पुनम देवी एवं राजा वर्मा शामिल थे.

विधिक सेवा आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान अधिकारी व आम लोग.

आजसू के मिलन समारोह में दर्जनों ने ली पार्टी की सदस्यता

लोहरदगा की जनता चाहती है बदलाव : देवशरण

संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी के मिलन समारोह का आयोजन सोमवार को हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में हुआ, जिसमें केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि लोहरदगा के लोग कांग्रेस राज से त्रस्त हैं. पिछले पांच वर्षों में क्षेत्र का विकास थम गया है. लोहरदगा की जनता बदलाव चाहती है. आजसू पार्टी जनता के विश्वास के अनुरूप कार्य करेगी. अल्पसंख्यक समुदाय आज कमांडिंग नहीं डिमांडिंग स्थिति में है. हम सभी को संगठित होने की आवश्यकता है. इस दौरान लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से आये कांग्रेस के सैंकडों कार्यकर्ता समेत अल्पसंख्यक समुदाय के कई जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. पार्टी की केंद्रीय महासचिव नीरू शांति भगत ने कहा कि लोहरदगा विकास के मानकों पर पिछड़ गया है, वित्त मंत्री का क्षेत्र होने के बावजूद यह विस क्षेत्र विकास से कोसों दूर है. केंद्रीय संगठन सचिव एस अली ने कहा कि कांग्रेस अल्पसंख्यक समुदाय का सिर्फ वोट चाहती है, उनका विकास नहीं. हम आज भी न्याय के लिए संघर्षरत हैं. समय बदलाव का है, यह बदलाव राज्य के साथ लोहरदगा में भी करेंगे. जनभावनाओं को धरातल पर सुदेश महतो ही उतार सकते हैं. झारखंडी माटी की पार्टी है आजसू. मौके पर लाल गुड्डु नाथ शाहदेव, कलीम खान, साजिद कलाल, मतउल खान, कबीर अंसारी, मो जावेद, साहिद अंसारी ने भी अपनी बात रखी.

आजसू के मिलन समारोह के दौरान पार्टी में शामिल हुए लोग.

मांग मंईयां योजना की विश्वसनीयता पर भी लाभुकों के बीच उठ रहा सवाल, सरयू राय ने कहा

वृद्धा-विधवा पेंशन व मंईयां योजना पर सरकार स्थिति स्पष्ट करे

प्रमुख संवाददाता। रांची

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा कि 50 वर्ष से अधिक के जिन पुरुषों और महिलाओं का चयन वृद्धावस्था और विधवा पेंशन योजना में हुआ, उनमें से अधिकांश के बैंक खाते में पेंशन की राशि फ़रवरी माह से नहीं आ रही है. सर्वजन पेंशन योजना में मेरे कार्यालय से क़रीब 5000 लोगों को वृद्धा-विधवा पेंशन की स्वीकृति सर्वजन पेंशन योजना में हुई है. रोजाना लगभग 25 महिला और पुरुष मेरे कार्यालय में आकर पूछते हैं कि योजना चल रही है या बंद हो गई. सरकार को इस बारे में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए.

- **मंईयां योजना चुनाव तक है या चुनाव के बाद भी जारी रहेगी, स्थिति स्पष्ट हो**
- **सर्वजन पेंशन योजना के लाभुकों को सरकार पेंशन राशि के बकाया का भुगतान करे**

मंईयां योजना की विश्वनीयता पर उठ रहा सवाल

राय ने कहा कि एक सूचना यह भी आ रही है कि सर्वजन पेंशन योजना की राशि सरकार मंईयां योजना में खर्च कर रही है . पेंशनधारियों के बैंक खाता में पेंशन राशि नहीं जमा हो रही है . इससे यह मंईयां योजना की विश्वसनीयता पर भी लाभुकों के बीच सवाल उठ रहा है कि क्या विधानसभा चुनाव के बाद मंईयां योजना का भी यही हाल होने वाला है? क्या मंईयां योजना भी केवल एक चुनावी योजना है? क्या चुनाव के बाद भी यह योजना इसी रूप में लागू रहेगी?

30 हजार फार्म छपवा कर बंटवाए

मैंने अपने विधानसभा कार्यालय से 30 हज़ार मंईयां योजना के फार्म छपवा कर लोगों के बीच बंटवाए हैं . इसके अतिरिक्त 20 हज़ार फार्म सरकारी कर्मियों से लेकर ज़रूरतमंदों के बीच वितरित किया है . इनमें से अधिकांश का चयन मंईयां योजना में हो गया है . पैसे भी कई लोगों के बैंक खातों में आ रहे हैं . अब सवाल उठ रहा है कि योजना की शर्तों की जांच किये बिना जिन्हें योजना में शामिल कर लिया गया, उन्हें चुनाव के बाद भी इसका लाभ मिलेगा या नहीं? क्या चुनाव के बाद उनके खाता में आए पैसों की वसूली तो उनसे नहीं की जाएगी? राय ने मांग की है कि जो सवाल उठ रहे हैं, उनके बारे में सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए ताकि मंईयां योजना के चयनित लाभुक भी किसी गफ़लत में न रहें . उन्होंने यह भी मांग की कि सर्वजन पेंशन योजना के लाभुकों के बैंक खाता में सरकार पेंशन राशि के बकाया का भुगतान करें . अद्यतन राशि का भी नियमित माहवारी भुगतान होना चाहिए .

सांप्रदायिक सोच की प्रयोगशाला न बनाए आरएसएस-भाजपा : कांग्रेस

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड को अपनी सांप्रदायिक सोच की प्रयोगशाला बनाने की कोशिश आरएसएस और भाजपा ना करें. झारखंड वासी अपना हित-अहित भली भांति समझते हैं. असम से भागे घुसपैठियों को शिवराज जी भाजपा शासित राज्यों में खोजें. शिवराज सिंह चौहान द्वारा झारखंड में एनआरसी लागू किए जाने के बयान पर पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने जवाब देते हुए कहा कि 8 वर्षों से असम में और 10 वर्षों से केंद्र में भाजपा की सरकार है लेकिन असम के रास्ते देश में घुसपैठ जारी है. चौहान को असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा से जवाब मांगना चाहिए कि असम में एनआरसी की कवायद भाजपा शासन काल में वर्षों से चल रहा है उसका क्या प्रतिफल निकला. कितने घुसपैठियों की पहचान की गई. जिनकी पहचान की गई आज वह कहां है.हकीकत यह है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा की नाकामी के कारण असम के रास्ते देश में घुसे लाखों घुसपैठिए देश के अन्य भाजपा शासित राज्य में फैल चुके होंगे,कार्रवाई करने की बजाय भाजपा उन्हें सेफ जोन उपलब्ध करा रही है.

एनआरसी के नाम पर 250 करोड़ घोटाले का कैग कर चुका है खुलासा : उन्होंने कहा कि असम में भाजपा सरकार के समय एनआरसी के नाम पर लगभग 250 करोड रुपए घोटाले की बात कैग की रिपोर्ट में आ चुकी है, लेकिन झारखंड में असम के मुख्यमंत्री इस पर चुप रहते हैं. असम में एनआरसी के फेल होने के बाद आर एस एस के इशारे पर झारखंड में एनआरसी लागू कर भाजपा आदिवासियों को ही यहां के प्राकृतिक संसाधनों से दूर करना चाहती है.

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ 0 ● वर्ष : 2, अंक : 180

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

तापमान
30.7° अधिकतम | 22.4° न्यूनतम

सजा मां का दरबार
लगी भक्तों की कतार

हरमू में पंचमंदिर दुर्गा परिसर में इको फ्रेंडली पंडाल बनाया गया है. कॉम्बिनेशन ऑफ कलर की थीम पर 48 लाख की लागत से बनाए गए पंडाल में फाइबर शीट, कपड़ा, लकड़ी, कांच, थर्मोकोल सहित कई वस्तुओं से कलाकृतियां बनाई गई हैं. फोटो : रमीज

ब्रीफ खबरें

चंपाई को अस्पताल से छुट्टी, पीएम ने जाना हाल

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन कर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की स्वास्थ्य की जानकारी ली. वहीं, चंपाई सोरेन को टाटा मेन हॉस्पिटल से छुट्टी भी मिल गई है. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि ईश्वर तथा पुरखों की कृपा, डॉक्टरों के अथक प्रयास और आप सभी की प्रार्थना एवं आशीर्वाद से मुझे अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. शुभेच्छाओं के लिए आप सभी को धन्यवाद. बताते दें कि रविवार को चंपाई सोरेन की तबीयत अचानक खराब होने के बाद उन्हें जमशेदपुर के टीएमएच में भर्ती कराया गया था.

कैबिनेट की बैठक आज छात्रवृत्ति का कोटा बढ़ेगा

रांची। राज्य की हेमंत सरकार की कैबिनेट की बैठक आठ अक्टूबर को होगी. इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों की मंजूरी दी जा सकती है. इसमें योजना मरांग गोमके पारेदेशीय छात्रवृत्ति योजना का कोटा बढ़ाया जा सकता है. वर्तमान में इसका कोटा 30 छात्र-छात्राओं का है, जिसे सरकार बढ़ाकर 41 किया जा सकता है. इसके अलावा कैबिनेट की बैठक में सरकारी कर्मियों का सेवानिवृति उम्र सीमा 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी करने सहित कई महत्वपूर्ण फैसले राज्य सरकार ले सकती है.

रांची में कचरे के ढेर में मिला नवजात का शव

रांची। जिले के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र से नवजात का शव बरामद हुआ है. जानकारी के मुताबिक, विद्यानगर रोड नंबर एक में सोमवार की सुबह कचरे के ढेर में नवजात का शव प्लास्टिक से लिपटा मिला. इसके बाद स्थानीय लोगों की जानकारी पुलिस को दी. सूचना पाकर सुखदेवनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया. नवजात का शव कहां से आया और किसने फेंका, पुलिस इसकी जानकारी जुटाने में जुटी है. बच्चे के शरीर पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं. आशंका जताई जा रही है कि बच्चे की मौत होने के बाद कोई उसे कचरे ढेर में फेंक कर चला गया.

जमीन कारोबारी कमलेश की बेल पर सुनवाई आज

रांची। जमीन माफिया कमलेश कुमार ने सोमवार को जमानत की गुहार लगाते हुए पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की कोर्ट में याचिका दाखिल की है. दाखिल याचिका पर मंगलवार को अदालत में सुनवाई होगी. मामले में जमानत की गुहार चार्जशीट दाखिल करने के बाद लगाई है. ईडी ने 24 सितंबर को कमलेश सिंह सहित छह के खिलाफ जांच पूरी करते हुए चार्जशीट दाखिल कर चुकी है. आरोपित कमलेश को ईडी ने 27 जुलाई को गिरफ्तार किया था. तब से वह जेल में है. ईडी की छापेमारी के दौरान उसके आवास से एक करोड़ रुपये से अधिक नकदी मिली थी.

मॉब लिंचिंग और उत्पाद सिपाही बहाली में मृतकों के परिजनों को सहायता

सीएम ने पीड़ित परिवारों के बीच 1.82 करोड़ की राशि बांटी

- मॉब लिंचिंग के 28 पीड़ितों और उत्पाद सिपाही बहाली के दौरान जान गंवाये 15 युवाओं के परिजनों को सौंपा चार-चार लाख का चेक
- मॉब लिंचिंग की घटना में घायल हुए एक व्यक्ति के आश्रित को एक लाख की आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की गई

विशेष संवाददाता। रांची

प्रोजेक्ट भवन में पीड़ित परिवार के सदस्य को चेक सौंपते सीएम हेमंत सोरेन.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मॉब लिंचिंग के 28 पीड़ितों तथा झारखंड उत्पाद सिपाही बहाली के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के शिकार हुए 15 युवाओं के आश्रित/परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की. प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मॉब लिंचिंग की घटना में घायल एक व्यक्ति के आश्रित को एक लाख की आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की गई. मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023 में रांची जिले के ओरमांझी थाना अंतर्गत मॉब लिंचिंग की घटना में मृत स्व मिथुन सिंह खेरवार की पुत्री सोनाक्षी कुमारी को पांच लाख रुपये का चेक सौंपा. इस क्रम में सीएम ने पीड़ित परिवारों के बीच कुल एक करोड़ 82 लाख रुपये का वितरण किया. मौके पर मंत्री हफीजुल हसन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार, डीजी पुलिस मुख्यालय आरके मल्लिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

नौजवानों की मौत की जांच के लिए केंद्र सरकार से आग्रह : सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि उत्पाद सिपाही बहाली प्रक्रिया के दौरान हमारे 15 नौजवानों की मृत्यु की घटना को राज्य सरकार ने काफी गंभीरता से लिया है. हमारी सरकार ने केंद्र सरकार को पत्र लिख कर डॉक्टरों की एक बड़ी टीम से इन घटनाओं की विस्तृत जांच का आग्रह किया है. सीएम ने कहा कि आने वाले दिनों में भी पुलिस बहाली एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है. उस समय भी राज्य सरकार के लिए ऐसी घटनाएं गंभीर चुनौती बनी रहेंगी.

पीड़ित परिवारों की हरसंभव मदद करती रहेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री सोरेन ने सभागार में उपस्थित पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की. कहा कि राज्य के भीतर विगत कुछ वर्षों में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिसमें कई परिवारों ने अपने परिजनों को खोया है. इन घटनाओं में जो हमें छोड़ गए, उन्हें तो वापस लाया नहीं जा सकता, लेकिन आगे के जीवन में हमसभी लोग आश्रित परिवारों को कैसे मदद कर सकें. किस प्रकार उनके जीवन को सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर करें, यह बहुत महत्वपूर्ण है.

सरकार संवेदनशील जिम्मेदारियों का बखूबी कर रही है निर्वहन

सीएम सोरेन ने कहा कि आज हमसभी लोग यहां उक्त घटनाओं में असमय काल के गाल समाए लोगों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं. हमारी सरकार एक संवेदनशील सरकार होने के नाते अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रही है. उन्होंने कहा कि झारखंड उत्पाद सिपाही शारीरिक दक्षता परीक्षा व मॉब लिंचिंग में मृत व्यक्तियों के आश्रितों एवं ऐसे पीड़ित परिवारों के सुख-दुःख में हमेशा साथ हूं और आगे भी रहूंगा.

नौजवानों की मृत्यु मर्माहत और हैरान करनेवाली है

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा झारखंड उत्पाद सिपाही की नियुक्ति निकाली गई थी. राज्य के लाखों नौजवानों ने इस नियुक्ति प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए आवेदन दिया था. इस नौकरी की चाहत रखनेवाले 15 नौजवान अभ्यर्थियों की दक्षता परीक्षा के क्रम में दुर्भाग्यवाश असामयिक मृत्यु हुई. यह घटना व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए काफी मर्माहत और हैरान करने वाली रही. इस प्रकार की घटना देश में पहली बार देखने और सुनने को मिली है.

मॉब लिंचिंग की घटनाएं दुःखदाई और दर्दनाक

सीएम ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में राज्य के भीतर मॉब लिंचिंग की घटनाओं में 28 लोगों की असमय मृत्यु हुई है. यह घटना भी काफी दुःखदाई और दर्दनाक है. हमारी सरकार सदैव पीड़ित परिवारों के आश्रितों के साथ खड़ी है. आज आर्थिक सहायता के रूप में राशि प्रदान करना, आपके प्रति राज्य सरकार की एक संवेदना मात्र है. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में पीड़ित परिवारों को कई माध्यमों से आर्थिक रूप से मजबूत करने का प्रयास करेंगे.

सीएम हेमंत ने किया तीन पंडालों का उद्घाटन, पूजा की शुभकामनाएं दी

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को शहर के तीन पूजा पंडालों का उदघाटन किया. सीएम सबसे पहले खेलगांव चौक स्थित बांधगाड़ी गए. इसके बाद रातू रोड आरआर स्पोर्टिंग क्लब और हरमू पंच मंदिर दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया. इस मौके पर सीएम के साथ सांसद डॉ महुआ माजी साथ थीं. इस मौके पर सीएम ने देवी दुर्गा के दरबार में शीश नवाकर समस्त झारखंडवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति, खुशहाली व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की.

आरआर स्पोर्टिंग क्लब के पूजा पंडाल का उद्घाटन करते सीएम हेमंत सोरेन व महुआ माजी.

19 अंचल के सीओ का तबादला

- ताला तोड़कर चार्ज लेने वाले नामकुम सीओ का तबादला

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने 19 अंचल अधिकारियों का तबादला किया है. भू राजस्व विभाग द्वारा सोमवार को इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है. इनमें ताला तोड़ कर चार्ज लेने बाद चर्चा में आए रांची के नामकुम अंचल में पदस्थापित अंचल अधिकारी राम प्रवेश को गुमला जिले के डुमरी अंचल का अंचल अधिकारी बनाया गया है.

जानें कौन कहां गये

सीओ का नाम	पूर्व पदस्थापन	नवीन पदस्थापन
हेमराज खलखो	सीओ, बोरियो (साहिबगंज)	सीओ, मंझगांव (प. सिंहभूम)
पंकज कुमार भगत	सीओ, मंडरो (साहिबगंज)	सीओ, बांसजोर (सिमडेगा)
चोनाराम हेम्ब्रम	सीओ, बरहेट (साहिबगंज)	सीओ, करमाटांड़ (जामताड़ा)
शंभू राम	सीओ, विश्रामपुर (पलामू)	सीओ, जलडेगा (सिमडेगा)
मनोज कुमार	सीओ, जमुआ (गिरिडीह)	सीओ, जमशेदपुर (पू. सिंहभूम)
संजय पांडेय	सीओ, जमशेदपुर (पू. सिंहभूम)	सीओ, जमुआ (गिरिडीह)
निशांत अंबर	सीओ, जलडेगा (सिमडेगा)	सीओ, घाटशिला (पू. सिंहभूम)
हिम्मत लाल महतो	सीओ, घाटशिला (पू. सिंहभूम)	सीओ, फतेहपुर (जामताड़ा)
विजय कुमार-1	सीओ, डुमरिया (पू. सिंहभूम)	सीओ, बालूमाथ (लातेहार)
तृप्ती विजया कुजूर	सीओ, बालूमाथ (लातेहार)	सीओ, अड़की (खूंटी)
पवन कुमार	सीओ, अड़की (खूंटी)	सीओ, डुमरिया (पू. सिंहभूम)
कमल किशोर सिंह	सीओ, खूंटपानी (प. सिंहभूम)	सीओ, नामकुम (रांची)
रामप्रवेश कुमार	सीओ, नामकुम (रांची)	सीओ, डुमरी (गुमला)
मोदस्सर नजर मंसूरी	सीओ, कर्रो (देवघर)	सीओ, सेन्हा (लोहरदगा)
राकेश कुमार तिवारी	सीओ, सेन्हा (लोहरदगा)	सीओ, विश्रामपुर (पलामू)
फुलेश्वर साव	सीओ, टंडवा (चतरा)	सीओ, खूंटपानी (प. सिंहभूम)
विजय कुमार दास	सीओ, पोड़ैयाहाट (गोड्डा)	सीओ, टंडवा (चतरा)
अरुणिमा एक्का	सीओ, बलियापुर (धनबाद)	सीओ, सिल्ली (रांची)
प्रवीण कुमार सिंह	सीओ, सिल्ली (रांची)	सीओ, बलियापुर (धनबाद)

दिशा-निर्देश मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लिए निर्वाचन व्यय से संबंधित जानकारी दी गई

बूथ से 200 मीटर परिधि के बाहर रहेंगें उम्मीदवारों के कैंप

संवाददाता। रांची

निर्वाचन सदन में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी देते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार.

निर्वाचन सदन में सोमवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लिए निर्वाचन व्यय से संबंधित जानकारी दी गई. झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया में सभी प्रत्याशियों के लिए समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विधानसभा निर्वाचन हेतु प्रत्याशियों द्वारा किए जाने वाले खर्च की सीमा 40 लाख रुपये तक तय की गई है. इसके साथ ही स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए सभी प्रत्याशी एवं राजनीतिक दल तय निर्वाचन व्यय की मॉनिटरिंग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने निर्वाचन व्यय का ब्योरा संबंधित पदाधिकारी कार्यालय को समय से उपलब्ध कराएंगे.

के रवि कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों से संबंधित मतदान केंद्र परिसर की 200 मीटर की परिधि के बाहर ही उम्मीदवारों के इलेक्शन बूथ रहेंगे. इलेक्शन बूथ में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इसके अंदर कोई खाद्य पदार्थ नहीं परोसा जाए, न हीं भीड़ की अनुमति दी जाएगी.

किसी भी बूथ में प्रत्याशियों के प्रतीक चिह्न अथवा झंडे लगाने पर सख्त प्रतिबंध रहेगा : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि किसी भी इलेक्शन बूथ में प्रत्याशियों के प्रतीक चिह्न अथवा झंडे लगाना सख्त रूप से प्रतिबंधित है. उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान दिवस के तीन दिन पूर्व सभी मतदान केन्द्र परिसर के 200 मीटर की परिधि को चिह्नित किया जाना है. यह भी जानकारी दी गयी कि चुनाव की घोषणा के 72 घंटे के अंदर सभी निजी स्थानों से पार्टी के झंडों को हटा लिया जाना है. नाम वापसी और अभ्यार्थियों की सूची तैयार होने के बाद निजी स्थानों पर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए झंडे लगाये जा सकते हैं.

व्यय के आकलन एवं संबंधित व्यय प्रतिवेदन जमा करने की जानकारी दी : बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचन के दौरान होने वाले व्यय के आकलन एवं इससे संबंधित व्यय प्रतिवेदन जमा करने के प्रावधानों आदि विषयों पर जानकारी दी गई. मौके पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ओएसडी गीता चौबे, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

रिनपास कार्य उपसमिति की बैठक में कई फैसले

महिला ओटी सेक्शन में कूलर आरओ प्यूरीफायर भी लगेगा

संवाददाता। रांची

समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में डीसी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को रिनपास कार्य उपसमिति की बैठक हुई. बैठक में समिति के सदस्य सचिव, सदस्य एवं आमंत्रित सदस्य मौजूद थे. इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री द्वारा रिनपास के सभी भवनों के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत के संबंध में दिये गये निर्देश के अनुपालन के प्रस्ताव पर समिति द्वारा विचार-विमर्श किया गया.

इस क्रम में कई निर्णय लिए गये. योजनाओं के प्रस्तावों के लिए एजेंसी द्वारा अनुमानित राशि की उपलब्ध कराई गई सूची एवं प्राक्कलन अनुमोदित किया गया. पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्य योजना के प्रस्तावों को भी समिति द्वारा अनुमोदित किया गया. इसमें रिनपास के महिला ओटी सेक्शन में टॉयलेट बनाना एवं कूलर के साथ आरओ प्यूरीफायर लगाया जाना है.

ये निर्णय भी लिये गये

- समिति ने विद्युत कार्य की कार्य योजना को भी अनुमोदित किया. इसमें रिनपास के पुरुष एवं महिला ओटी में इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन एवं रिनपास बिल्डिंग में लाइटेनिंग कंडक्टर्स के इंस्टॉलेशन का कार्य शामिल है.
- विद्युत आपूर्ति प्रमंडल की कार्य योजना, जिसमें रिनपास में 500 केवीए के दो ट्रांसफॉर्मर और 1.5 किमी लंबी हाईटेंशन केबल एक्सेसरीज के कार्य शामिल हैं. इसके लिए विद्युत कार्यपालक अभियंता को प्राक्कलन देने का निर्देश दिया गया.

ब्रीफ खबरें

तमाड़ में वज्रपात से युवक की मौत

तमाड़। थाना क्षेत्र के जगायसिगु गांव में वज्रपात से 22 वर्षीय युवक लखीन्द्र मुंडा की मौत हो गई. बताया जाता चार दोस्त करकरी नदी में नहाकर घर लौट रहे थे और रास्ते मेंअचानक बारिश के साथ हुए वज्रपात से लखीन्द्र जमीन पर गिर गया. तीनों दोस्त बाइक से उसे एंबुलेंस से तमाड़ अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना मिलने पर पुलिस नेशव को कब्जे में ले लिया, मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजेगी.

कांके में 173 बच्चों के बीच साइकिल का वितरण

कांके। झारखंड सरकार के कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत सोमवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले आठवीं कक्षा के 173 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल बांटी गई. बीडीओ विजय कुमार, बीइइओ सुरेश चौधरी, बीडब्लूओ अइनुल हक ने बुनियादी विद्यालय कांके, राजकीय मध्य विद्यालय पिठोरिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चुट्टू, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मेसरा के विद्यार्थियों के बीच साइकिल बांटी.

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

मांडर। मांडर पुलिस ने दुष्कर्म के फरार आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया. आरोपी का नाम इम्तियाज खान उर्फ इम्तियाज अंसारी उर्फ इस्तियाज खान है. वह मांडर थाना क्षेत्र के बाजारटांड़ का रहनेवाला है. मांडर पुलिस के अनुसार वर्ष 2022 में हुए दुष्कर्म के मामले का वह मुख्य आरोपी था. घटना के बाद से वह फरार था. सूचना मिलते ही मांडर पुलिस ने उसे धर दबोचा.

चेतना के जागृति का महापर्व हैं दुर्गा पूजाः रामटहल चौधरी

ओरमांझी। दुर्गा पूजा पंचमी को महाशक्ति दुर्गा पूजा समिती शिवाजी चौक बूटी मोड़ का पंडाल आज से श्रद्धालुओं के लिए खोला दिया गया. मुख्य संरक्षक सह पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर महाशक्ति दुर्गा पूजा पंडाल बूटी मोड़ का उद्घाटन किया. उन्होंने सभी को नवरात्रि की शुभकामना देते हुए कहा कि आदिशक्ति मां दुर्गा सभी की मनोकामना पूर्ण करती है,सभी के जीवन में सुख,समृद्धि, और स्वास्थ्य प्रदान करती है. माता सभी का दुख–दर्द दूर करती है,सबका बेड़ा पार करती हैं सभी को संकट से और तकलीफ से बचाती हैं.

राम मंदिर निर्माण का किया गया भूमि पूजन

रातू। रातू प्रखंड के ग्राम उषमातू अम्बा टिकरा टोली तारूप में भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य का सोमवार को भूमि पूजन किया गया.कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि झामुमो युवा के रांची जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, गणेश महतो अमन साहू, विश्वनाथ उरांव, जितनंदन परमानंद अमीन, पंचू, रंजन ,पवन महतो, पंकज प्रकाश, जागेश्वर पहान, रामप्रसाद, प्रवीण, पवन, बहुरा, बगन, राजेश, सतीश, श्रवण, रामकिशुन, बालकिशुन ,रितु, रंजीत, प्रहलाद, देवनंदन ,शीतबसंत आदि ग्रामीण लोग उपस्थित थे.

रातू में मंईयां सम्मान कार्यक्रम आज

रातू। रातू चट्टी के छोटा नागपुर राज हाई स्कूल मैदान में मंगलवार को होने वाले मंईयां सम्मान समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गयी. तैयारियों का जायजा लेते हेतु सोमवार को डीडीसी दिनेश यादव, सीओ सह बीडीओ रवि कुमार, थाना प्रभारी राम नारायण सिंह ने स्थल निरीक्षण किया एवं तैयारियों को अंतिम रूप दिया. मौके पर झामुमो के महावीर विश्वकर्मा, शमीम मंसूरी, प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष असलम अंसारी आदि थे.

अनगड़ा में दो जलमीनार का किया गया उद्घाटन

अनगड़ा। प्रखंड के कुच्चू और गौतमधारा स्कूल में जिला परिषद के 15वें वित्त मद से जलमीनार का उद्घाटन अनगड़ा पश्चिमी जिला परिषद सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा ने किया. उन्होंने कहा कि प्रत्येक टोला और गांव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है. मौके कुच्चू मुखिया सहदेव बेदिया, गुड़िडीह मुखिया विजय उरांव, रामसाय मुंडा, राजेंद्र महतो, ग्राम प्रधान जयशंकर पाहन, कन्यूम अंसारी और जीतेन्द्र सिंह मुंडा आदि मौजूद थे.

धरना-सड़क जाम कराना नेताजी के लिए आम बात: पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने दी सफाई, कहा- त्योहार को देखते हुए गरीब परिवारों की कर रहे हैं मदद

पूर्व मंत्री का पैसा बांटते वीडियो वायरल

हजारीबाग जिले में इन दिनों छोटी-छोटी बातों को लेकर भी धरना प्रदर्शन और सड़क जाम कराना नेताजी के लिए आम बात हो गई है. लेकिन, इसके पीछे छिपे रहस्य से आम जनता और धरना पर बैठनेवाले भोले-भाले ग्रामीण अनभिज्ञ हैं. इन्हें यह पता ही नहीं है कि नेताजी अधिकारी और कंपनी से मोटी रकम की डिमांड करते हैं और जब बात नहीं बनती है, तो वह धरना पर बैठने के लिए किराए पर लोगों को बुला लेते हैं. फिर, जब कंपनी के अधिकारियों के साथ नेताजी का समझौता हो जाता है, या यूं कहें कि जब नेताजी को मोटी रकम मिल जाती है, तो वे धरना को समाप्त करवा देते हैं. वहीं, कंपनी के पदाधिकारी भी डरते हैं कि कही उनकी कंपनी की बदनामी न हो जाए, इसलिए नेताजी की डिमांड को मान लेते हैं.

संवाददाता। हजारीबाग

बड़कागांव के केरेडारी में एक नेताजी का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में दिख रहा है कि नेताजी, कंपनी के खिलाफ धरना देने आए लोगों के बीच पैसे बांट रहे हैं. हालांकि, इस वायरल वीडियो की लगातार न्यूज नेटवर्क पुष्टि नहीं करता है. दरअसल, वायरल वीडियो में दिख रहे नेताजी कोई और नहीं, बल्कि सूबे के पूर्व मंत्री रहे कांग्रेस नेता योगेंद्र साव हैं. यह वीडियो मंगलवार का बताया जा रहा है. वहीं, योगेंद्र साव ने भी लोगों के बीच पैसा बांटने की बात स्वीकार की है. लेकिन, धरना देने के एवज में पैसा बांटने की बात से उन्होंने साफ इंकार किया. कहा कि यहां भवन बन रहा है, जिसका कई दिनों से मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ था.

बच्चों और महिला-पुरुष के बीच पैसे बांटते पूर्व मंत्री योगेंद्र साव (वायरल वीडियो).

योगेंद्र साव बोले- रैयतों-विस्थापितों के मुद्दे को लेकर कर रहे हैं हड़ताल

योगेंद्र साव ने बताया कि स्थानीय रैयत और विस्थापित अपनी 19 सूत्री मांगों को लेकर पांच तारीख से ही अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये हैं. यहां की स्थानीय जनता की मांग है कि एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह और केरेडारी कोल माइनिंग परियोजना को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सोशल इंपैक्ट ऐसेसमेंट कराया जाए, सड़क निर्माण में गई जमीन के एवज में भू-स्वामियों और विस्थापितों को मुआवजा दिया जाए. उन्होंने कहा कि सड़क आम जनता के लिए होती है, लेकिन रास्ते में बड़े-बड़े गड्ढे उभर आए हैं.

अपनी रोटी सेंकने के लिए लोगों को किराए पर लाते हैं नेताजी

शहर के राहुल, संदीप कुमार, राधेश्याम, मनोज कुमार ने फोटो नहीं छापने की शर्त पर बताया कि पहले जनहित के कार्यों पर सरकार व अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए लोग धरना पर बैठते थे. इसके बाद सरकार भी मामले में संज्ञान लेकर जांच कराती थी. लेकिन अब कुछ नेताजी अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए धरना देते हैं. आम लोग इनके मनसूबे को भांप चुके हैं. इसलिए ऐसे आंदोलनों से दूरी बना ली है. अब नेताजी धरना में भीड़ जुटाने के लिए मजबूर और जरूरतमंदों को लाते हैं. भीड़ देख कर कंपनी के अफसर थोड़ा डर जाते हैं कि कहीं बवाल बढ़ा, तो उत्पादन पर भी असर पड़ेगा.

छह करोड़ घरेलू कामगार महिलाओं के लिए नया कानून बनाने की जरूरत

बंसत मुंडा। रांची

अपनी मांगो को लेकर धरना पर बैठीं झारखंड घरेलू महिला कामगार यूनियन की सदस्य.

घरेलू कामगार महिलाए सुरक्षित नहीं हैं. कार्यस्थल पर सम्मान नही मिलता है. काम के मुताबिक वेतन नही दिया जात. ये बातें सोमवार को झारखंड घरेलू कामगार यूनियन के बैनर तले हजारों महिलाओं के राजभवन के समक्ष एक दिवसीय धरने के दौरान वक्ताओं कहीं.धरने मे शामिल महिलाओं ने कहा कि झारखंड में लगभग छह लाख घरेलू कामगार हैं. इसमें रेजा-कुली भी शामिल हैं. संयोजिका सिस्टर अंशु तिग्गा ने कहा कि देश के 15 राज्यों में लगभग छह करोड़ घरेलू कामगार महिलाएं हैं. ये छोटे बड़े अपार्टमेंट में झाड़ू पोछा बर्तन धोने का काम करती हैं. मालिकों की बात माननी होती है. थोड़ी सी भी गलती होती है, तो उनके साथ डांट-फटकार की जाती है. चोरी का गलत आरोप लगाया जाता है. काम के दौरान छुआछूत की जाती है. गलत व्यवहार किया जाता है. भोजन के लिए बासी भात परोसा जाता है. फ्रीज में दो दिन से रखी रोटी खिलाई जाती है. बीमार पड़ने पर दवा खरीदने के लिए पैसा नही दिया जाता है. ज्यादा दिन छुट्टी करने पर काम से हटा दिया जाता है. इसे रोकने की जरूरत है. सुरक्षा प्रदान करनी होगी. इसके लिए राज्यहित में कानून बनाना होगा.

घरेलू कामगार रेणु लिंडा ने कहा कि दिल्ली, मुम्बई, हरियाणा, राजस्थान समेत अन्य बड़े शहरों में रोजी रोटी के लिए जाती हैं. वहां पर महिलाओं के साथ गलत होता है. उनकी बात कोई नही सुनता है. दिनभर काम कराया जाता है. अपार्टमेंट में ज्यादा परेशान किया जाता है. रात भर सोने नही दिया जाता. बर्तन धोते धोते हाथ मे फोका हो जाता है. इसके बाद भी काम कराया जाता है. नहीं करने पर रॉड से मारा जाता है. पीटा जाता है. प्रशासन भी शिकायत नही सुनता है.

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के कर्मचारी आंदोलन की राह पर

रांची। राजभवन के समक्ष सोमवार को तीन संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर धरना दिया. इसमें आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, झारखंड शिक्षा परिषद के कर्मी और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कर्मी संघ शामिल हैं. इस मौके पर भारतीय जनतंत्र मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने तीनों संगठनों से मिलकर सरकार से बात करने का आश्वासन दिया. झारखंड शिक्षा परियोजना के अध्यक्ष राजीव शरण ने कहा कि राज्य बनने से पूर्व बिहार शिक्षा परियोजना था. आज बिहार शिक्षा परियोजना में कर्मियों को अधिक लाभ रहा है. यहां चतुर्थ वेतनमान के बाद वेतन में नहीं वृद्धि नहीं हो रही है. कर्मियों को बीमा और चिकित्सा बीमा का लाभ आश्रितों व असहाय परिवार नहीं मिलता है. पूर्व में आकस्मिक मृत्यु हो गई है, लेकिन आजतक इसका लाभ नहीं मिल रहा है. 10 साल जिन कर्मियों का पूर्ण हो गया है. ऐसे कर्मियों को नियमित करना चाहिए. आंगनबाड़ी सेविका सहायिका के रांची प्रदेश अध्यक्ष सुमन कुमारी ने कहा कि सरकार में सकारात्मक पहल का अभाव है. सरकार के प्रतिनिधि विधायक सुदीप कुमार सोनू ने विश्वास दिलाया था. कैबिनेट में मांगों को पूरा करा देंगे.

पुलिस ने तीन शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया

सिल्ली/मुरी। सिल्ली पुलिस ने सोमवार सुबह लगभग 7 बजे सिल्ली थाना क्षेत्र के ग्राम कोचो में अवैध रूप से संचालित शराब भट्ठियों पर सिल्ली पुलिस ने कार्रवाई की . तीन संचालित भाटियों में 5000 किलो जावा महुआ और 60 लीटर महुआ शराब को जप्त किया. पुलिस द्वारा छापेमारी के दौरान शराब भट्ठी से कई ड्रम बर्तन एवं कोयला को जब्त कर ट्रैक्टर द्वारा थाना लाया गया. वहीं अवैध शराब की छापेमारी के बाद शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया . थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देशानुसार यह कार्रवाई की गई है. दुर्गा पूजा एवं आगामी विधानसभा चुनाव लेकर अवैध शराब के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी.

बेड़ो में खेत के किनारे अधेड़ का शव बरामद

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र में बेड़ो लोहरदगा सड़क किनारे खेत में करांजी पुल के समीप से सोमवार की अहले सुबह लगभग छह बजे पुलिस ने लगभग 55 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है. जहां बृद्ध का शव सड़क के किनारे धान के खेत में औंधे मुंह के बल पड़ा हुआ था. वही शव के बगल में एक डंडा भी पड़ा. संभवतः वह डंडा के सहारे चलता था.. ग्रामीणों ने बताया कि रविवार की देर शाम घटना स्थल के पास सड़क किनारे वह व्यक्ति डंडा पकड़ कर सर झुकाये बैठा हुआ था. मृतक व्यक्ति सफेद रंग का शर्ट और हरा छिट हाफ पैंट पहना हुआ था. वहीं सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नकुल साह पुलिस बल के साथ घटना पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया. साथ शव को पंचनामा कर थाना ले आए.

आर्थिक विकास में मानकीकरण की अहम भूमिका : परेश गट्टानी

संवाददाता। रांची

विश्व मानक दिवस के अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा होटल हॉलिडे होम में स्टेकहोल्डर्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया. कॉन्क्लेव में औद्योगिक संगठनों, एकेडमी, हॉलमार्किंग केंद्रों और ज्वेलर्स ने भाग लिया और आर्थिक विकास में मानकीकरण की अहम भूमिका पर चर्चा की. मुख्य अतिथि के रूप में चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष परेश गट्टानी शामिल हुए. उन्होंने कहा कि मानकीकरण व्यवसायों के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों और सेवाओं पर भरोसा करने के लिए आवश्यक है. उन्होंने कहा कि व्यापार को सुविधाजनक बनाने में मानकीकरण एक अहम उपकरण है. यह लक्ष्यों को प्राप्त करने में आनेवाली तकनीकी चुनौतियों पर काबू पाने में मदद करता है. विशिष्ट अतिथि में चैंबर के पूर्व अध्यक्ष दीपक कुमार मारू ने बीआईएस की उद्योग में भूमिका और उद्योग के लिए बीआईएस के विभिन्न पहलुओं पर बल दिया.

शिवसेना नेता निरंजन मिश्रा का निधन, शोक

बेड़ो। शिवसेना के पूर्व मांडर विधानसभा प्रभारी और बेड़ो निवासी समाजसेवी 48 वर्षीय निरंजन मिश्रा की लंबी बीमारी के बाद सोमवार की सुबह 9:00 बजे उनका निधन हो गया. निरंजन मिश्रा के निधन से झारखंड शिवसेना परिवार समेत पूरे बेड़ो में शोक की लहर छा गई. बताया जा रहा है कि निरंजन मिश्रा पिछले कई माह से बीमार चल रहे थे. इस दौरान उनका रांची के रिम्स में इलाज भी चल रहा था. इनके निधन से परिवार में पत्नी आशा देवी, सुपुत्र राजा मिश्रा एवं बेटी समेत परिजनों के ऊपर एक बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है. अंतिम संस्कार बेड़ो के मुक्तिधाम में किया गया. मुखाग्नि उनके पुत्र राजा मिश्रा ने दिया. अंतिम संस्कार में निरंजन मिश्रा के अनुज मनोज मिश्रा, अजय कुमार यादव, समाजसेवी किशोर साहू, बजरंग गोप, खद्दी उरांव, लिबु बड़ाइक, ईश्वर बड़ाईक आदि थे.

विधायक ने किया 12 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

पर्यटन एवं धार्मिक स्थल के रूप विकसित होगा देल बेड़ा शिव मंदिर

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली देल बेड़ा शिव मंदिर परिसर को धार्मिक एवं पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए विधायक सुदेश कुमार महतो ने सोमवार को मंदिर परिसर में कइ योजनाओं का शिलान्यास किया. जिसमें मंदिर परिसर को पश्चिम बंगाल से जोड़ने के लिए मंदिर के समीप स्वर्णरेखा नदी पर मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना अंतर्गत 10 करोड़ 5 लाख रुपए की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण. जिला योजना अनाबद्ध निधि अंतर्गत 48 लाख 59 हजार रुपए की लागत से मंदिर परिसर में विवाह मंडप का निर्माण. मुख्य मंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना अंतर्गत 2 करोड़ 9 लाख रुपए की लागत राशि से रांची पुरुलिया मार्ग से लगाम मारदू होते हुए देल बेड़ा मंदिर परिसर तक 3.45 किमी सड़क निर्माण एवं माड़दू गांव पर नाली निर्माण कार्य शामिल है. निर्माण कार्य मुख्य मंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना किया जाना है. देल बेड़ा मंदिर परिसर में आयोजित शिलान्यास सभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कहा कि यह योजना मंदिर परिसर को पर्यटन क्षेत्र एवं धार्मिक स्थल के रूप में विकसित करने में कारगर होगा है. शिलान्यास कार्यक्रम में जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, उप प्रमुख आरती देवी, मुखिया सोमवारी देवी, मुखिया गंगा नारायण सिंह मुंडा, विजय चंद्र महतो, प्रफुल्ल कुम्हार, प्रवीण कोइरी, जयंत भगत, संजय ठाकुर, राजेश महतो, सोनु महतो आदि शामिल थे.

मुठभेड़ लातेहार के जंगल में पुलिस को भारी पड़ता देख फरार होने में सफल रहे उग्रवादी

पुलिस व जेजेएमपी के बीच मुठभेड़, दो जवान घायल

- सर्च अभियान के दौरान ओरया व बोकाखाड़ जंगल से तीन बंदूक बरामद

आशीष टैगोर। लातेहार

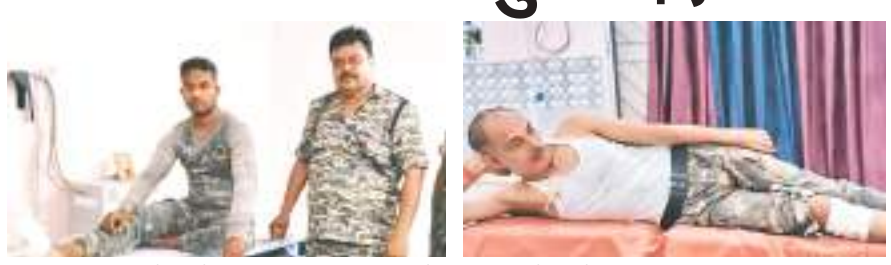
सदर अस्पताल, लातेहार में इलाजरत झारखंड जुगवार के एएसआई नरेंद्र पांडेय व जवान राम सिंह सुरीन.

जिले में सोमवार की सुबह करीब छह बजे पुलिस और जेजेएमपी उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है. यह मुठभेड़ सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरया और बोकाखाड़ के जंगल में पप्पू लोहरा और लवलेश गंझू के दस्ता के साथ हुई. इस दौरान दोनों ओर से कई राउंड गोलीबारी हुई. इस मुठभेड़ में झारखंड जगुआर के एएसआई व जवान घायल हो गये. हालांकि, पुलिस को भारी पड़ता देख उग्रवादी घने जंगल का फायदा उठा कर भागने में सफल रहे.

इसके बाद उग्रवादियों की धड़पकड़ के लिए पुलिस टीम सघन सर्च अभियान चलाया. इस क्रम में तीन बंदूक, कई पिट्ठू बैग, डायरी और दैनिक उपयोग के सामान बरामद किये गये. जानकारी के मुताबिक, एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी उग्रवादी संगठन का एक दस्ता जंगल में बड़ी घटना की अंजाम देने की योजना बना रहा है. एसपी के निर्देश पर सदर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा समेत जिला पुलिस व झारखंड जगुआर की टीम ने ओरवाई, बोकाखाड़ के जंगल में सर्च अभियान चलाया. इस क्रम में पुलिस बल को देखते ही उग्रवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी. पुलिस की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई. एसपी ने भी मुठभेड़ की पुष्टि की है.

25 की संख्या में थे उग्रवादी

पुलिस और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान झारखंड जगुआर के एएसआई नरेंद्र पांडेय के पैर को छूते हुए गोली निकल गई, जबकि आरक्षी राम सिंह सुरीन को पैर में गोली लग गई . दोनों को सदर अस्पताल, लातेहार में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक ने जवान के पैर से गोली निकाल दी है . दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है . अस्पताल में एएसआई नरेंद्र पांडेय ने कहा कि उग्रवादियों की संख्या तकरीबन 20 से 25 थी . सुबह के छह बजे वे लोग ओरया जंगल के बोखाखाड़ जंगल में पहुंच चुके थे .

न्यूज अपडेट

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल के प्राचार्य हुए सम्मानित

रातू। राजभवन में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कैंब्रियन पब्लिक स्कूल काठीटांड के प्राचार्य वीरेन्द्र यादव को झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार एवं केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ द्वारा सम्मानित किया गया. श्री वीरेंद्र के इस उपलब्धि के लिए विद्यालय के अध्यक्ष परमा सिंह समेत समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने बधाई और शुभकामनाएं दीं.

संत कोलंबस स्कूल में मनाया गया नवरात्रि उत्सव

रातू। सेंट कोलोबस स्कूल मुरगु में सोमवार को नवरात्रि उत्सव धुमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस दौरान स्कूल के प्रार्चाय अभिनव आर्य ने कहाँ कि सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. ये न केवल उन्हें शैक्षिक रूप से समृद्ध करते हैं, बल्कि उनके मानसिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देते हैं. ऐसे आयोजन बच्चों को उनकी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का भी एक सशक्त माध्यम है. श्री आर्य ने सभी बच्चों को देवी दुर्गा के नौ रूपों के बारे में बताया.

विधायक ने कई योजनाओं का शिलान्यास किया

नामकुम। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया गया. एनएच 33 जामचुंआ से उलीडीह तक पथ निर्माण, बुदरी से जामचुंआ एनएच 33 कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय तक पथ निर्माण, रामपुर पंचायत के ग्राम बुदरी में पुल का निर्माण, एनएच 33 हरबुल से जरिया तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य , हुवांगहातु मुख्य पथ से हेसापीड़ी भाया बसियादाग तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य आदि कई योजनाओं का शिलान्यास किया गया.

समाजसेविका ने अनाथ बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

ओरमांझी। मां केयर चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव सह समाजसेविका वंदना उपाध्याय ने सोमवार को अपना जन्मोत्सव लावण्या महर्षि वाल्मीकि अनाथ आश्रम के बच्चों के साथ केक काटकर मनाया. सिकीदिरी स्थित लावण्या महर्षि वाल्मीकि अनाथ आश्रम में बच्चो को उनके शिक्षको व सभी को भोजन कराकर एवं केक खिलाकर जन्म दिन मनाया.

माहुरी मंडल भवन में डांडिया का आयोजन

रांची। रांची के माहुरी वैश्य समाज की ओर से माहुरी मंडल भवन में आकर्षक डांडिया का कार्यक्रम हुआ. इसमें महिलाओं ने बड़े उत्साह से डांडिया का लुत्फ उठाया. कुछ प्रतियोगिताएं भी हुईं, जिसमें बेस्ट डांस ओर कपल डांस के प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया. इस प्रोग्राम को सफल बनाने में इस समाज की मुख्य सदस्या प्रिया भादानी,अर्चना प्रसाद, रीना अठघरा, बिना भादानी, भारती भादानी, पल्लवी, निभा, अर्चना लोहनी का विशेष योगदान रहा.

प्रशिक्षण शिविर में महिलाओं ने सीखे हुनर

चान्हो। चान्हो चोरिया और रोल पंचायत में जुट क्राफ्ट प्रशिक्षण शिविर लगा कर महिलाओं को हुनरमंद बनाया गया. 25 दिन चले कैंप में महिलाओ ने जुट क्राफ्ट फाइल, बैग,पर्स, बॉटल बैग,शो पीस आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, तांकि सभी स्वरोजगार के लिए कदम बढ़ा सकें. शिविर के समापन मौके पर प्रमाण पत्र के साथ आवश्यक टूल किट सामग्री भी दी गयी. मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड की ओर से इसका खास

बेदिया जनजाति युवा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

अनगड़ा। प्रखंड के खभावन बाजारटांड़ में सोमवार को बेदिया जनजाति युवा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया. सम्मेलन की अध्यक्षता सोहराई बेदिया ने की. मुख्य अतिथि खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने कहा कि बेदिया जनजाति के विकास के लिए भाजपा लगातार प्रयत्नशील है. भाजपा सरकार ने अमर शहीद जीतराम बेदिया की तस्वीर विधानसभा में स्थापित कराई है. इनकी तस्वीर लोकसभा में भी लगाई जाएगी. वक्ताओं ने कहा कि राज्य का विकास भाजपा ही करेगी. मौके पर प्रस्ताव पारित कर आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को विजय बनाने का संकल्प लिया गया. कार्यक्रम में जैलेन्द्र कुमार, विनय महतो, आरती कुजुर, बुधराम बेदिया, शंकर बेदिया, लालू बेदिया, संगीता देवी आदि मौजूद थे.

सड़क दुर्घटना में तीन युवक घायल,दो रेफर

बेड़ो। पावर ग्रिड के समीप रांची -गुमला मुख्य मार्ग पर सोमवार की शाम एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया. जिससे बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप घायल हो गए. घायलों में केदली करां निवासी पवन उरांव, रानी खटंगा इटकी के वीरन मिंज और कन्हैया कुमार शामिल हैं. जिन्हें हाईवे पेट्रोलिंग पांच के पुलिस ने तीनों घायलों को सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया. जहां डा भावना ने तीनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल वीरन व कन्हैया को बेहतर इलाज के लिये रिम्स रेफर कर दिया. घायल पवन ने बताया कि वे तीनों बेड़ो साप्ताहिक बाजार आये थे और अपने गांव लौट रहे थे. तभी यह घटना घटी.

गिरिडीह टाउन प्लानर, एसडीपीओ व जेई के खिलाफ शिकायत

रांची। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चुनाव आयोग में गिरिडीह के टाउन प्लानर मंजूर आलम, जेई सलाही फिरोज और एसडीपीओ जीत वाहन उरांव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया है। इन तीनों पदाधिकारियों को चुनाव कार्य.से मुक्त करने की भी मांग की है. प्रतिनिधिमंडल ने अपने शिकायत में कहा है कि टाउन प्लानर मंजूर आलम पिछले 8 वर्षों से गिरिडीह नगर निगम में पदस्थापित हैं. जेई सलाही फिरोज पद का दुरूपयोग करते हुए सरकार में शामिल राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता जैसा व्यवहार कर रहे हैं. एसडीपीओ जीत वाहन उरांव 2019 में भी चुनाव में वहां पदस्थापित थे एवं फिर से गिरिडीह में ही उनका पदस्थापन किया गया है. चुनाव आयोग ने मामले में जांच करने का भरोसा प्रतिनिधिमंडल को दिया.

झामुमो नेता दिनेश चंद्र मांझी आजसू में शामिल

सिल्ली/मुरी। प्रखंड के पिस्का पंचायत के पूर्व मुखिया सह झामुमो नेता दिनेशचंद्र मांझी अपने समर्थको के साथ सोमवार को आजसू पार्टी में शामिल हुए. आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने सभी सदस्यों को पार्टी का अंग वस्त्र पहनाकर कर नये कार्यकर्ताओं का स्वागत किया. आजसू में शामिल होने वालों में सुधीर मांझी, पुनुवा मांझी, राजकिशोर मांझी, कार्तिक बेदिया, प्रकाश बेदिया आदि शामिल हैं.मौके पर केंद्रिय संगठन सचिव जयपाल सिंह, सुनील सिंह, संजय सिद्धार्थ, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र करमाली, नगर अध्यक्ष भरत देव साय, पंसस अनिल मांझी, धिरेन्द्र महतो समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

प्यारा-न्यारा सजा मां का दरबार...दर्शन को उमड़े भक्त

फोटो : रमीज

आरआर स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा पूजा समिति, रातू रोड

लुभा रहा कला-संस्कृति को दर्शाता पूजा पंडाल

आरआर स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा पूजा समिति, रातू रोड का पूजा पंडाल झारखंडी कला और संस्कृति को जीवंत करता प्रतीत हो रहा है. कारीगरों ने महीनों की मेहनत से इसे नायाब रूप दिया है. सोमवार की शाम को ढलते ही रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग पुतले नुमा पंडाल की खूबसूरती देखते ही बन रही है. ग्रामीण परिवेश को दर्शाते भव्य दरबार में मां दुर्गा अन्य देवी-देवताओं संग आभा बिखेर रही हैं. देर शाम सीएम हेमंत सोरेन ने पंडाल का अनावरण किया. पर्दा हटते ही दर्शनार्थी उमड़ पड़े. मां के जयकारो से वातावरण गूंज उठा. आदि शक्ति मां के दिव्य रूप का दर्शन कर सभी मंत्रमुग्ध हुए. विद्युत सज्जा और पंडाल की सुंदरता सब के मन को भा रहा है.

राजन बॉबी। रांची

पूजा पंडालों के पट खुले, दुर्गोत्सव से गुलजार हुई राजधानी

नवरात्र की पंचमी तिथि सोमवार की शाम लगभग सभी पूजा पंडालों के पट खुल गये. इसके साथ ही राजधानी दुर्गोत्सव से गुलजार हो गयी. शहर रंग-बिरंगी लाइटों और चकाचौंध रोशनी से जगमगा उठा. एक से बढ़कर एक भव्य पूजा पंडालों में आभा बिखेरती मां के दर्शन को दर्शनर्थी उमड़ पड़े. जैसे-जैसे रात गहराता गया पूजनोत्सव का रंग और भी चटक होता गया. सजे-धजे दरबार में देवी-देवताओं संग विराजमान मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप के क्या ही कहने. अंबे मां की मनोहारी छटा का दर्शन पाते ही भक्तगण मंत्रमुग्ध होकर हाथ जोड़ आशीष मांगते. बाहर निकलते ही मेले में खो से जाते. किसी को तेज रोशनी के साथ चकरी काटता झूला आकर्षित करता तो किसी को खाने-पीने के स्टॉल. मौज-मस्ती के साथ रात यूं ही कटती रही. अब महाषष्ठी मंगलवार को सभी पूजा पंडालों के पट खुल जायेंगे. इसके बाद तो आस्था का जनसैलाब उमड़ेगा. दिनभर पूजा-पाठ और रात में दुर्गोत्सव का उल्लास विजयदशमी तक छाया रहेगा.

भारतीय युवक संघ बकरी बाजार

भारतीय युवक संघ बकरी बाजार में मंगलवार को बड़ी संख्या में दर्शनार्थी उमड़े. राजस्थानी कलाकृति को जीवंत करते भव्य पंडाल में मां का दर्शन किया. राजस्थानी कलाकारों के नृत्य-गीत का भी लुत्फ उठाने के साथ लगाए गए मेले का भी जमकर लुत्फ उठाया. भोर तक भक्तों का यहां तांता लगा रहा. बड़े-छोटे वाहनो के प्रवेश पर रोक के बाद भी सड़क जाम की स्थिति बनी रही. यहां लगे मेले में बच्चों ने जमकर आनंद उठाया.

मां के दर्शन के साथ पक्षियों के संरक्षण का संदेश

बांधगाड़ी दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल का अनावरण शाम साढ़े सात बजे सीएम हेमंत सोरेन और राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने किया. पट खुलते ही मां के एक झलक पाने को आतुर दर्शनार्थी उमड़ पड़े. पक्षियों के संरक्षण का संदेश देता, अलग अंदाज में बनाए गए भव्य पंडाल की खूबसूरती को भक्तों ने खूब सराहा. पूजा स्थल पर की गयी विद्युत साज-सज्जा से पूजा स्थल दमक रहा है. पूजा पंडाल का पट विजयदशमी तक खुला रहेगा. नित्य पूजन-आरती के साथ श्रद्धालुओं के बीच विशेष भोग बांटा जाएगा.

सबको भा रहा है अयोध्या का श्रीराम मंदिर

पुराने विधानसभा मैदान में बना अयोध्या का श्रीराम मंदिर सबके मन भा रहा है. तृतीया तिथि को पट खुलते ही दर्शनार्थी सुबह से देर रात तक भक्ति की डोर से बंधे यहां खींचे चले आ रहे हैं. कारीगरो ने मंदिर का हूबहू स्वरूप जीवंत कर दिया है. पंडाल के सामने लगायी गयी 4डी हनुमान जी की 30 फीट ऊंची मूर्ति, श्रीराम की मनोहारी प्रतिमा और देवी-देवताओ संग आभा बिखेरती के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर भक्त स्वयं को धन्य कर रहे हैं. विजयादशमी 12 अक्टूबर तक यहां पट खुला रहेगा. दर्शनार्थियों के मनोरंजन को ध्यान में रख जहां मेला लगाया गया है, वहीं पार्किंग और सुरक्षा की भी समुचित व्यवस्था समिति की ओर से की गयी है.

पुराना विधानसभा मैदान

चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति, मेन रोड

नेताजी नगर दुर्गा पूजा कमेटी कांटाटोली : शाम सात बजे पारंपरिक तरीके से ढोल-ढाक और शंख ध्वनि के साथ पंडाल का अनावरण किया गया .प्रवेश करने के बाद अलग अंदाज में गढ़ी गयी मूल प्रतिमाओ का दर्शन किया. मनोहारी विद्युत सज्जा के साथ ड्रैगन और रथ खींचते पंच अश्व, साधनारत गौतम बुध की आकृति का भी अलग आकर्षण रहा.

आज सभी पूजा पंडालो के पट खुल जाएंगे : नवरात्र महाषष्ठी मंगलवार की शाम सत्य अमर लोक हरमू रोड, शक्ति स्रोत संघ गाड़ी खाना, बिहार क्लब दुर्गा पूजा समिति कचहरी रोड, संग्राम क्लब दुर्गा पूजा समिति कचहरी रोड सहित सभी पूजा पंडालो के पट आम भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे.

पूजन-आरती से चंद्रशेखर आजाद के पंडाल का अनावरण

चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति, मेन रोड के पंडाल का अनावरण आजसू प्रमुख सुदेश महतो की पत्नी नेहा महतो, छपरा के युवराज सुधीर सिंह और अध्यक्ष रमेश सिंह ने पूजन-आरती कर की. इसके बाद दर्शनार्थियो ने मां भवानी के दर्शन के साथ नृत्य-गीत का भी जमकर लुत्फ उठाया. नागपुरी और भोजपुरी गायको ने एक से बढ़ कर एक मनमोहक प्रस्तुति से सब को झुमाया. काशी विश्वनाथ के दशाश्वमेघ घाट की तर्ज पर बनाए गए पंडल, मनोहारी प्रतिमाएं और विद्युत सज्जा सहित साधनारत साधु-संत व गंगा आरती करते पीएम मोदी का पुतला देखते ही बन रहा है. रमेश सिंह ने बताया कि विजयदशमी 12 अक्तूबर तक यहां नित्य भजन संध्या के साथ समाज के हर तबके और वर्ग के लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा.

हरमू में देखते बन रही पगोडा की खूबसूरती

पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति, हरमू में रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग पगोडा की खूबसूरती का अलग ही आकर्षण है. देर शाम सीएम हेमंत सोरेन ने पंडाल का अनावरण किया. साथ ही आम भक्तों के लिए पट खोल दिया गया. दर्शनार्थी मां का दर्शन कर फोम, चूड़ी, लोहा, प्लास्टिक और कपड़ा आदि से की गयी बेजोड़ कारीगरी को अपलक निहारते रहे. सेल्फी लेने की तो होड़ सी लगी रही.

रेलवे स्टेशन रोड में लेजर शो का है अलग आकर्षण

रांची रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल भी दर्शनार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा. लोगों ने यहां योग मुद्रा में मां का दर्शन तो किया ही, साथ ही उन्हें कोयंबटूर के भगवान आदियोगी मंदिर की तर्ज पर 50 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा और लेजर शो देखने का भी मौका मिला, जो आकर्षण का केंद्र बना है.

ओसीसी क्लब के पूजा पंडाल में भी लगा रहा तांता

ओसीसी दुर्गा पूजा समिति बांग्ला स्कूल में टुकड़ा राजस्थान का नजारा और अलग अंदाज में गढ़ी गयी प्रतिमाओं का अवलोकन करने के लिए भारी भीड़ उमड़ी. मां के दर्शन के साथ लोगों ने लगाए गए हैं झूले और खाने-पीने के स्टालों पर देर रात तक जमे रहे.

पुआल से बने मंदिर में आभा बिखेर रहीं मां

राजस्थान मित्र मंडल दुर्गा पूजा समिति, सेवा सदन पथ में पुआल से बने भव्य मंदिर में मां दुर्गा अन्य देवी-देवताओं संग आभा बिखेर रही हैं. शाम छह बजे पंडाल का अनावरण राज्यसभा सांसद महुआ मांजी, विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय और पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू ने किया. इसके बाद आम भक्तो के लिए पट खोल दिया गया. कतारबद्ध श्रद्धालुओ ने मां का दर्शन किया. फिर निकास द्वार से सीधा मेले स्थल पहुंचे. बड़ा तालाब से सटे लगभग 100 मीटर में लंबे पार्क में लगे कई तरह के झूले और खाने-पीने के स्टाल, उन्हें बरबस ही आकर्षित करती रही. लोगों ने झूले का लुत्फ उठाने के साथ कई तरह के लजीज व्यंजनों का भी जायका चखा. दूर तक की गयी आकर्षक विद्युत सज्जा से देर रात तक भक्ति का मेला पूरे शबाब पर रहा.

विचार मंथन

सरला बिरला विवि के फैकल्टी ऑफ जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन द्वारा सोमवार को एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

दुनिया बदल रही है, इनोवेशन पर ज़ोर देने की जरूरत : हरिवंश

संवाददाता। रांची

सरला बिरला विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन द्वारा सोमवार को एक्सपर्ट टॉक का आयोजन एसबीयू के सभागार में किया गया. भावी दुनिया में भारत, विशेष संदर्भ : मीडिया की भूमिका विषय पर इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया था. इसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि जिस तरह आज तकनीक की दुनिया निरंतर बदल रही है, ऐसे में इनोवेशन आज के दौर की महती आवश्यकता है। अतएव इसे अवसर में तब्दील करने और प्रोत्साहित करने की जरूरत है. उन्होंने कहा भारत अब अपनी प्रतिभा, लगन और मेहनत के बल पर पूरी दुनिया में पहचान बनाने में सक्षम साबित हुआ है. वो दिन गए, जब भारत को संपेरो का देश कहा जाता था. यहां तक कि पश्चिम के नामी- गिरामी अखबारों में भी भारत की अति महत्त्वपूर्ण खबरें मात्र दो या तीन लाइनों में सिमटा दी जाती थीं. लेकिन आज के दौर में विकसित देशों में भारत की अलग पहचान बनी है. लोग यहां की खबरों को प्रमुखता से देखना और सुनना पसंद करते हैं। स्टार्टअप्स में हमारे देश के बच्चे लगातार आगे बढ़ रहे हैं.

सरला बिरला विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश व अन्य गणमान्य.

तकनीक और इनोवेशन आर्थिक प्रगति का आधार : हरिवंश ने ताईवान जैसे छोटे देश का उदाहरण देते हुए कहा कि आप पूरी दुनिया में 61 प्रतिशत चिप यहीं से निर्यात होते हैं. यह इनोवेशन, अपने काम के प्रति ईमानदारी और तकनीक का ही चमत्कार है, जिससे ताईवान इस प्रशंसनीय स्तर तक पहुंच पाने में कामयाब हो पाया. हम भी समय का मूल्य समझें, नए विचारों के साथ तालमेल बैठाएं तो तकनीक के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने की स्थिति में होंगे. भारतीय पत्रकारों को भी अपनी भूमिका पर विचार करना होगा.

पिछले कई वर्षों में भारत की धाक बढ़ी

हरिवंश ने कहा कि आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. जहां विभिन्न बीमारियों की वैक्सीन को विकासशील और अल्प विकसित देशों में आने में दशकों का समय लगता था, वहीं भारत ने कोरोना वैक्सीन को बहुत कम समय में ही बाजार में उपलब्ध करवा कर पूरी दुनिया में अपनी धाक जमायी. आज डिजीटल इकोनामी के क्षेत्र में भारत की सराहना पूरे विश्व में हो रही है. कार्यक्रम के अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने कहा कि आज पूरे विश्व की निगाह भारत की ओर है. भारत आज प्रगति के सोपान पर निरंतर अग्रसर है। हमें सनातन वे आफ लाइफ पर फोकस करना चाहिए. उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 से सभी को बड़े स्तर पर सीखने की कोशिश करनी चाहिए. एसबीयू के विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ हुए करारों का भी उन्होंने विस्तार से जिक्र किया. विश्वविद्यालय के माननीय प्रभारी कुलपति एस. बी. डांडीन ने विद्यार्थियों के कम्युनिकेशन पर जोड़ दिया. उन्होंने एआई के साथ बदलती दुनिया पर शब्दों का इस्तेमाल सावधानीपूर्वक करने पर भी जोर दिया. डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने खबरों की प्रासंगिकता के साथ जन सरोकार की राजनीति से जुड़े हरिवंश जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला. अजय कुमार ने हरिवंश जी के साथ अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए उनके जीवन वृतांत और पत्रकारिता से लेकर राजनीति तक के उनके सफर पर चर्चा की.

रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति का प्रतिनिधिमंडल आयुक्त व डीएसपी से मिला

संवाददाता। रांची

रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के मुख्य संयोजक डॉ अजीत कुमार सहाय के नेतृत्व में महानगर दुर्गा पूजा समिति, सर्व धर्म सद्भावना समिति एवं केंद्रीय शांति समिति रांची के प्रमुख पदाधिकारीगण समेत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होने वाले पूजा पंडाल के प्रमुख लोगों का प्रतिनिधिमंडल दक्षिणी छोटा नागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रांची प्रक्षेत्र अनूप बिरथरे से उनके कार्यालय में मिले. उनके संग बैठक की गई. डॉ अजीत ने बताया कि राज्य सरकार एवं पुलिस विभाग के द्वारा विगत समय में महिला पुलिस बल की नियुक्ति होने से महिला पुलिस बल की संख्या में वृद्धि हुई है. इसलिए आग्रह होगा कि आगामी दुर्गा पूजा में अधिक से अधिक महिला पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित हो तथा 12 व 13 अक्टूबर को दुर्गा पूजा का विसर्जन शोभा यात्रा निश्चित हुआ है. प्रतिनिधिमंडल में महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के चंचल चटर्जी, प्रदीप रॉय बाबू, जय सिंह यादव, राजन वर्मा, रवींद्र वर्मा, संजय मिनोचा, सागर कुमार, संजय सिन्हा गोपाल, दीपक ओझा, अशोक यादव, अमरनाथ साहू आदि शामिल थे.

किस ओर जाएगा जनादेश?

वैसे तो एग्जिट पोल अपनी साख बचाने में कामयाब नहीं रहे हैं. लेकिन लोकतंत्र में ओपियन और एग्जिट पोल के महत्व को नकारा नहीं जा सकता है. भारत में चुनावी सर्वेक्षण करने वाली ज्यादातर संस्थाओं की समस्या यह है कि वे आंकड़ो के संकलन और उनके विश्लेषण में वैज्ञानिक नजरिया अपनाने में कामयाब नहीं रहते हैं. इसका एक बड़ा कारण वह दबाव है जो इन संस्थाओं पर हावी रहता है. यही कारण है कि ज्यादातर एग्जिट पोल गलत साबित होते हैं. एक बार फिर हरियाणा और जम्मू और कश्मीर के एग्जिट पोल राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है. ट्रेंड बता रहा है एग्जिट पोल भाजपा के पक्ष में नहीं दिख रहा है. लोकसभा चुनाव में देश की सियासी फिज़ा बदलने के ठोस संकेत मिले. उसके बाद कुछ उपचुनाव नतीजों ने संदेश दिया कि ये संकेत अब रुझान का रूप ले रहे हैं. एग्जिट पोल्स के अनुमान सही हुए, तो हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभाओं के चुनाव नतीजे इस बात पुष्टि कर सकते हैं कि वह रुझान अब ठोस रूप लेने लगा है. ठोस रूप ले चुका है या नहीं, इसके लिए अगले महीने तक महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले चुनाव के नतीजों का इंतजार करना होगा. लोकसभा चुनाव में संकेत यह मिला था कि नरेंद्र मोदी का चेहरा अब भाजपा के लिए वोट बढ़ाने की गारंटी नहीं है. ना ही हिंदुत्व से संबंधित मुद्दों का ओवरडोज लोगों में भाजपा के प्रति उत्साह भर रहा है. उनके विपरीत रोजी-रोटी के सवाल लोगों के मन में प्राथमिकता बन गए हैं.यह ठीक है कि इन सवालों पर विपक्ष ने भी कोई वैकल्पिक नीति या कार्यक्रम पेश नहीं किया है. विपक्षी दल भी मोटे तौर पर जज्बाती सियासत के फॉर्मूले में बंधे नजर आते हैं. इसके बावजूद चूंकि आम लोगों में मौजूदा हालात के प्रति असंतोष हद पार करने लगा है, इसलिए इसका लाभ विपक्ष को मिल रहा है. क्या कल आने वाले हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव नतीजों से इन्हीं बातों की पुष्टि होगी, फिलहाल राजनीति के गंभीर अध्येताओं का ध्यान इसी सवाल पर टिका है. वैसे चुनावों के इस दौर में जम्मू-कश्मीर मतदाताओं का जो उत्साह देखने को मिला, उससे ठोस सकारात्मक संकेत देश को मिल चुका है. वहां के आम मतदाताओं ने भी वोट के जरिए भावनाएं जताने के लोकतांत्रिक चलन में अपना भरोसा दिखाया, जो वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए आश्वस्त करने वाला पहलू है. उन्होंने वोट के जरिए किस दल (या दलों) को जनादेश दिया, यह पहलू अपने आप में महत्त्वपूर्ण होगा, लेकिन चुनावी लोकतांत्रिक प्रणाली में बढ़-चढ़ कर की गई भागीदारी का कहीं अधिक दूरगामी महत्त्व समझा जाएगा. चूंकि एग्जिट पोल्स की साख बेहद घट चुकी है, इसलिए दोनों राज्यों की जनता ने असल फैसला किसके पक्ष में दिया है, इसे जानने के लिए मतगणना के प्रति जिज्ञासा और रोमांच बने हुए हैं. हरियाणा में भी नतीजे यदि भाजपा के खिलाफ जाते हैं तो ये भाजपा की बेचैनी बढ़ाने वाला होगा. दिल्ली के बाद पंजाब में हार झेलने के बाद भाजपा ने वर्ष 2022 में हिमाचल में भी हार का मुंह देखा. इसके साथ ही 2024 के लोकसभा चुनावों में घटे जनाधार ने भी पार्टी की कमजोरी को ही उजागर किया.

> एग्जिट पोल्स के अनुमान सही हुए, तो हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभाओं के चुनाव नतीजे इस बात पुष्टि कर सकते हैं कि वह रुझान अब ठोस रूप लेने लगा है. ठोस रूप ले चुका है या नहीं, इसके लिए अगले महीने तक महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले चुनाव के नतीजों का इंतजार करना होगा.

सुभाषित

यस्याः समस्तसुरता समुदीरणेन तृप्तिं प्रयाति सकलेषु मखेषु देवि।
स्वाहासि वै पितृगणस्य च तृप्तिहेतु-रुच्चार्यसे त्वमत एव जनैः स्वधा च॥

हे देवि ! सम्पूर्ण यज्ञों में जिसके उच्चारण से सब देवता तृप्ति लाभ करते हैं, वह स्वाहा आप ही हैं. इसके अतिरिक्त आप पितरों की भी तृप्तिका कारण हैं, अतएव सब लोग आपको स्वधा भी कहते हैं. हे जगदंबा आपकी महिमा अपरंपार है. हर समय हम आपका ध्यान करते हैं. हम पर अपनी कृपा बनाये रखें.

सभ्य समाज के लिए गंभीर चेतावनी

यह सोच कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं कि जिस स्कूल में हम अपने बच्चों को नए कौशल, ज्ञान तथा अनुभव से परिपूर्ण अच्छा इंसान बनाने और महफूज रखने की चाह में भेजते हैं, उसी स्कूल में इस तरह के दरिंदे भी रहते हैं, जो बच्चों को केवल 'बलि का बकरा' समझते हैं. फिर भी हाथरस के कृतार्थ बलिकांड से यह सवाल तो उठता ही है कि आखिर इस मासूम की नृशंस हत्या की जिम्मेदारी किसकी है?

• देश-काल

ब्रजभूषण पाण्डेय

उत्तर प्रदेश में हाथरस के समीप एक गांव में अवस्थित एक दो मंजिले आवासीय विद्यालय में घटी रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने देश के जनमानस को झकझोर कर रख दिया. इस घटना में स्कूल के बीटेक पास संचालक दिनेश बघेल ने अपने स्कूल के ही एक नौ साल के कृतार्थ नामक मासूम बच्चे की बलि चढ़ा दी. अंधविश्वासी हत्यारों ने उसे छात्रावास के एक कमरे से उस समय उठा लिया, जब वह गहरी नींद में सो रहा था. उसे बलिवेदी की ओर ले जाया जा रहा था, तभी उसकी नींद टूट गयी और उसने शोर मचाने की कोशिश की तो वहीं उसे गला घोंट कर मार डाला गया. कृतार्थ के माता-पिता और पुलिस की सक्रियता के कारण कृतार्थ का शव संचालक की कार से उस समय बरामद हो गया, जब वह शव को ठिकाना लगाने जा रहा था. पुलिस अनुसंधान से पता चला है कि ऐसी घृणित सलाह संचालक को उसके तांत्रिक पिता जशोधन सिंह ने दी थी. उसने उसे समझाया था कि बच्चे की बलि देने से उसके स्कूल की दिन दूनी-रात चौगुनी तरक्की होगी. यह उस स्कूल की पहली घटना नहीं थी. इससे पूर्व भी एक बच्चे की बलि देने का प्रयास किया गया था. छात्रावास में सो रहे उस बच्चे को इसी प्रकार उठाया गया था, लेकिन बलिवेदी तक पहुंचने के पहले ही उसकी भी नींद टूट गयी थी और वह बच्चा शोर मचाने में सफल हो गया था. इस प्रकार उसकी जान बच गयी थी. वरना, कृतार्थ से पहले उस बच्चे को भी अंधविश्वास के कारण जान गंवानी पड़ती. इस प्रकरण में सबसे शर्मनाक बात यह है कि स्कूल का संचालक जो अच्छा-पढ़ा लिखा था, वह इतना बड़ा अंधविश्वासी निकला कि स्कूल की तरक्की के लिए अपने स्कूल के बच्चों को ही बलि देने जैसे दुस्साहसिक कुकृत्य पर उतारू हो गया. आम तौर पर यही समझा जाता है कि अंधविश्वास की चपेट में अनपढ़-गंवार ग्रामीण ही होते हैं, लेकिन इस स्कूल के संचालक ने इस मिथक को तोड़ दिया. अपने क्षुद्र स्वार्थ के लिए पढ़ा-लिखा शिक्षित कहा जानेवाला व्यक्ति भी अंधविश्वास में इतना नीचे गिर सकता है. निश्चित रूप से उसमें मानवता नाम की कोई चीज नहीं होगी. उसका विवेक मर चुका होगा. परिणाम क्या हुआ, आज खुद पूरे परिवार के साथ संचालक भी नाश के कगार पर खड़ा है. उसके स्कूल से ऐसी दो ही घटनाओं की चर्चा है, लेकिन इससे भी पूर्व कोई ऐसी घटना नहीं हुई हो, यह कैसे समझा जा सकता है? पुलिस की कार्रवाई और कानूनी प्रक्रिया में संभव है कि और चौंका देनेवाले खुलासे हों. पता नहीं इस प्रकार के और कितने कुकृत्य देश और समाज में हो रहे होंगे, जो प्रकाश में आ भी नहीं पाये. न जाने कितने मासूमों को इस अंधविश्वास ने अपना निवाला बना लिया होगा.

भारतीय संस्कृति में भक्ति, श्रद्धा और विश्वास को बहुत महत्व दिया गया है. भक्ति चंचल मन और इंद्रियों को नियंत्रण में रखनेवाला सबसे सशक्त माध्यम है. यह बताती है कि सर्वशक्तिमान ईश्वर से डरो. ऐसा कोई काम न करो कि जिससे ईश्वर को कष्ट हो और वे तुम्हें दंडित करें, लेकिन भक्ति यदि ईश्वर के प्रति न होकर शैतानों के प्रति होती है तो वह अंधी हो जाती है और अनर्थों का जन्म होता है. इसी प्रकार श्रद्धा और विश्वास की तुलना तो गोस्वामी तुलसीदास ने भवानी और शंकर से की है-भवानी शंकरो वंदे श्रद्धा विश्वास रूपिणौ. आदर्श जीवन में श्रद्धा और विश्वास की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है. विश्वास जब विकृत हो जाता है, तब वह अंधविश्वास में परिणत हो जाता है, जो बहुत ही अनर्थकारी है.

यहां विचारणीय है कि जब हम अपने बच्चों को हर दिन स्कूल भेजते हैं तो यह उम्मीद और आशा रखते हैं कि वे सुरक्षित और पोषण वाले माहौल में होंगे. माता-पिता के रूप में, हम भरोसा करते हैं कि शैक्षणिक संस्थान न केवल अकादमिक शिक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, बल्कि एक सुरक्षित आश्रय भी हैं, जहां हमारे छोटे बच्चे जीवन-पथ पर आगे बढ़ सकते हैं, खोज कर सकते हैं और सामाजिक और भावनात्मक रूप से विकसित हो सकते हैं. हमारा मानना है कि स्कूल ऐसी जगहें हैं, जहां हमारे बच्चे नुकसान से सुरक्षित रहेंगे, उनके आस-पास देखभाल करने वाले शिक्षक और कर्मचारी होंगे जो उनकी भलाई और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं. यह सोच कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं कि जिस स्कूल में हम अपने बच्चों को नए कौशल, ज्ञान तथा अनुभव से परिपूर्ण अच्छा इंसान बनाने और महफूज रखने की चाह में भेजते हैं, उसी स्कूल में इस तरह के दरिंदे भी रहते हैं, जो बच्चों को केवल 'बलि का बकरा' समझते हैं. फिर भी हाथरस के कृतार्थ बलिकांड से यह सवाल तो उठता ही है कि आखिर इस मासूम की नृशंस हत्या की जिम्मेदारी किसकी है? उस स्कूल के संचालक की? उसके तांत्रिक पिता की? या उसके माता-पिता की जिन्होंने बिना छानबीन किये, बिना अच्छी तरह जानकारी लिये अपना लाड़ला उस हत्यारे के हाथों सौंप दिया? या पूरे समाज की, जो ऐसी मंशा रखनेवालों पर गौर करना जरूरी नहीं समझता? कृतार्थ बलिकांड सभ्य समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है, क्योंकि अंधविश्वास सामाजिक कोढ़ है और इसका इलाज भी समाज के पास ही है. कानून अपना काम कर रहा है. कृतार्थ की नृशंस हत्या करनेवालों को उनके किये की सजा मिलेगी, लेकिन अंधविश्वास के खिलाफ तो समाज को ही खड़ा होना होगा.

(लेखक सरला बिरला विवि रांची के उपकुलसचिव हैं और ये उनके निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

नये जीवन की रचना

जगतजननी माता अपने कूष्मांडा, स्कंधमाता और कात्यायनी के स्वरूप में नये जीवन की रचना करती है. उनकी इच्छा से ही इस सृष्टि का उदभव होता है. उसी प्रकार हमारे संकल्प से ही हम अपना विकास करते हैं. जीवन में संकल्प से ही सिद्धि का संदेश स्कंधमाता का स्वरूप देता है. नये जीवन की रचना के साथ जगतजननी उस जीवन को एक माता के रूप में संस्कार और सदाचार का भाव भरती है. कात्यायनी माता का स्वरूप जगत के हरेक जीव ओर जीवन में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का संचरण करता है. अंतिम तीन दिन यानी सप्तमी से नवमीं तक माता का तीन स्वरूप कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की आराधना और साधना से जीवन परिपूर्ण होता है, सृष्टि अपने सभी चर-अचर तत्वों के रूप में पूर्णता को प्राप्त होती है. श्रमपूर्ण कर्म और स्वयं की योग्यता से जीवन को योग्य और बनाने की यात्रा का नाम है कालरात्री है. उस यात्रा की पूर्णताः का स्वरूप महागौरी के रूप में आता है. जब जीवन पूर्ण होता है, तो वह सिद्धि को प्राप्त होता है. दुर्गापूजा के शुरू के तीन दिवस स्थूल शरीर के संतुलन का होता है तो अगले तीन दिन में भावनाओं और विचारों का आरोहण करते हैं. इस दौरान अपने सूक्ष्म शरीर का संयोजन करते हैं. सूक्ष्म शरीर यानी हमारे विचार, हमारी कामनाएं, हमारे अनुभव, हमारा ज्ञान. इन सभी के एकीकृत स्वरूप का नाम सूक्ष्म शरीर होता है. इस सूक्ष्म यानी बीज को ही हम अपने जीवन की अगली यात्रा पर साथ ले जाते हैं. हमारी आत्मा का वास इस सूक्ष्म शरीर के साथ होता है. हमारी चेतना को ओजस्वी और तेजस्वी बनाने का भी नवरात्र उपयोगी समय होता है. नवरात्र के तीन दिनों में अपनी वासनाओं, इच्छाओं एवं कर्मों को शुभता से जोड़ना लक्ष्य होना चाहिए. सूक्ष्म शरीर की साधना इसलिए जरूरी होती है क्योंकि यह सूक्ष्म शरीर ही पुनर्जन्म का कारण बनता है. सूक्ष्म शरीर के संधान और साधना से ही पुरुष की यात्रा पुरुषोत्तम की ओर होती है. फिर अंतिम दिन में समूचे व्यक्तित्व को सात्विक दिशा देते है ताकि वह शिवत्व से अपने को एकाकार कर सके. यह तीन दिन स्थूल और सूक्ष्म से आगे की यात्रा का समय होता है. मूलशक्ति के आहवान और जागरण का समय अंतिम दिन में किया जाना चाहिए. स्थूल और सूक्ष्म के बाद आत्मा यानी सत् का संधान जरूरी है. जड़ को सिंचित किया, पत्ते और टहनी को संचित किया, अब बीज को सशक्त करने का समय है.

सेक्युलरिज्म भारतीय मूल्य है या यूरोपीय

• विमर्श

एल.एस. हरदेनिया

इस समय सम्पूर्ण देश में इस बात पर बहस जारी है कि सेक्युलरिज्म भारतीय मूल्य है या यूरोपीय है. इस बात पर बहस तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा प्रारंभ की गई. परंतु जिस सेक्युलरिज्म को हम मानते हैं, जिस सेक्युलरिज्म को इस देश की बहुसंख्यक जनता मानती है वह पूरी तरह से भारतीय है. हम सेक्युलरिज्म की इस परिभाषा को मानते हैं जो बापू ने की है. उनका धर्मनिरपेक्षता या सेक्युलरिज्म के प्रति जो विचार था वह ही हमारा विचार है. गाँधीजी की नज़र में धर्मनिरपेक्षता क्या है? उन्होंने अनेक अवसरों पर इसकी परिभाषा की थी. हमारा तमिलनाडु के राज्यपाल से अनुरोध है कि वे भी गांधीजी द्वारा परिभाषित सेक्युलरिज्म को स्वीकार करें. गांधीजी की समाज व्यवस्था का आधार था धर्मनिरपेक्षता. उनसे एक विदेशी पत्रकार ने पूछा कि "यह कैसे हो सकता है कि आप धार्मिक हैं और धर्मनिरपेक्ष भी?". उनका उत्तर था "हां मैं धार्मिक हूं और धर्मनिरपेक्ष भी. मेरी मेरे सनातन धर्म में अगाध आस्था है. यदि कोई मेरी आस्था पर हमला करेगा तो मैं अपने धर्म की रक्षा करते हुए अपनी जान भी दे दूंगा. परंतु यदि मेरे पड़ोस में किसी अन्य धर्म का पालन करने वाला परिवार रहता है और उसकी आस्था पर कोई हमला करता है तो मैं उसकी रक्षा करते हुए भी अपनी जान दे सकता हूं." यह है गाँधी जी का सेक्युलरिज्म अर्थात भारत का सेक्युलरिज्म. इस समय हमारे देश में धर्म के आधार पर प्रायः संघर्ष की स्थिति निर्मित हो जाती है. परंतु ऐसी स्थिति में हम तटस्थ हो जाते हैं और मूक दर्शक बनकर खून-खराबा होने देते हैं. यहां तक कि हमारी पुलिस भी तमाशबीन बन जाती है. पिछले 70 वर्षों में हमारे देश में धार्मिक वैमनस्य के कारण हुए दंगों से देश काफी कमजोर हुआ है. गांधीजी ने साम्प्रदायिक दंगों को रोकने के लिए मैदानी संघर्ष किया. नौआखली और दिल्ली के दंगों के दौरान उनकी भूमिका इतिहास का हिस्सा बन गई. धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और विकास गांधीजी की धर्मनिरपेक्षता का अभिन्न अंग था.

एक अवसर पर गांधीजी ने कहा था "यदि आजाद भारत में अल्पसंख्यक, दलित और स्त्रियां अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी तो वह भारत मेरे सपनों का भारत नहीं होगा. मेरे भारत में छुआछूत नहीं होगी. मेरे भारत में सभी को अपने धर्म का पालन करने का पूरा अधिकार होगा. मेरे भारत के नागरिकों को कोई यह आदेश नहीं देगा कि वह क्या खाए और क्या न खाए, क्या पहने और क्या न पहने. मेरे भारत की सरकार सभी धर्मों के अनुयायियों को बराबर सुरक्षा देगी और किसी एक धर्म को संरक्षण प्रदान नहीं करेगी."

> हमारा तमिलनाडु के राज्यपाल से अनुरोध है कि वे भी गांधीजी द्वारा परिभाषित सेक्युलरिज्म को स्वीकार करें. गांधीजी की समाज व्यवस्था का आधार था धर्मनिरपेक्षता. उनसे एक विदेशी पत्रकार ने पूछा कि "यह कैसे हो सकता है कि आप धार्मिक हैं और धर्मनिरपेक्ष भी?". उनका उत्तर था "हां मैं धार्मिक हूं और धर्मनिरपेक्ष भी. मेरी मेरे सनातन धर्म में अगाध आस्था है.

गांधीजी की इच्छा थी कि भारत एक लोकतंत्र बने. उनकी मान्यता थी कि लोकतंत्र में ही धर्मनिरपेक्ष समाज का अस्तित्व हो सकता है. उनके लोकतंत्र में ऐसी राजनीतिक पार्टियों का कोई स्थान नहीं होगा जो संकुचित, स्वार्थों को बढ़ावा दें, जो सिर्फ पैसे की ताकत से सत्ता पर कब्जा करें और जो षड़यंत्र करके सत्ता हथियाएं. लोकतंत्रात्मक समाज में पुलिस और सेना की क्या भूमिका होगी इसके बारे में गांधीजी के स्पष्ट विचार थे. गांधीजी का कहना था कि "धार्मिक समरसता के साथ-साथ सभी के सिर पर छांव, सभी को भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा मिलनी चाहिए. सभी को सुलभता से न्याय प्राप्त होना चाहिए. सभी के बीच सीमेंट के समान एकता रहनी चाहिए. मैं स्वयं इस एकता के लिए सीमेंट की भूमिका अदा करने को तैयार हूं. जान ब्रिले, जिन्होंने 'गांधी' फिल्म की पांडुलिपि लिखी थी, से पूछा गया कि आपने 'गांधी' फिल्म की पांडुलिपि क्यों लिखी? उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि "मुझे गांधीजी के अभूतपूर्व साहस, उनकी नम्रता, उनकी प्रतिबद्धता, सहनशीलता, उनकी दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की चुंबकीय शक्ति, जिस शक्ति से गांधीजी विभिन्न संस्कृतियों के जीते-जागते प्रतीक जवाहरलाल नेहरू और हठ की हद तक दृढ़ निश्चयी और रूखे व्यक्तित्व के धनी सरदार पटेल को अपनी ओर आकर्षित कर सके." उनमें अद्भुत संगठन क्षमता थी, इसी क्षमता के बलबूते उन्होंने कांग्रेस को, जो शुरू में एक क्लब था, एक ताकतवर संगठन बना दिया. विरोध प्रकट करने के वे ऐसे तरीके निकालते थे, जिनकी कोई कल्पना तक नहीं कर सकता था. नमक सत्याग्रह उनका ऐसा ही एक नायाब तरीका था. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

रोजगार बना सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा

• रोजगार

लाल बहादुर सिंह

बेरोजगारी का आलम यह है कि इजराइल के खतरनाक वार जोन में काम करने के लिए भारतीय युवा जा रहे हैं. पांच हजार युवा पहले से वहां पहुंच चुके हैं और दस हजार और जाने को तैयार हैं. इजराइल इस समय पुणे में कुशल निर्माण मजदूरों की भर्ती कर रहा है. ठीक इसी तरह तमाम युवा रूस गए जिसमें से कई की अब तक रूस-यूक्रेन युद्ध में मौत हो चुकी है. स्वयं सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार बेरोजगारी दर में कोई सुधार नहीं हो रहा है. वह ज्यों की त्यों बनी हुई है. इसी तरह रोजगार सृजन का जो मुख्य क्षेत्र है मैन्युफैक्चरिंग, उसमें कोई वृद्धि नहीं हो रही है. यह सबसे चिंता का विषय है. एलएफपीआर में जो वृद्धि दिख रही है, वह दरअसल कृषि क्षेत्र में जो शहर से बेरोजगार लौटे मजदूरों का अनपेड फैमिली लेबर है, उसके कारण दिख रहा है. प्रो. संतोष मेहरोत्रा के अनुसार यह प्रगति की बजाय और अधिक निराशाजनक स्थिति का संकेत है. विकासमान अर्थव्यवस्था में लोगों को गांव से शहर की ओर जाना चाहिए, यहां उल्टी दिशा में पलायन हो रहा है. याद कीजिए 2014 में मोदी के आने के बाद स्किल विकास का कितना ढिंढोरा पीटा गया, लेकिन आज स्थिति यह है कि तमाम उद्योग यह कह रहे हैं कि युवाओं में स्किल है ही नहीं, जिससे उन्हें रोजगार मिल सके! दावा किया जा रहा है कि यूपी में एमएसएमई की 96 लाख इकाइयां हैं, जबकि पूरे देश में 2.19 करोड़. प्रथमदृष्ट्या यह आंकड़ा ही सही नहीं लगता. अगर इसे मान भी लिया जाय तो असल सवाल तो यह है कि इनसे कितना रोजगार सृजन हुआ है.और आउटपुट के मामले में क्यों महाराष्ट्र और तमिलनाडु अव्वल हैं और यूपी क्यों इतना पिछड़ा हुआ है? दरअसल रोजगार के सवाल पर सरकारें बहुत कुछ छिपा रही हैं.यह अनायास नहीं है कि चुनावी राज्यों हरियाणा और जम्मू कश्मीर दोनों जगह रोजगार सर्वप्रमुख मुद्दा बना हुआ है. बेरोजगारी के कारण होने वाला विदेशों की ओर पलायन और नशाखोरी भी बड़े मुद्दे बने हुए हैं.

श्रम शक्ति का इतना बड़ा विनाश इससे पहले कभी नहीं हुआ है. आईआईटी जैसे प्रसिद्ध संस्थाओं से भी पढ़े नौजवानों का प्लेसमेंट नहीं हो पा रहा है. इस साल आईआईटी में पढ़े 38% नौजवानों को नौकरी नहीं मिल सकी है. चपरासी, सफाई कर्मचारी के पदों यहां तक कि आउटसोर्सिंग व संविदा कार्य में बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा प्राप्त नौजवान आवेदन कर रहे हैं. मोदी सरकार द्वारा 10 साल पहले केंद्र सरकार के खाली 10 लाख पदों को मिशन मोड में भरने की घोषणा आज तक लागू नहीं हो सकी है. उलटे केंद्र सरकार ने रेलवे, बैंक, बीमा, डाक जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों में लाखों पदों को खत्म कर दिया. इस समय दुनियां के तमाम इलाकों में बेरोजगारी और आर्थिक संकट की राजनीतिक अभिव्यक्ति देखी जा सकती है.इस श्रृंखला में सबसे ताजा कड़ी हमारा पड़ोसी श्रीलंका है. वहां हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जनता ने नवउदारवादी रास्ते की पैरोकार दोनों पार्टियों को खारिज करके नए रास्ते का वायदा करने वाले आनुरा कुमार दिशानायके को राष्ट्रपति चुना है. वैसे तो एकेडी की पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी धारा का दल मानी जाती है जो हथियारबंद संघर्षों के बीच से निकली है, लेकिन एक दौर में सिंहली अंधराष्ट्रवाद के पक्ष में खड़ा होकर तमिलों के ऊपर उनके द्वारा हमला उनके इतिहास पर काला धब्बा है. यहां तक कि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान वहां प्रचार करते हुए भी उन्होंने कुछ ऐसा नहीं कहा जिससे यह पता लगे कि अपने उस अतीत को लेकर उन्हें कोई पश्चाताताप है या वे उसके प्रति आत्म आलोचनात्मक रुख अख्तियार कर रहे हैं. दरअसल इसी कारण तमिल बहुल उत्तरी इलाके में उन्हें सबसे कम मत मिला. 2022 में श्रीलंका में जो आरागलया (संघर्ष) हुआ वह मूलतः अर्थव्यवस्था के ध्वस्त होने के खिलाफ जनता का विद्रोह था, जिसमें राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ा था. एक तरह से उसी जनक्रांति ने आज के परिणाम की जमीन तैयार की. हाल ही में बांग्लादेश में जो राजनीतिक उथल पुथल हुई और जिसमें देश की मुखिया शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा, उसका तात्कालिक कारण भले सरकार की आरक्षण नीति थी, लेकिन वह भी मूलतः बेरोजगारी और तानाशाही के खिलाफ युवाओं का विद्रोह था. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> विकासमान अर्थव्यवस्था में लोगों को गांव से शहर की ओर जाना चाहिए, यहां उल्टी दिशा में पलायन हो रहा है. याद कीजिए 2014 में मोदी के आने के बाद स्किल विकास का कितना ढिंढोरा पीटा गया, लेकिन आज स्थिति यह है कि तमाम उद्योग यह कह रहे हैं कि युवाओं में स्किल है ही नहीं, जिससे उन्हें रोजगार मिल सके!

मीडिया में अन्यत्र

बड़ी कंपनियों पर निर्भरता से कैसे बचें?

अक्सर यह दलील दी जाती है कि भारत को अपनी उत्पादकता में इजाफा करने के लिए अनुसंधान एवं विकास (आरऐंडडी) क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है. वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा के लिए उत्पादकता में बढ़ोतरी आवश्यक है. ऐसा करने से भारत का औद्योगिक आधार भी मजबूत होगा तथा रोजगार भी बढ़ेंगे.यह निराशाजनक है कि भारत आरऐंडडी पर अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 0.7 फ़ीसदी हिस्सा ही खर्च करता है. यह अन्य समकक्ष देश की तुलना में बहुत कम है और आर्थिक वृद्धि बढ़ाने की राह में बड़ी बाधा भी है.कुछ विशेषज्ञों के अनुसार भारत को आरऐंडडी पर होने वाला व्यय बढ़ाकर जीडीपी के तीन प्रतिशत के बराबर करने की आवश्यकता है. उद्योगपति नौशाद फोर्ब्स ने उचित ही कहा है कि बड़ी भारतीय कंपनियां आरऐंडडी पर बहुत कम खर्च करती हैं. इसमें दो राय नहीं कि भारत को आरऐंडडी पर खर्च बढ़ाने की आवश्यकता है लेकिन शायद केवल यह खर्च बढ़ा देने भर से बात नहीं बनेगी.इस संदर्भ में शिकागो विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री उफुक अकजीत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रकाशित जर्नल फाइनैंस ऐंड डेवलपमेंट के ताजा अंक में लिखे आलेख में इस बात को रेखांकित किया है आरऐंडडी व्यय (खासकर अमेरिका) में इजाफा उत्पादकता में अपेक्षित सुधार की वजह नहीं बना है. इसके नतीजे अन्य देशों के नीति निर्माताओं के लिए मददगार साबित हो सकते हैं ताकि वे गलतियां नहीं करें.1980 के दशक में अमेरिका का आरऐंडडी व्यय उसके जीडीपी का करीब 2.2 फीसदी था जो हाल के समय में बढ़कर 3.5 फीसदी हो चुका है. परंतु वहां 1960 से 1985 के बीच औसत उत्पादकता वृद्धि 1.3 फीसदी थी जो बाद के दशकों में और कम हो गई. केवल 2000 के दशक में अल्पावधि के लिए इसमें सुधार हुआ. हालांकि पेटेंट प्रोडक्शन पर काम कर रहे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ लेकिन उत्पादकता में कमी आई.इस विरोधाभास को संसाधनों के आवंटन से समझा जा सकता है. आकार के संदर्भ में शोध बताता है कि छोटी कंपनियां अधिक नवाचारी होती हैं. दूसरी ओर बड़ी रसूखदार कंपनियां निगम नवाचार के बजाय रणनीतिक कदम को तवज्जो देती हैं. इसका असर संभावित उत्पादन पर पड़ता है.इस बात के पर्याप्त प्रमाण मौजूद हैं कि हाल के दशकों में कई अर्थव्यवस्थाओं में बाजार अधिक घना हुआ है. इटली से निकले प्रमाण दिखाते हैं कि जैसे-जैसे कारोबार में इजाफा होता है वे अधिक से अधिक राजनेताओं को अपने साथ जोड़ते हैं और नवाचार पर बुरा असर होता है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सबूत/साबुत

सबूत और साबुत दोनों ऐसे शब्द हैं, जो लगभग एक जैसे लगते हैं. कभी-कभी तो लिखने या बोलने में घालमेल हो जाया करता है, लेकिन दोनों शब्द एक दूसरे से बिलकुल अलग हैं. इनके बीच किसी प्रकार का कोई तालमेल नहीं है. फिर भी कुछ लोग यह कहते पाये जाते हैं कि इस बात को साबुत कर के दिखाओ. हालांकि वे कहना चाहते हैं इस बात को साबित करके दिखाओ. न्यायालयों में सबूत का बहुत अधिक महत्व होता है, क्योंकि वहां गवाहों और सबूतों के आधार पर ही अदालतें किसी निष्कर्ष पर पहुंच पाती हैं. यह बात अलग है कि कई मामलों में झूठी गवाही भी हो जाती है और फर्जी सबूत भी पेश कर दिये जाते हैं. अगर अदालत को वह झूठ समझ में आ जाती है तो फिर झूठी गवाही और सबूत पेश करनेवाले सजा के भागी हो जाते हैं. कहने का मतलब यह है कि कोई बात तबतक सही साबित नहीं हो सकती, जबतक सबूत पेश न कर दिया जाये. सबूत अरबी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार सबूत का मतलब है वह बात या वस्तु जिससे कोई बात साबित या प्रमाणित होती है. सबूत का पर्यायवाची शब्द प्रमाण है. वहीं साबुत फारसी मूल का विशेषण है. इसका मतलब है जो खंडित न हुआ हो, जो पूर्ण इकाई के रूप में हो, अखंड, संपूर्ण, सब, समस्त, समूचा, ठीक, दुरुस्त. निर्गुण संप्रदाय के संत कवि कबीरदास ने कहा है-चलती चक्की देख कर दिया कबीरा रोय. दो पाटन के बीच में साबुत बचा न कोय. मतलब तो आप समझ ही रहे हैं. चलती चक्की को देखकर कबीरदास जी रोते हैं यह सोच कर कि चक्की के दो पाटों के बीच में जो जाएगा, वह साबुत नहीं बच पाएगा और चूर-चूर हो जाएगा. कबीरदास ने लोक-परलोक के अंतर्द्वंद्व को चक्की का दो पाट माना है और इनकी चपेट में आकर साबुत बच पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन भी है.

जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी

• तीर-तुक्का

एस. के. पाण्डेय

सपने में देखा-बहुत बड़ा परिवर्तन हो गया था. अदालतों में भीड़ नहीं दिखती थी. पुलिस और अन्यान्य अधिकारी अपने को जनसेवक समझने लगे थे. जनता में इनका कोई डर नहीं रह गया था. विदेशों में जमा अकूत काला धन भारत आ गया था. जिन लोगों ने देश में आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित कर रखा था. वे लोग एक नए कानून के दायरे में आ जाने के कारण स्वेच्छा से अपने अकूत अवैध धन को देश हित में दे दिए थे. जहां-तहां पोस्टरों और बैनरों में यही लिखा मिलता था-

'सबको भोजन सबको न्याय. कहीं नहीं कोई अन्याय.
धन-दौलत फैली सुख शांति. मिट गई देखों नाना भ्रांति.
सबको हक सबको अधिकार. मिलता कहीं न भ्रष्टाचार.
मिट गया सारा पापाचार. बढ़ा प्यार-भक्ती का ज्वार.

इस तरह अमन-चैन और धन-धान्य से सारा भारत परिपूर्ण था. लोग ऐसा कहते और सोचते थे कि आख़िरकार भारत में कुछ हद तक रामराज्य सा राज्य आ ही गया. बहुत से महामूर्ख जो रामराज्य से राज्य का इससे अलग यानी दूसरा उल्टा-सीधा मनगढंत अर्थ समझते और समझाते थे. वे मुख में कालिख लगाकर कहीं डूब मरने के लिए जल खोज रहे थे. भारत की यह दशा देखकर हमारे कई साथी चल बसे. मानो पहले से ही तैयार बैठे थे. गांव-शहर के हर कोने और गली में यही सुनाई देता था कि- "भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा. पूरी हो गई घर की इच्छा". पहली बार ये शब्द जैसे ही भ्रष्टाचारभूषणजी के कानों में पड़े. उनके प्राण-पखेरू ठीक वैसे ही उड़ गए जैसे कंकड़ फेंकने से डाली पर बैठा हुआ पक्षी उड़ जाता है. हमने आनन-फानन में जो बचे थे उन सभी नेताओं की एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई. भारत में छोटे-बड़े जितने भी दल हैं. सबके छोटे-बड़े सभी नेता और कार्यकर्ता उपस्थिति हुए. सभी की आंखों में आंसू थे. बड़े-बड़े नेता जो बड़ी-बड़ी बातें करते रहते थे, संज्ञाशून्य से दिख रहे थे. धीरज धरके हमने बोलना शुरू किया कि बिना मुद्दों के राजनीति नहीं होती है. समस्याओं से ही मुद्दे बनते हैं. अब जब समस्याएं ही नहीं हैं तो क्या खाक राजनीति होगी? अब तो हम और राज्य भी नहीं बना सकते. क्योंकि भारत विश्व का ऐसा देश हो गया है जहां कोई जिला नहीं है. सारे जिले राज्य बन गए हैं. ये सब कैसे हो गया? किसने कर दिया? अब हम लोगों का क्या होगा? हम कौन सा मुंह लेकर चुनाव के समय जनता के सामने जाएंगे. उनसे वायदा करने के लिए हमारे पास क्या बचा है? हम लोग यही सब चर्चा कर रहे थे. इतने में वहां एक आवाज सुनाई देने लगी. जो कह रही थी-अरे नेताओ, तुम सब अपने वायदों के मकड़जाल में भोली-भाली जनता को सदैव के लिए फंसाए रखना चाहते थे. आज जब देश की सारी समस्याएं समाप्त हो गईं हैं. तब खुश होने के स्थान पर तुम रो-रोकर मरे जा रहे हो. क्या समझते हो कि खुशहाल जनता वोट नहीं देगी? तुम सब नर्क में अवश्य जाओगे, क्योंकि तुलसी बाबा के शब्दों में भगवान रामचंद्र जी तो यही कह गये हैं -जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी. सो नृप अवसि नरक अधिकारी.

नवरात्र विशेष

दुर्गा सप्तशती देवी महात्म्य का वह अद्भुत ग्रंथ है, जिसकी एक-एक पंक्ति को मंत्र की मान्यता है. जिसका पाठ नवरात्र में नौ दिनों तक न केवल मंदिरों और पूजा पंडालों में होता है, बल्कि सनातन श्रद्धालुओं के घर-घर में पूरी श्रद्धा-भक्ति के साथ किया जाता है. दुर्गा सप्तशती पाठ को चंडी पाठ भी कहा जाता है. यह ग्रंथ वेदव्यास रचित मार्कण्डेय पुराण का अंश है.

देवी महात्म्य का अद्भुत ग्रंथ

श्री दुर्गासप्तशती

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

देव्या यया तत्मिदं जगदात्म शक्त्या
निश्शेष देवगण शक्ति समूह मूर्त्या.
तामम्बिकामखिलदेव महर्षि पूज्यां
भक्त्या नतास्म विदधातु शुभानिसानः

सम्पूर्ण देवताओं की शक्ति का समुदाय ही जिनका स्वरूप है तथा जिन देवी ने अपनी शक्ति से सम्पूर्ण जगत् को व्याप्त कर रखा है, समस्त देवताओं और महर्षियों की पूजनीया उन जगदम्बा को हम भक्ति पूर्वक नमस्कार करते हैं. वे हमलोगों का कल्याण करें. यह अत्यंत शक्तिशाली मंत्र है, जिसका प्रयोग लोककल्याण की कामना से किया जाता है. इस मंत्र का उल्लेख श्री दुर्गा सप्तशती के चतुर्थ अध्याय में मिलता है, जब महिषासुर नामक दैत्य का भगवती दुर्गा द्वारा वध किये जाने के बाद देवगण उनकी स्तुति करते हैं. दुर्गा सप्तशती देवी महात्म्य का वह अद्भुत ग्रंथ है, जिसकी एक-एक पंक्ति को मंत्र की मान्यता है. जिसका पाठ नवरात्र में नौ दिनों तक न केवल मंदिरों और पूजा पंडालों में होता है, बल्कि सनातन श्रद्धालुओं के घर-घर में पूरी श्रद्धा-भक्ति के साथ किया जाता है. दुर्गा सप्तशती पाठ को चंडी पाठ भी कहा जाता है. यह ग्रंथ वेदव्यास रचित मार्कण्डेय पुराण का अंश है. इसमें कुल तेरह अध्याय एवं सात सौ श्लोक हैं, जो तीन चरित्रों को जोड़ते हैं-प्रथम चरित्र, मध्यम चरित्र और उत्तर चरित्र. सात सौ श्लोकों के कारण ही इसे दुर्गा सप्तशती की संज्ञा दी गयी है.

मधु-कैटभ प्रसंग

प्रथम चरित्र में मधु और कैटभ नामक दैत्यों के वध की कथा है. कल्पांत में जब पूरा ब्रह्माण्ड जलमग्न है, भगवान विष्णु क्षीर सिंधु में शेष शैय्या पर निद्रा में लीन हैं. उनके पद्मनाभ पर ब्रह्मा जी आसीन होकर ध्यानमग्न हैं. उसी समय भगवान विष्णु के कान के मैल से मधु और कैटभ नामक दो दैत्य प्रकट होते हैं और भयंकर अट्टहास करते हुए ब्रह्मा जी के भक्षण को तत्पर हो जाते हैं. ऐसे में ब्रह्मा को भगवान विष्णु ही बचा सकते हैं, लेकिन वे तो योग निद्रा के वश में हैं. तब ब्रह्मा जी योगनिद्रा की आर्त्त भाव से स्तुति करते हैं. भगवती योगनिद्रा भगवान विष्णु की आंखों से निकल कर आकाश में स्थिर हो जाती हैं और बिना कुछ बोले वहां से अंतर्धान हो जाती हैं. भगवान विष्णु जग जाते हैं और मधु-कैटभ के साथ युद्ध प्रारंभ कर देते हैं. लंबे युद्ध के बाद मधु-कैटभ भगवान विष्णु को कहते हैं कि तुम बड़े वीर हो. मैं प्रसन्न हूं. वर मांगो. भगवान विष्णु कहते हैं-वर ही देना है तो यही दे दो कि मेरे हाथों मारे जाओ. मधु कैटभ कहते हैं-तथास्तु. जहां सूखा स्थल मिले वहीं हमारा वध कर दो. भगवान विष्णु ने अपना जंघा ऊपर किया, जो सूखा था. उसी स्थल पर उन्होंने सुदर्शन चक्र से दोनों दैत्यों के मस्तक काट डाले. भगवती योगनिद्रा संपूर्ण ब्रह्मांड को ही नहीं, बल्कि परमब्रह्म को भी अपने वश में रखती हैं, लेकिन अपने किसी भक्त का आर्त्तनाद सुनती हैं तो उसकी रक्षा को तत्परता पूर्वक खड़ी हो जाती हैं. बोलतीं एक शब्द भी नहीं और चमत्कार कर जाती हैं. यही भगवती योगनिद्रा महाकाली हैं, स्वाहा हैं, स्वधा हैं, वषट्कार हैं. ये ही सुधा हैं, अक्षरा है, महामाया है, मूल प्रकृति हैं.

महिषासुर के वध की कथा

श्री दुर्गा सप्तशती में भगवती का प्रथम चरित्र केवल प्रथम अध्याय तक ही सीमित है. दूसरे अध्याय से लेकर चौथे अध्याय तक की कथा मध्यम चरित्र कहलाता है. इसमें दुर्गा के प्रादुर्भाव और महिषासुर नामक दैत्य के वध की कथा है. महादैत्य महिषासुर के अत्याचार से पीड़ित देवगण एक स्थान पर एकत्रित होते हैं. उससे मुक्ति का विचार चल ही रहा है, तभी भगवान शिव के नेत्रों से एक ज्वाला निकल कर आकाश में स्थिर हो जाती है. इसके बाद सभी देवताओं की आंखों से उनके तेज निकल कर शिव नेत्रों से निकली ज्योति से एकाकार होते चले जाते हैं और एक दिव्य नारी प्रकट हो जाती है. सभी देवगण उस देवी को वस्त्र, आभूषण, हथियार, वाहन आदि से सुसज्जित करते हैं. देवी सिंह वाहन पर सवार हो कर महिषासुर से युद्ध के लिए चल पड़ती है. महिषासुर भी अपनी राक्षसी सेना के साथ वहां पहुंच जाता है. भीषण युद्ध के बाद महिषासुर का वध होता है. चतुर्थ अध्याय में देवगण प्रसन्नता पूर्वक जगदंबा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्तुति करते हैं, जिसका एक-एक श्लोक मंगलकारी और शक्तिशाली मंत्र है. स्तुति से प्रसन्न जगदंबा उन्हें आश्वस्त करती हैं कि जब भी उनपर किसी प्रकार की आंच पहुंचेगी, जगदंबा उनके शत्रुओं का विनाश कर उनकी रक्षा करेंगी.

शुंभ-निशुंभ से देवी का संग्राम

पांचवें अध्याय से लेकर तेरहवें अध्याय तक को उत्तर चरित्र की संज्ञा दी गयी है, जिसमें शुंभ-निशुंभ नामक महादैत्य से देवी का संग्राम होता है. इस चरित्र का पहल अध्याय देवी की स्तुति से ही प्रारंभ होता है, जिसके कई श्लोक मंत्र के रूप में काफी प्रचलित हैं. जैसे

या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्ये नमस्तस्यै नमो नमः.

इसमें पार्वती ही देवों की स्तुति से प्रसन्न होकर अंबिका के रूप में प्रकट होती हैं और भीषण संग्राम कर भयंकर राक्षसी सेना के साथ शुंभ और निशुंभ नामक दोनों दैत्य भाइयों का वध करती हैं. जगदंबा सदैव करुणा, ममता तथा मातृत्व पूरित हैं. इनके ही संपूर्ण महात्म्य का बखान श्रीदुर्गासप्तशती नामक ग्रंथ करता है. श्री दुर्गा सप्तशती की पूरी कथा मेधा ऋषि और महाराज सुरथ के बीच हुए संवाद पर आधारित है. ब्रह्मांड की महाशक्ति दुर्गा के पूरे महात्म्य का वर्णन करने के बाद महर्षि मेधा सुरथ को यही परामर्श देते हैं-

तामुपैहि महाराज शरणं परमेश्वरी.
आराधिता सैव नृणां भोग स्वर्गापवर्गदा.

अर्थात् हे महाराज, आप उसी परमेश्वरी की शरण में जाइए, जो आराधना करने पर मनुष्य को भोग, स्वर्ग तथा मोक्ष प्रदान करती हैं.

बाजलो तोमार आलोर बेणु

रिंकू बैनर्जी

आदिकाल से ही भारत में शक्ति पूजा का विशेष महत्व तथा प्रचलन रहा है. कोई भी यज्ञ या कोई भी युद्ध जय करने के लिए या यूं कहा जाए कि किसी भी वृहद कर्म की सफलता के लिए शक्ति की आराधना करनी ही पड़ती है. त्रेतायुग में रावण वध कर सीता के उद्धार के लिए रामचन्द्र जी इसी शरद ऋतु में देवी का अकाल बोधन कर उन्हें जगाया था. महिषासुर के अत्याचार से मुक्ति पाने के लिए देवताओं ने देवी के चण्डी रुप की आराधना की थी. इसिलिए मां को महिषासुरमर्दिनी भी कहते हैं. दुर्गापूजा को लेकर और भी बहुत सारी पौराणिक कथाएं, मान्यताएं हैं. हम बंगभाषियों के लिए ये दुर्गापूजा हमारे जीवन का एक ऐसा महत्वपूर्ण उत्सव है, जिसकी प्रतिक्षा हम सालभर से करते हैं.

बेटी आती है मायके

खुशियों का खजाना है. नए वस्त्र, विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट पकवान, सबसे मिलना-जुलना, एक दूसरे को नए वस्त्र उपहार देना और सब कुछ भूलकर पूजा-आराधना-भक्तिभाव में डुबकर झूमना...पूजा के मायने बहुत विस्तृत हैं. हम मां दुर्गा को घर की बेटी मानते हैं और बेटी जब कुछ दिनों के लिए मायका आती है तो उसके स्वागत में जुट जाना एक बहुत ही स्वाभाविक प्रक्रिया है. पर घर की बेटी होने के साथ साथ वह देवी भी हैं, इसीलिए भक्तिभाव, आराधना और शुद्धाचार का खास ध्यान रखा जाता है.

बचपन के वे दिन

दुर्गा पूजा आते ही याद आ जाते हैं देवघर में बीते अपने बचपन के दिन. महालया के दिन देवघर के देवसंघ में मां की प्रतिमा में चक्षु यानी आंख बनाया जाता था. करनीबाद आश्रम में प्रतिमा बनकर तैयार हो जाती थी क्योंकि महालया के दिन ही गुरु महाराज जी का आश्रम में आगमन हो जाया करता था और द्वितीया से ही पूजा, होम, यज्ञ, कुमारी पूजन शुरु हो जाया करता था. द्वितीया में दो कुमारी कन्या की पूजा, तृतिया में तीन, चतुर्थी में चार, इसी तरह नवमी में नौ कन्या की पूजा होती थी. यह बहुत मनोरम दृश्य हुआ करता था जो आज भी आंखों में बसा है. सरदार पंडा जी तथा घड़ीदार पंडा जी के यहां सनातन रीति रीवाज से पूजा होती थी.

पूजा के ये चार दिन

आज भी वहीं आस्था, वही उमंग मन में है. पूजा के चार दिन हम हर दिन नए वस्त्र पहनकर पुष्पांजलि देते हैं. शाम में पंडाल घुमकर मूर्तियां देखना तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेना अब भी होता है. हमारे लिए यह एक बहुत बड़ा सामाजिक त्योहार भी है जहां ढेर सारे लोगों से भेंट मुलाकात होती है. इससे आपसी सौहार्द बढ़ता है.

सिंदूर खेला और "पुनरागमनाय च"

विजया दशमी के दिन विसर्जन के बाद मां को सिन्दूर लगा कर, पान पत्ते से मुंह पोछकर, सन्देश से मुंह मीठा कराकर, पुनरागमनाय च अर्थात मां अगले बरष फिर आना कहकर अश्रुपुरित नयनों से विदा करते हैं. फिर शुरु होता है हमलोगों का 'सिन्दुर खेला'. सभी सुहागनें एक दूसरे की मांग और गालों में सिन्दूर लगाकर सुहाग की कामना करती हैं. और फिर "माँ तुमि आबार एसो मोदेर कथा मोने रेखो" के साथ प्रतीक्षा शुरू हो जाती है अगले वर्ष की. शाम में बड़े-बुजुर्ग के चरण स्पर्श कर और छोटों को आशीष देकर घर में बने तरह तरह के मीठे और नमकीन पकवान से सबका मुंह मीठा करवाते हैं. पकवानों में मुख्यतः नारियल लड्डू, कुचो निमकी, जीबे गजा, दरबेश आदि प्रमुख होते हैं.

1870 में नागवंश के 61 वें महाराजा प्रताप उदय नाथ शाहदेव ने राजबाड़ी में दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी. रातू पैलेस की पूजा भव्यता के लिए प्रसिद्ध है और रांची ही नहीं, पूरे झारखंड में विशिष्ट स्थान रखती है.

मां भवानी के स्वप्नादेश से शुरू हुई थी रातू पैलेस में दुर्गा पूजा

हिमकर श्याम

दुर्गा पूजा की शुरुआत सांस्कृतिक भूमि मानी जानेवाली बंग भूमि अर्थात बंगाल से हुई थी. कोलकाता के बाद रांची में सबसे अधिक हर्षोल्लास से दुर्गोत्सव मनाया जाता है. यहां दुर्गा पूजा का इतिहास काफी पुराना है. सर्वप्रथम रातू पैलेस में दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया था. 1870 में नागवंश के 61 वें महाराजा प्रताप उदय नाथ शाहदेव ने राजबाड़ी में दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी. रातू पैलेस की पूजा भव्यता के लिए प्रसिद्ध है और रांची ही नहीं, पूरे झारखंड में विशिष्ट स्थान रखती है. काफी संख्या में लोग राजघराने की पूजा देखने आते हैं.

नंदकेश्वर पद्धति से पूजा

कहा जाता है कि महाराजा प्रताप उदय नाथ शाहदेव की माता लखन कुंवरी देवी को राजबाड़ी में दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए मां भवानी से स्वप्नादेश प्राप्त हुआ था. इसके बाद से ही यहां पूजा का आयोजन होता आ रहा है. राज परिवार की मौजूदगी में सारे विधि-विधान नंदकेश्वर पद्धति से होते हैं. दुर्गा पूजा की यह सबसे प्राचीन पद्धति है. इस पद्धति की शुरुआत नंदकेश्वर ऋषि द्वारा की गयी थी.

लगता है विशाल मेला

रातू पैलेस में दुर्गा पूजा का आरंभ षष्ठी तिथि से होता है. दशमी को शाम ढलने से पहले ही दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन कर दिया जाता है. यहां बलि देने की भी परंपरा रही है. इस बलि को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. पूजा के दौरान पैलेस के बाहर विशाल मेला लगता है. आसपास के ग्रामीण मेले का लुत्फ़ उठाते हैं.

प्रथम पूजा से ही ढाक

दुर्गा पूजा के अवसर पर ढाक बजाने शुरुआत भी रातू पैलेस से हुई थी. राजघराने द्वारा आयोजित प्रथम दुर्गा पूजा में ही बांकुड़ा से ढाकिये मंगाये गये थे. देश के रियासतों में एक रातू रियासत का कभी रसूख हुआ करता था. कहा जाता है कि प्रथम महाराजा फणि मुकुट राय शक्ति के उपासक थे. उनके कार्यकाल में कलश स्थापना कर पूजा की जाती थी.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 24 पदकों के साथ शीर्ष पर भारत

एजेंसी। लीमा

जूनियर निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि भारत ने 13 स्वर्ण, तीन रजत और आठ कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान भी अपने नाम किया. इटली पांच स्वर्ण, चार रजत और 1 कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि नॉर्वे चार स्वर्ण और कुल 10 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है. दीपक दलाल (545), कमलजीत (543) और राज चंद्र (528) की जूनियर पुरुष 50 मीटर पिस्टल टीम ने कुल 1616 अंक जुटाए और अजरबैजान को एक अंक से हराया. आर्मेनिया तीसरे स्थान पर रहा. मुकेश नेलावल्ली ने व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जो प्रतियोगिता का उनका छठा पदक था.

उन्होंने 60 शॉट में कुल 548 अंक बनाए. अजरबैजान के इमरान ने 552 अंक के साथ स्वर्ण जीता. जूनियर महिलाओं की 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में परीशा गुप्ता ने 540 अंक के साथ व्यक्तिगत रजत अपने नाम किया. हालांकि, वह हंगरी की मिरियम जैको के 546 अंक के जूनियर विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने से चूक गईं। सेजल कांबले (529), केतन (525) और कनिष्का डागर (513) ने मिलकर इस स्पर्धा में भारतीय टीम को रजत पदक दिलाया, वे अजरबैजान की टीम से पीछे रहे. प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पांचवीं भारतीय दिवांशी ने 523 अंक हासिल कर आठवां स्थान हासिल किया.

अंतिम दिन के दूसरे इवेंट में शार्दुल विहान और सबीरा हैरिस ने जूनियर मिक्स्ड टीम ट्रैप प्रतियोगिता में भारत को कांस्य पदक दिलाया. दोनों ने 75 से अधिक निशाने लगाए. शार्दुल ने 71 और सबीरा ने 67 अंक हासिल किए. दोनों का कुल स्कोर 138 रहा. यह स्वर्ण जीतने वाली चेक गणराज्य (141 8) और रजत जीतने वाली इटली (141 7) के स्कोर से पीछे था. इस स्पर्धा में दूसरी भारतीय जोड़ी जुहैर खान और भव्या त्रिपाठी ने कुल 134 अंक बनाकर संयुक्त छठा स्थान हासिल किया. आईएसएसएफ का दल अब अपने 2024 कैलेंडर के अंतिम पड़ाव के लिए नयी दिल्ली पहुंच गया है, जहां सत्र का अंतिम आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन 13 से 18 अक्टूबर तक कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित किया जाएगा.

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने भारत पाक आएगा : नकवी

लाहौर। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल पाकिस्तान में किया जाना है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने सोमवार को भरोसा जताया कि आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन देश में होगा. चिर प्रतिद्वंद्वी भारत सहित सभी टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी. गौरतलब है कि बीसीसीआई ने पहले ही साफ कर दिया है कि भारत की टीम पाकिस्तान जाकर कोई मैच नहीं खेलेगी. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 19 फरवरी को शुरू होने का कार्यक्रम है जबकि इसका फाइनल नौ मार्च को खेला जाना है. आयोजन स्थल के रूप में लाहौर, कराची और रावलपिंडी को चुना गया है.

महिला टी20 विश्व कप 2024 : न्यूजीलैंड से मिली पहली हार के बाद समीकरण बिगड़ गया है

भारत के लिए आसान नहीं सेफा की राह

एजेंसी। नयी दिल्ली

महिला टी20 विश्व कप 2024 में आखिरकार हरमनप्रीत की सेना का खाता खुल गया है. पहले मैच में बुरी तरह फ्लॉप और न्यूजीलैंड से करारी हार झेलने के बाद भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया. हालांकि, बल्लेबाजों ने यहां फिर निराश किया लेकिन गनीमत यह रही कि स्कोर छोटा था और कप्तान क्रीज पर डटी रहीं. मगर, सेमीफाइनल का टिकट अब भी भारत की पकड़ से दूर है. टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले से बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन पिछले मुकाबले वाली गलती फिर देखने को मिली. खराब फील्डिंग और फ्लॉप बल्लेबाजी हरमनप्रीत की टीम का पीछा नहीं छोड़ रही. दुबई की पिच धीमी है और यहां बल्लेबाजी करना थोड़ा मुश्किल है लेकिन टीम के मुख्य बल्लेबाजों को जिम्मेदारी तो निभानी पड़ेगी. भारतीय टॉप ऑर्डर तेज शुरुआत दिलाने में नाकाम रहा, जबकि फील्डर आसान कैच ड्रॉप कर रहे हैं. पाकिस्तान के खिलाफ मैच भी फंसता नजर आ रहा था लेकिन हरमनप्रीत कौर ने लाज बचा ली. हालांकि इस जीत के बावजूद सेमीफाइनल का समीकरण अब भी काफी पेचीदा है. भारत को यहां से अपने दोनों मैच जीतने होंगे, जो बिलकुल भी आसान नहीं होगा. सामने छह बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया है. जबकि, श्रीलंका ने भी हाल ही में एशिया कप फाइनल में भारत को हराया था और एक बार फिर से जीत के लिए तैयार होगा. पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बावजूद भी भारत नेट रन रेट में ज्यादा बढ़त नहीं बना पाया. दो मैचों में पहली जीत से भारतीय टीम ग्रुप तालिका में पांचवें से चौथे स्थान पर आ गई. पाकिस्तान हार के बावजूद तीसरे स्थान पर है, क्योंकि इनका नेट रन रेट भारत से बेहतर है. भारत ए ग्रुप में है<bha>;</bha> जिसमें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल है. श्रीलंका लगभग दौर से बाहर हो चुकी है और भारत का अगला मैच श्रीलंका से है, जो पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर है. इसके बाद टीम इंडिया की टक्कर ऑस्ट्रेलिया से है. 10 टीम के बीच जारी टूर्नामेंट में दो ग्रुप है, जिसमें पांच-पांच टीम है. हर ग्रुप की टॉप-2 टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी. भारत ए ग्रुप में है, जिसमें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल है. आसान भाषा में समझें तो भारत के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने के समीकरण कुछ इस तरह हैं कि पहले भारत को उम्मीद करनी होगी कि वो अपने अगले मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर अपना नेट रन रेट बेहतर करे. साथ ही उन्हें यह भी दुआ करनी होगी कि टेबल टॉपर न्यूजीलैंड अपने अगले मैच में ऑस्ट्रेलिया को बड़े अंतर से हराए. अगर यह सब बिल्कुल सही रहा तो भी भारतीय टीम का काम नहीं बनेगा क्योंकि उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपने आखिरी मैच में बड़े मार्जिन से मात देनी होगी. वहीं, पाकिस्तान के मुकाबलों के नतीजे भी भारत के लिए अहम होंगे.

श्रीलंका को हराने के लिए उनके कप्तान को रोकना महत्वपूर्ण : शेफाली

- पाकिस्तान के खिलाफ छह विकेट से जीत ने टीम इंडिया की उम्मीदें बढ़ा दी हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

महिला टी20 विश्व कप 2024 में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले से पहले भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का मानना है कि सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को बनाए रखने के लिए यह जीत बेहद जरूरी है. टूर्नामेंट के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 58 रन से मिली हार ने भारतीय महिला टीम का पूरा समीकरण बिगाड़ दिया, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ हरमनप्रीत कौर की टीम ने शानदार कमबैक किया. इस हाई वोल्टेज मुकाबले को छह विकेट से जीत कर भारतीय टीम ने उम्मीदें बढ़ा दी है. अब नौ अक्टूबर को श्रीलंका और 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से टक्कर होगी, दोनों ही मैच भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं. इस बीच शेफाली, स्मृति मंधाना और रेणुका सिंह ने आगामी मुकाबलों पर अपनी बात रखी. श्रीलंकाई टीम को हराने के लिए सबसे अहम टीम की कप्तान चमारी अथापथु को रोकना होगा. शेफाली ने श्रीलंका की ताकत और लगातार उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की. खासकर उनका मानना है कि अथापथु के नेतृत्व में यह टीम काफी मजबूत हो गई है. उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, एक समय था जब चमारी सबसे ज्यादा रन बनाती थीं और विकेट लेती थीं, लेकिन एशिया कप में उनकी पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया. इस टीम ने बहुत सुधार किया है, यही कारण है कि उन्होंने एशिया कप जीता. चमारी एक प्रमुख खिलाड़ी होने का दबाव झेलती हैं, और यह देखना प्रेरणादायक है कि वह इसे कैसे संभालती हैं और अपने देश के लिए कैसा प्रदर्शन करती हैं. भारत की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने भी श्रीलंकाई कप्तान की चुनौती पर अपनी राय रखी. उन्होंने कहा कि अथापथु बहुत दिलचस्प खिलाड़ी हैं. वह श्रीलंका की एकमात्र खिलाड़ी हैं जो टीम को जीत की ओर ले जाती हैं.

देश की स्टार जिमनास्ट दीपा कर्माकर ने लिया संन्यास

- सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास का किया ऐलान

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत की टॉप जिम्नास्ट रही हैं दीपा कर्माकर

भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा कर्माकर ने संन्यास का ऐलान कर दिया. उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी अपने फैंस के साथ शेयर की. दीपा कर्माकर इसी साल ही एशियन चैंपियनशिप में जीतने वाली पहली भारतीय जिम्नास्ट बनी थीं. बता दें, रियो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली दीपा ने 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में जिमनास्टिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था. वह कॉमनवेल्थ गेम्स में ऐसा करने वाली पहली भारतीय भी बनी थीं.

31 साल की दीपा कर्माकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए संन्यास का ऐलान किया. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'बहुत सोचने के बाद, मैंने ये फैसला ले लिया है, कि मैं जिम्नास्टिक से रिटायर हो रही हूं. ये निर्णय मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन यही सही वक्त है. जिमनास्टिक्स मेरी जिंदगी का एक बहुत बड़ा हिस्सा है, और मैं हर पल के लिए आभारी हूं.

दीपा कर्माकर ने आगे लिखा, मुझे वो पांच साल की दीपा याद आती है, जिसको बोला था कि उसके फ्लैट फीट की वजह से वो कभी जिमनास्ट नहीं बन सकती. आज, मुझे अपनी उपलब्धियों को देख कर बहुत गर्व होता है. भारत का विश्व मंच पर प्रतिनिधित्व करना और पदक जीतना, और सबसे खास, रियो ओलंपिक में प्रोडुनोवा वॉल्ट प्रदर्शन करना, मेरे करियर का सबसे यादगार पल रहा है. आज मुझे दीपा को देखकर बहुत खुशी होती है क्योंकि उसने सपने देखने की हिम्मत रखी. मेरी आखिरी जीत एशियन जिम्नास्टिक चैंपियनशिप ताशकंद, एक टर्निंग पॉइंट था, क्योंकि तब तक मुझे लगा कि मैं अपनी बॉडी को और पुश कर सकती हूं, लेकिन कभी-कभी हमारी बॉडी हमें बताती है कि अब आराम का समय आ गया है.

पहले दिन पाकिस्तान ने चार विकेट खोकर बनाए 328 रन

पाक-इंग्लैंड टेस्ट मैच

एजेंसी। मुल्तान

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला सोमवार से मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हुआ. पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन मजबूत स्थिति में खेलते हुए 4 विकेट खोकर 328 रन बना लिए है. पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और दिन के अंत में 328 रन के स्कोर तक पहुंच गया. पाकिस्तान की ओर से बल्लेबाजी करते हुए शान मसूद ने 151 रन और अब्दुल्ला शफीक ने भी 102 रन की शानदार पारी खेली. शान मसूद ने 151 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने 177 गेंदों का सामना किया. उनके इस प्रदर्शन में 13 चौके और 2 छक्के शामिल थे. मसूद की पारी ने पाकिस्तान की स्थिति को मजबूती दी, और उन्होंने टीम को एक मजबूत शुरुआत दी. इसके अलावा अब्दुल्ला शफीक ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, उन्होंने 184 गेंदों में 102 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल थे. बाबर आजम ने 30 रन की पारी खेली, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके. सैम आयूब 4 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए. पाकिस्तान की पारी में एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले थे, सऊद शकील ने 35 रन बनाए. उन्होंने 72 गेंदों में अपनी पारी को अंजाम दिया, जो नसीम शाह (0) के साथ नाबाद लौटे. इंग्लैंड की गेंदबाजी की बात करें तो, गस एटकिंसन ने 15 ओवर में 70 रन देकर 2 विकेट लिए. क्रिस वोक्स ने 15 ओवर में 58 रन देकर 1 विकेट लिया, जबकि जैक लीच ने 21 ओवर में 61 रन देकर 1 विकेट लिया.

टेस्ट मैच में हुआ चयन

निराशा के बाद मार्कस हैरिस नयी चुनौतियों के लिए तैयार

एजेंसी। सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में जगह बनाने से चूकने के बाद मार्कस हैरिस ने नये सिरे से फोकस और नयी मानसिकता के साथ 2024-25 शेफील्ड शील्ड सीजन पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है. ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट खिलाड़ी मार्कस हैरिस ने घरेलू सत्र से पहले क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, इस साल मेरे लिए यही अंतर है कि पिछले साल की तरह इस साल मेरे सिर पर टेस्ट में चयन होने का खतरा नहीं मंडरा रहा है. उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि मैं कहां खड़ा हूं और मैं जिस स्थिति में हूं, मेरी उम्र क्या है, मुझे पता है कि अगर मुझे फिर से मौका मिलना है तो मुझे हर हाल में दरवाजा खटखटाना होगा. ऐसा लगता है कि वे छह बल्लेबाजों के बारे में काफी हद तक तय कर चुके हैं. लेकिन वे वास्तव में निश्चित नहीं हैं कि क्रम क्या होगा. 32 वर्षीय सलामी बल्लेबाज को कभी डेविड वार्नर के संभावित रिप्लेसमेंट के रूप में देखा जा रहा था. हालांकि पिछली गर्मियों में चयनकर्ताओं ने बल्लेबाजी ऑर्डर के साथ प्रयोग किया और तब हैरिस दरकिनार कर दिए गए. हैरिस और उनके प्रतिद्वंद्वियों कैमरन बैनक्रॉफ्ट और मैथ्यू रेनशॉ के स्थान पर स्टीव स्मिथ को पारी की शुरुआत करने के लिए उतारा गया. टेस्ट टीम में सिलेक्शन से चूकने की निराशा पर हैरिस ने स्वीकार किया कि उनके लिए अपने टेस्ट भविष्य की अनिश्चितता से बचना मुश्किल था,.

राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप

मध्यप्रदेश, ओडिशा, झारखंड और हरियाणा सेमीफाइनल में

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप 2024 में मध्यप्रदेश, झारखंड, हरियाणा और ओडिशा ने सेमीफाइनल में जगह बनाई. सोमवार को मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में आठवें दिन चार क्वार्टरफाइनल मैच खेले गए. पहला मैच मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच खेला गया जिसमें में मध्यप्रदेश ने उत्तरप्रदेश को 2-0. गोल से पराजित कर सेमीफाइनल में अपना जगह बनाई. इस मैच में मध्यप्रदेश की भूमिक्षा साहू को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला. दूसरा मैच झारखंड और महाराष्ट्र के बीच खेला गया, जिसमें झारखंड ने महाराष्ट्र को 3-0 गोल से पराजित कर सेमीफाइनल में अपना जगह बनाई. इस मैच में झारखंड की स्वीटी डुंगडुंग को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला. तीसरे क्वार्टर फाइनल मैच हरियाणा और पंजाब के बीच खेला गया, जिसमें हरियाणा ने पंजाब को 3-1 गोल से पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई. इस मैच में हरियाणा की रितिका मनन को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला. दिन का आखिरी मुकाबला छत्तीसगढ़ और ओडिसा के बीच खेला गया, जिसमें में ओडिसा ने छत्तीसगढ़ को 5-1 गोल से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया. इस मैच में ओडिसा की प्रियंका कुजूर को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला. बुधवार को प्रतियोगिता के दोनों सेमीफाइनल मैच खेले जायेंगे.

नयी भूमिका

पूर्व स्टार खिलाड़ी जयसूर्या 31 मार्च 2026 तक हेड कोच बने रहेंगे

श्रीलंका क्रिकेट ने सनथ जयसूर्या को बनाया पुरुष टीम का हेड कोच

एजेंसी। कोलंबो

पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या को श्रीलंका पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है. श्रीलंका के पूर्व ओपनर रह चुके जयसूर्या के मार्गदर्शन में टीम ने खासकर भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था. जयसूर्या की नियुक्ति 1 अक्टूबर 2024 से शुरू हो गई है और वह 31 मार्च 2026 तक इस पद पर रहेंगे. श्रीलंका क्रिकेट के बयान के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति ने यह निर्णय हाल के भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दौरे पर टीम के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए लिया, जहां जयसूर्या अंतरिम मुख्य कोच के रूप में टीम के साथ थे. मुख्य कोच के रूप में जयसूर्या की पहली जिम्मेदारी वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सीमित ओवरों के मैच होंगे, जो दांबुला और पल्लेकेले में खेले जाएंगे.

जयसूर्या पहले श्रीलंका क्रिकेट के सलाहकार रह चुके हैं. उनको पहली बार जुलाई में अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था. पिछले कुछ महीनों में जयसूर्या की देखरेख में, श्रीलंका ने 27 साल बाद भारत के खिलाफ पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीती, 10 साल में पहली बार इंग्लैंड को उनकी धरती पर टेस्ट मैच में हराया, और हाल ही में न्यूजीलैंड को घरेलू टेस्ट में 2-0 से हराया. 1991 से 2007 तक जयसूर्या ने 110 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 40.07 की औसत से 6973 रन बनाए, जिसमें 14 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं. 445 वनडे मैचों में उन्होंने 13,430 रन बनाए, 32.36 की औसत से 28 शतक और 68 अर्धशतक लगाए. 1996 के विश्व कप में उन्होंने श्रीलंका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी. जयसूर्या इसके अलावा एक शानदार गेंदबाज भी थे. बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हुए उन्होंने टेस्ट मैचों में 98 और वनडे मैचों में 323 विकेट लिए हैं. वनडे में वह दुनिया के महानतम ऑलराउंडर में एक हैं. जयसूर्या ने अपने करियर में 31 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं. वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी 30 मैच खेल चुके हैं.

आईसीसी ने मैच रेफरी रिचर्डसन को 50 टेस्ट की उपलब्धि पर दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। आईसीसी ने सोमवार को रिची रिचर्डसन को 50 टेस्ट मैचों में मैच रेफरी बनने की उपलब्धि हासिल करने पर बधाई दी. उन्होंने इंग्लैंड-पाकिस्तान के बीच मुल्तान में चल रहे पहले टेस्ट में मैच रेफरी बनने के साथ यह मुकाम हासिल किया. वेस्टइंडीज टीम के कप्तान रह चुके रिचर्डसन 2016 से आईसीसी के एलीट मैच रेफरी पैनल के सदस्य हैं. 62 वर्षीय रिचर्डसन ने फरवरी 2016 में बतौर अंपायर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से 99 पुरुष वनडे, 99 पुरुष टी20, आठ महिला वनडे और 15 महिला टी20 मैचों में भी अंपायरिंग की है. रिचर्डसन ने एक बयान में कहा, मेरे लिए 50वें पुरुष टेस्ट मैच में मैच रेफरी की भूमिका निभाना सम्मान की बात है.

फ्रिट्ज ने फ्रेंच क्वालीफायर टेरेंस को हराकर राउंड-3 में प्रवेश किया

शंघाई मास्टर्स

एजेंसी। शंघाई

टेलर फ्रिट्ज ने किझोंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सेंटर में सोमवार को फ्रांसीसी क्वालीफायर टेरेंस एटमैन को 7-6 (7/4), 7-6 (7/5) से हराकर शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में प्रवेश किया. रविवार को भारी बारिश के कारण मैच रोक दिया गया था, जिसमें फ्रिट्ज पहले सेट में 4-3 से आगे थे. मैच में देरी और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद, फ्रिट्ज ने 161वीं रैंकिंग वाले एटमैन के खिलाफ अपना धैर्य बनाए रखा और स्टेडियम कोर्ट में एक घंटे और 54 मिनट के कड़े मुकाबले के बाद जीत हासिल की. दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला टक्कर का रहा है, जहां दोनों ही खिलाड़ी एक-दूसरे पर बढ़त बनाने में सफल हो रहे थे, लेकिन अमेरिकी टेनिस स्टार ने अंत तक बढ़त बनाई रखी और जीत दर्ज की. फ्रिट्ज ने अपनी कड़ी मेहनत से मिली इस जीत के बाद कहा, मुझे लगा कि उसने वाकई बहुत अच्छा खेला, और अगर मैं अपने खेल में शीर्ष पर नहीं होता... तो मैं निश्चित रूप से वह मैच हार सकता था.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय शुभ नहीं है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में कुछ कमी होगी, पर नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे.

वृष व्यापार में लाभ होगा. किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे.

मिथुन शिक्षा में सुधार होगा. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. मित्र मिलेंगे.

सिंह नया कार्य आरम्भ के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है. सूर्य को जल दें.

कन्या पूजा-पाठ में मन लगेगा. कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. चिंता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी व सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है. काला वस्तु दान करें.

मकर समय शुभ है. किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन भाग्य का साथ मिलेगा. नए कार्य को लेकर जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी.

पुनः शुरू होगा बरवाडीह-चोपन चुनार पैसेंजर का परिचालन

मेदिनीनगर। कोरोना काल में बंद की गई बरवाडीह-चोपन चुनार पैसेंजर (ट्रेन संख्या 03603/03604) का पुनः परिचालन शुरू होगा. इसे लेकर रेलवे बोर्ड ने अधिसूचना जारी कर दी है. उक्त जानकारी पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने दी है. श्री राम ने बताया कि उक्त ट्रेन के पुनः परिचालन को लेकर प्रयासरत था. अथक प्रयासों के बाद इस ट्रेन के पुनः परिचालन प्रारंभ करने की अधिसूचना रेलवे बोर्ड द्वारा सोमवार को प्रदान कर दी गई है. बहुत जल्द उक्त ट्रेन के परिचालन संबंधी तिथि निर्धारित की जाएगी. सांसद ने बताया कि इस मांग को लेकर लोकसभा में मैंने प्रश्न करने के साथ ही रेल मंत्री से भी व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी.

पूर्व मुखिया राजेश्वर सिंह की प्रतिमा का किया गया अनावरण

पलामू। पांडू प्रखंड के डाला खुर्द गांव में न्यू प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में पूर्व मुखिया स्वर्गीय राजेश्वर सिंह की

प्रतिमा का अनावरण किया गया. समारोह का संचालन ट्रस्ट के संरक्षक राजेंद्र प्रसाद सिंह, प्रद्युम्न कुमार सिंह उर्फ सिंटू सिंह ने किया. मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, विशिष्ट अतिथि जिप सदस्य रणवीर कुमार व युवा समाजसेवी अविनाश कुमार सिंह उपस्थित थे. रामचंद्र चंद्रवंशी ने राजेश्वर सिंह ट्रस्ट को एक लाख रुपये दिये.

डीजल चोर गिरोह का भंडाफोड़

बालूमाथ। हाइवा से डीजल चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है. दो बाइक जब्त करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है. बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय ने बताया कि सोमवार की सुबह मगध कोलियरी क्षेत्र में 13 नंबर कांटा के पास खड़ी कुछ हाईवा से डीजल चोरी कर सात-आठ लोग जंगल की ओर भाग रहे थे. अमरवाडीह पिकेट प्रभारी के नेतृत्व में छापेमारी के दौरान एक बाइक पर लदे दो गैलन डीजल के साथ चालक को पकड़ा गया. वहीं, एक बाइक पर लदा दो गैलन डीजल को छोड़ कर चालक फरार हो गया.

झारखंड युवा सदन 2024 में अफसर हुसैन ने सरकार के सता पक्ष की ओर से जेएसएससी बोर्ड का किया नेतृत्व

झारखंड युवा सदन के फोर्थ एडिशन में लालगढ़ के लाल ने किया कमाल

- सपने देखो, सपने विचारों में बदल जाते हैं और विचार सफल कार्य में परिवर्तित होते हैं : अफसर हुसैन

संवाददाता। विश्रामपुर (पलामू)

युवा सदन में पदाधिकारियों के साथ अफसर हुसैन.

झारखंड युवा सदन 4.0 में तीन दिवसीय कार्यक्रम में विश्रामपुर प्रखंड के ग्राम लालगढ़ निवासी सब इंस्पेक्टर उस्मान शेख के पुत्र व युवा समाजसेवी सह जिला पार्षद प्रत्याशी कलाम आजाद के छोटे भाई अफसर हुसैन चयनित हुए. वर्ष 2024 के 27 सितंबर से 29 सितंबर तक चलने वाले झारखंड युवा सदन कार्यक्रम में सरकार की सत्तापक्ष की ओर से जेएसएससी बोर्ड का नेतृत्व किया और परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ी पर भी विस्तृत प्रकाश डाला. अफसर हुसैन सदन में मिले दायित्व को बखूबी ईमानदारी पूर्वक निभाते हुए पक्ष-विपक्ष तथा राजकीय पदाधिकारियों के बीच बेहतर तरीके से प्रदर्शित किया. जेएसएससी परीक्षाओं मे हमेशा हो रही गड़बड़ियों को संज्ञान में लेते हुए वरीय पदाधिकारियों पर कई करवाई करने को निर्देश दिया. झारखंड के सभी युवाओं को भरोसा दिलाया कि जेएससीसी की आगामी हर परीक्षाएं कदाचार मुक्त तथा कड़ी निगरानी में होंगी और परीक्षा मे किसी तरह की गड़बड़ी करने वाले एजेंसी पर भी कड़ी कार्र वाई की जाएगी. परीक्षा विलंब होने की स्थिति में कई बिंदुओ पर भी सुझाव दिया. कोरोना और लीगल एडमिनिस्ट्रेटिव के साथ अन्य कारणों से विलंब हुआ है. साथ ही साथ हुसैन ने सरकार के पक्ष में मानव तस्करी बिल पर भी सरकार के पक्ष में बात को रखा, जबकि विधायक का नेतृत्व कर रहे अन्य युवाओं ने मानव तस्करी विधेयक बिल में कुछ त्रुटियों को गिनाया तथा संशोधन करने का अपनी बात विपक्ष की ओर से रखा. यह झारखंड राज्य में एक बहुत ही जटिल समस्या है इस पर एक कठोर बिल को युवा सदन में पेश किया गया. जिसमें सरकार को ध्यानाकृष्ट कराते हुए बात को रखा. मानव तस्करी को रोकथाम के लिए ह्यूमन ट्रैफिकिंग का पहल पर जोर दिया. अंत में मानव तस्करी विधेयक बिल 2024 सदन में पास किया गया. इसके आलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, पलायन, बेरोजगारी, बिजली, पानी जैसी मूलभूत समस्याओं पर भी बातें रखीं.

अफ़सर हुसैन बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं. वे उनकी प्रारंभिक शिक्षा रोटरी पब्लिक स्कूल डालटनगंज से हुई है. वर्तमान में आई.सी.एफ ए.आई. यूनिवर्सिटी से एलएलबी कर रहे हैं. वे पढ़ाई के साथ साथ राजनीतिक और सामाजिक गतिविधि समझने में भी काफी रुचि रखते हैं. अफ़सर हुसैन अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि इस झारखंड युवा सदन 4.0 आयोजन में विभिन्न थीम और समस्या पर अधारित सरकार द्वारा चलाई गई जागरूकता सदन मे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला एक बेहतर एक्सपीरियंस आया और अच्छी कॉन्फिडेंस बढ़ा. झारखंड युवा सदन का आयोजन खेल एवं युवा विभाग मंत्रालय झारखंड सरकार के सहयोग से हर वर्ष आयोजित किया जाता है. कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता रिसहिंद्र विक्रम सिंह, सांसद सुखदेव भगत, पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय व अन्य वरीय अधिकारी मुख्य रूप से शामिल हुए.

मंईयां सम्मान यात्रा पहुंची सिसई, घाघरा और विशुनपुर, कल्पना ने कहा

भाजपा को पीआईएल की राजनीति बहुत भारी पड़ेगी

विशेष संवाददाता। रांची/गुमला

- स्थानीय नीति-नियोजन नीति और सरना धर्म कोड भाजपा के लोग देना नहीं चाहते हैं, मगर हम संघर्ष करेंगे, तैयार रहें
- भाजपा को आदिवासी संस्कृति, भाषा, जल और जंगल से काफी नफरत है, विकास तो दूर की बात है
- स्थानीय नीति और मंईयां योजना के खिलाफ पीआईएल करके रोकवाते हैं और गोगो योजना लाने का वादा कर रहे हैं

यात्रा और सभा से दूर रहे विशुनपुर विधायक चमरा लिंडा

विगत दो दिनो से कल्पना सोरेन का मंईयां सम्मान यात्रा गुमला में है. सोमवार को चमरा लिंडा के विधायकी क्षेत्र विशुनपुर में कल्पना की सभा थी, रोड थी. मगर चमरा लिंडा सभी कार्यक्रमों से दूर रहे. जबकि दो अन्य सिसई ओर गुमला विधायक शामिल हुए. इसको लेकर क्षेत्र में यह चर्चा होने शुरू हो गयी है कि वे पार्टी और हेमंत सोरेन से नाराज चल रहे हैं. यह नाराजगी और दूरी विधानसभा चुनाव में किस करवट बैठेगी यह देखना दिलचस्प होगा.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा गुमला पहुंची. जहां पर कल्पना सोरेन ने सिसई, विशनपुर विधानसभा के साथ-साथ घाघरा में सभा की और कई जगहों पर रोड शो किया. इस मौके पर मंत्री बेबी देवी, दीपिका पांडेय सिंह और कल्पना सोरेन का भव्य रूप से आदिवासी संस्कृति, रीति-रिवाज के साथ हुआ. इस मौके पर विधायक भूषण तिर्की, सुशासन होरो सहित कई उपस्थित थे. इस मौके पर कल्पना सोरेन ने कहा कि आदिवासियत क्या है. हमारा प्रकृति, जल, जंगल और जमीन, नृत्य और संगीत ही आदिवासियत है. हमारी सरकार यही काम कर रही है. कुडुख भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए पत्र केंद्र सरकार को लिखा है. आनी वाली पीढ़ी को अपनी भाषा और संस्कृति को सिखाना जरूरी है. हमारी सरकार की मुखिया हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ योजना बनाकर लायी. हमारी बच्चों के लिए स्कूल ऑफ एक्सीलेंस बनाया. अल्पसंख्यक बच्चों के लिए शिक्षकों की बहाली की. गुरूजी क्रेडिट कार्ड, बच्चियों के लिए सावित्री भुले बाई स्कीम आदि लाएं हैं. यह सब शिक्षित समाज के निर्माण के लिए हो रहा है. हम शिक्षित रहेंगे तभी हमारा समाज शिक्षित रहेगा. अगर यह शिक्षित करना भाजपा के नजर में गुनाह है तो हमारे मुख्यमंत्री इससे डरने वाले नहीं है. हमारी सरकार दुरदर्शी सोच के तहत कार्य कर रही है. जिस तरीके से मंईयां सम्मान यात्रा में चल रहे हैं, जिस प्रकार योजना के बारे में बता रहे हैं. उसका मकसद आपको जागरूक करना है. बुढापे की लाठी बनने का काम हमारी सरकार ने किया. सर्वजन पेंशन स्कीम उन्हें दिया है. क्योंकि वे जानते हैं कि जिन्होंने पूरा जीवन लगा दिया कि अपने बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए, कहीं न कहीं उनकी जिम्मेवारी खलती है. पेंशन आपका हक है. अबुआ आवास क्यों दिया जा रहा है. क्योंकि हमारे राज्य का पीएम आवास का पैसा दूसरे राज्यों को दे दिया. तब आपके बेटे हेमंत ने अपनी सरकार के फंड से आपको पक्का मकान देने का काम रहे हैं. अगर आपके बच्चे विदेश में पढ़ना चाहते हैं तो मरांग गोमके स्कीम लाया है. ताकि कोई भी बच्चा पैसे के अभाव में हाईहर एजुकेशन से वंचित न रहे. बिरसा हरित ग्रामीण योजना से हजारों हजार लोगों से लोगों का फायदा पहुंचा है. बिजली बिल जीरो हो गया, किसानों का लोन 2 लाख रूपए तक माफ हो गया. मगर झारखंड के साथ हर वक्त भेदभाव किया जाता है. हमारा हक नहीं मिलता है. हमारा अपना पैसा 1 लाख 36 हजार करोड़ केंद्र से मांगते-मांगते मुख्यमंत्री थक गए. यह किसका पैसा है, यह आपका पैसा है. हम अपनी भाषा बोलते हैं तो उनको बहुत तकलीफ होती है. क्योंकि इन्हें आदिवासी, इनकी भाषा, सभ्यता, संस्कृति से नफरत है. हमारी सरकार ने नियोजन नीति, सरना धर्म कोड विधानसभा से पारित करके भेजा. मगर ये लोग ये देना नहीं चाहते हैं. यह आदिवासियों का विकास क्या करेंगे. मगर हिम्मत न हारें, आप साथ दें, यह लड़ाई लंबी है, हम यह लेकर रहेंगे. हमारा हक, हमारा पहचान, संस्कृति को मजबूत करना है. आपके बेटे हेमंत सोरेन तैयार हैं. मंईयां योजना केवल हमारी माता, बहनों को राशि नहीं बल्कि सम्मान देने का काम किया. ताकि रोज-मर्रे का खर्च में यह काम आए. आज मंईयां योजना के खिलाफ पीआईएल करते हैं और फिर गोगो योजना लाने की बात करते हैं. यह लोग झारखंड को क्या समझ रखे हैं. स्थानीय नीति को लेकर भी ये लोग पीआईएल करवा कर रोकवा दिया. मगर यह इन्हें यह पीआईल बहुत भारी पड़ने वाला है. ये लोग आएंगे मगर विकास की बात करने नहीं धर्म और जाति के नाम पर आपको बांटने के लिए. इस मौके पर मंत्री बेबी देवी, दीपिका सिंह पांडेय ने भी अपने विचार रखे.

बेटियां पढ़ेंगी तभी समाज बढ़ेगा : डीसी उत्कर्ष गुप्ता

लातेहार में आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त व अन्य.

संवाददाता। लातेहार

खास बातें

- शी बॉक्स का हुआ शुभारंभ पुस्तिका का अनावरण
- लाभुकों को स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया

सोमवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. उपायुक्त और अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया. इस दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना तहत शी बॉक्स का इनॉग्रेशन एवं विभागीय योजनाओं से जानकारी के लिए पुस्तिका का अनावरण किया गया. उपायुक्त ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति भेदभाव की भावना को दूर करने के साथ-साथ समाज में जागरूकता एवं बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है. बेटियां नागरिक सेवाएं, खेल-कूद एवं अन्य सभी क्षेत्रों में सराहनीय प्रदर्शन कर रही हैं. बेटियां आज बेटों से अधिक ऊर्जावान हैं और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है. सरकार बेटियों के लिए कई योजनाएं चला रही हैं. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने मासिक धर्म एवं स्वच्छता विषय पर जानकारी दी. उपायुक्त व अतिथियों द्वारा विधवा पुनर्विवाह योजना के तहत दो लाभुकों को स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया. सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत पांच छात्राओं के बीच स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया. मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, जिला परिषद उपाध्यक्ष अनिता देवी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेंब्रम, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

किसानों की समस्या को लेकर भाजपा किसान मोर्चा का धरना

संवाददाता। मेदिनीनगर

खास बातें

- किसानों की समस्याओं के समाधान की रखी मांग
- कम बारिश से क्षेत्र के किसानों को हुआ है नुकसान

किसानों की समस्या को लेकर भाजपा किसान मोर्चा ने सोमवार को समाहरणालय के समक्ष धरना दिया. धरना के अंत में पलामू के उपायुक्त को मांग पत्र सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की गयी. धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय कुशवाहा व संचालन विजय शर्मा ने किया. वक्ताओं ने कहा कि मॉनसून के दौरान औसत से अधिक वर्षा होने के कारण पलामू समेत प्रदेश के किसानों को भारी नुकसान हुआ है. खासकर सब्जी के फसल को काफी नुकसान पहुंचा है. नेताओं ने सब्जी की खेती में हुए नुकसान की भरपाई किये जाने समेत रबी सीजन के लिए 90 प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराने, धान अधिप्राप्ति पर बोनस देने, पीएम किसान सम्मान निधि का छूटे किसानों को लाभ देने, फसल बीमा की राशि का भुगतान करने एवं प्रखंडों में कॉल्ड स्टोरेज का निर्माण कराने की मांग की. मौके पर प्रभारी रवि प्रकाश दुबे, परशुराम ओझा, अविनाश वर्मा, विजय ठाकुर, मुन्ना विश्वकर्मा, ओमप्रकाश पप्पू, जितेंद्र तिवारी, संजीव कुमार, मनोज दास, गुप्तेश्वर गुप्ता, पंकज शर्मा, अभय सिंह, राजेश सिंह, नितेश सिंह, संतू सिंह, सत्येंद्र कुमार, उदय विश्वकर्मा, सुरेंद्र तिवारी, मनोज विश्वकर्मा, सत्यनारायण साहू, संतोष तिवारी एवं अन्य सैकड़ो कार्यकर्ता धरना कार्यक्रम में मौजूद थे.

मजदूरों को नहीं मिला बासगीत पर्चा भाकपा संग मिलकर किया प्रदर्शन

पर्चा नहीं मिलने के विरोध में धरने पर बैठे मजदूर.

संवाददाता। तरहसी (पलामू)

तरहसी प्रखंड के सनपुरा पंचायत अंतर्गत बासगुरु गांव के कई दर्जन मजदूर 30 वर्षों से घर बनाकर किसानी कर रहे हैं. फिर भी उन्हें सरकार और सरकारी अधिकारी द्वारा अभी तक बासगीत पर्चा नहीं मिल पाया है. जबकि सभी प्रखंड कार्यालय एवं जिला कार्यालय के चक्कर लगाकर थक चुके हैं. मजदूर द्वारा जब भी आवेदन दिया जाता है तो समय लेने के बाद सरकारी अधिकारी तबादला हो जाता है या तो फिर सरकार बदल जाती है. सरकार आश्वासन पर आश्वासन देती रहती है. इधर भूमाफिया द्वारा इन मजदूरों को शोषण किया जाता है. इसी समस्या को लेकर सोमवार को भाकपा माले सह अखिल भारतीय किसान महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष डॉ बीएन सिंह बिराज सिंह, जिला कमेटी सदस्य भाकपा माले दिव्या भगत, राज्य कमेटी सदस्य भाकपा माले राष्ट्रीय परिषद सदस्य आरवाईए प्रवीण, आइसा पलामू सदस्य सकूंती देवी सहित कई दर्जन मजदूरों ने धरना दिया. सभी ने कहा कि इस मामले में सरकार संज्ञान अवश्य ले. अगर सरकार नहीं सुनती है तो लगातार धरना दिया जाएगा.

इंजीनियर को कोर्ट ने चार साल की जेल की सजा सुनाई

विधि संवाददाता। रांची

खास बातें

- सीबीआई ने सीएमपीडीआई से किया था गिरफ्तार
- अदालत ने सजा के साथ आठ हजार का जुर्माना भी लगाया

रांची की सीबीआई कोर्ट ने रिश्वत लेने के मामले में केंद्र सरकार की कंपनी सीएमपीडीआई (सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट) के सिविल इंजीनियर उमाशंकर कुमार को दोषी करार देते हुए चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. उन पर आठ हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. यह मामला सात वर्ष पुराना है.

सीबीआई की टीम ने सीएमपीडीआई के रांची हेडक्वार्टर में पदस्थापित सिविल इंजीनियर को नवंबर 2017 को 13 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था. उनके खिलाफ नंद गोपाल त्रिपाठी नामक शख्स ने शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में कहा गया था कि इंजीनियर उमाशंकर कुमार अपने पद का दुरूपयोग करते हुए बैंक गारंटी और सिक्योरिटी के एवज में 25 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी. सीबीआई के एसपी के निर्देश पर डीएसपी ने इसे सत्यापित किया था. प्री-ट्रैप मेमोरेंडम तैयार करने के बाद उन्हें पकड़ने की योजना बनाई गई. ट्रैप के दौरान उन्हें 13 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया. सीबीआई ने इस मामले में कांड संख्या आरसी 09(ए)/2017-आर के तहत एफआईआर दर्ज की थी. चार्जशीट जमा करने के बाद चले ट्रायल के दौरान सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए सोमवार को सजा सुनाई. अदालत में सीबीआई की ओर से वरीय लोक अभियोजक प्रियांशु कुमार सिंह ने पक्ष रखा था.

कार्यक्रम मेदिनीनगर में 'संकल्प 100 दिन' अभियान का समापन समारोह संपन्न

बेटियों व महिलाओं के लिए स्थितियां बदल रहीं : डीसी

संवाददाता। मेदिनीनगर

टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल डीसी व अन्य.

खास बातें

- दो से 11 अक्टूबर तक बालिका दिवस मन रहा
- बेटियों और महिलाओं के महत्व पर जोर दिया गया

मेदिनीनगर के टाउन हॉल में 'संकल्प 100 दिन' 21 जून से 4 अक्टूबर के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का समापन समारोह आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर के अवसर पर भी मनाया जा रहा है. कार्यक्रम में उपायुक्त शशि रंजन ने बेटियों और महिलाओं के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की समस्याओं को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, लेकिन अब स्थिति बदल रही है. आज महिलाएं और कामकाजी महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अद्भुत प्रदर्शन कर रही हैं. पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने महिलाओं की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह स्वयं महिला सशक्तिकरण का एक उदाहरण हैं. परिवार के निरंतर समर्थन से वह इस मुकाम तक पहुंचीं और हर महिला को कभी हार नहीं माननी चाहिए, वे समाज में परिवर्तन ला सकती हैं.

उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने भी महिलाओं के महत्व और उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला. नगर आयुक्त ने महिलाओं की भूमिका और सशक्तिकरण पर चर्चा की और जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी और उनकी टीम को बधाई दी. इस कार्यक्रम में सिविल सर्जन और छतरपुर एसडीएम ने भी भाग लिया. जिला सामाजिक कल्याण पदाधिकारी ने संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित समस्त कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया और सभी विभागों, विशेष रूप से जेएसएलपीएस टीम, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षक, सेविका और बाल संरक्षण इकाई को धन्यवाद दिया. नीता चौहान ने डॉ. तबरेज (यूनिसेफ) की जिला प्रशासन के साथ बाल विवाह, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा जैसे मुद्दों पर निरंतर सहयोग के लिए सराहना की. उन्होंने केडी पासवान, चाइल्डलाइन टीम और सभी स्टाफ का भी आभार व्यक्त किया.

खनन टास्क फोर्स की बैठक में दिए कई निर्देश

लातेहार। जिले में अवैध खनन के रोक थाम को लेकर सोमवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई. बैठक में जिला में कोयला व बालू के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण, संचालित खनन पट्टों, प्रखंडवार क्रशरों की सूची आदि की न समीक्षा कर आवश्यक व दिशा निर्देश दिया गया. जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि 28 अगस्त से छह अक्टूबर तक खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण में 58 वाहनों को जब्त कर सात प्राथमिकी दर्ज गई है. इसमें 10,29,093 रुपये जुर्माना वसूला गया है. बैठक में अपर समाहर्ता रामा रविदास, एसडीओ अजय कुमार रजक, डीटीओ सुरेंद्र कुमार, डीएमओ नदीम सफी आदि थे.

पेज एक का शेष

रांची को जल्द मिलेगी बड़े शहरों...

लेकिन स्वास्थ्य सेवा में सुधार को लेकर आज के दिन में भी इस दिशा में बहुत कमी दिखती है. 2019 में कोरोना महामारी आई और इस बीमारी ने पूरी दुनिया की स्वास्थ्य सेवा की पोल खोल कर रख दी. हमारे यहां तो पहले से अस्पताल, दवा और डॉक्टरों का अभाव रहा है. बेहतर प्रबंधन से हमने कोरोना की लड़ाई को जीती. कई राज्यों में हालत इतनी खराब रही कि इसे बयान नहीं किया जा सकता. लेकिन हमारे लिए ये गौरव की बात है कि कोरोना काल में पूरे देश को अगर सबसे अधिक ऑक्सीजन की सप्लाई की गई, तो वो हमारा झारखंड ही है. उन्होंने कहा कि कोरोना की लड़ाई में हमलोग दिन-रात लगे रहे. आज इसमें एक और कड़ी जुड़ गई है.

दो दिन पहले ही हमने कोल्हानवासियों के लिए जमशेदपुर में 750 बेड से भी अधिक क्षमता वाला मेडिकल कॉलेज उपलब्ध कराया. अब बड़े शहरों जैसी चिकित्सा व्यवस्था अपनी राजधानी में भी मौजूद रहेगी. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने इस्लाम नगर के विस्थापितों को आश्वासन दिया कि सभी लाभुकों को आवास दिया जाएगा.

शेष बचे सभी लाभुकों को जल्द दिया जाएगा आवास : नगर विकास मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि 291 को लाभुकों को पहले फेज में आवास दिया जा रहा है. शेष बचे लोगों को जल्द ही आवास बना कर दिया जाएगा. मालूम हो 444 लाभुक हैं. जिसमें पहले फेज में 291 लोगों को आवास दिया गया है.

बेमिसाल : कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र विस चुनाव से पहले कोल्हापुर में दलित परिवार के साथ दाल-सब्जी बनायी, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

बहुजन क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता, इनकी रक्षा हम करेंगे : राहुल गांधी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

महाराष्ट्र में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं. चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र के कोल्हापुर में अजय तुकाराम सनदे और अंजना तुकाराम सनदे के घर खाना खाने पहुंचे. इस दौरान राहुल ने रसोई में खाना बनाने में भी अपना हाथ अजमाया. राहुल गांधी ने कहा, दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं. जैसा शाहू पटोले जी ने कहा, दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता.

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसका वीडियो भी शेयर किया. इसमें देखा जा सकता है कि खाना खाते वक्त राहुल गांधी कहते हैं कि वे ज्यादा मिर्ची नहीं खाते. इस दौरान वे कहते दिख रहे हैं, कितनी मिर्ची डाल दी. बता दें कि कोल्हापुर में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद

राहुल गांधी राज्य कांग्रेस के बड़े नेताओं और सुरक्षाकर्मियों के साथ सीधे 50,000 की आबादी वाले ऊंचगांव गांव पहुंचे. बिना किसी पूर्व सूचना के वह अजय कुमार तुकाराम सनदे के घर पहुंचे, तो हर कोई हैरान रह गया. इस दौरान राहुल गांधी ने पहले चाय पी और अचानक कहा कि उन्हें भूख लग रही है और वे कुछ खाना चाहते हैं. घबराते हुए, सनदे परिवार ने उनसे पूछा कि वह क्या खाना पसंद करेंगे. इस पर कांग्रेस नेता ने कहा कि चिंता मत करो, मैं खुद हम सबके लिए कुछ बना दूंगा. इसके बाद सनदे दंपती उन्हें बगल की रसोई में ले गए, जहां उन्होंने परिवार के साथ खाना बनाया. इस दौरान उन्होंने कहा कि जिनके हाथ में हुनर है, उनके बारे में बात ही नहीं होती. दलितों का जो बचा खुचा इतिहास है, शिक्षा व्यवस्था में उसे भी मिटाने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने कहा कि इस देश में 90 फीसदी दलित है, लेकिन 90 फीसदी लोगों के लिए दरवाजे बंद है. आप कहीं भी देख लीजिए.

हर एक भारतीय दिल में भाईचारे की भावना हो

राहुल गांधी ने वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा, दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं. जैसा शाहू पटोले जी ने कहा, दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता. वो क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं, और इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इस जिज्ञासा के साथ, मैंने अजय तुकाराम सनदे जी और अंजना तुकाराम सनदे जी के साथ एक दोपहर बिताई. उन्होंने कोल्हापुर, महाराष्ट्र में मुझे अपने घर सम्मान के साथ बुला कर रसोई में हाथ बंटाने का मौका दिया. हमने मिल कर चने के साग की सब्ज़ी हरभ *याची भाजी और बैंगन के साथ तुवर दाल बनाई. राहुल गांधी ने आगे लिखा, पटोले जी और सनदे परिवार के जाति और भेदभाव के निजी अनुभवों पर बात करते हुए, हमने दलित खानपान के प्रति जागरूकता की कमी और इस संस्कृति के डाक्यूमेंटेशन के महत्व पर चर्चा की. बहुजनों को हिस्सेदारी और अधिकार संविधान देता है, और उस संविधान की रक्षा हम करेंगे. लेकिन समाज में सभी की सच्ची समावेशिता और समानता तभी संभव होगी जब हर एक भारतीय दिल में भाईचारे की भावना के साथ प्रयास करे. बहुजनों को हिस्सेदारी और अधिकार संविधान देता है और उस संविधान की हम रक्षा करेंगे, लेकिन समाज में सभी की सच्ची समावेशिता और समानता तभी संभव होगी जब हर एक भारतीय दिल में भाईचारे की भावना के साथ प्रयास करे.

राहुल गांधी को प्रमाण पत्र देने वाले किरेन रिजिजू होते कौन हैं : पवन खेड़ा

नयी दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को आईएएनएस से खास बातचीत में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को ''सुधर जाने'' की नसीहत दी थी. कहा था कि विदेशी धरती पर उन्हें देश विरोधी बातें नहीं करनी चाहिए. कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने उनके इस बयान पर सख्त ऐतराज जताया है. आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि हम उनसे पूछते हैं कि वे कौन हैं, जो हमें प्रमाण पत्र देने आए हैं? क्या उनसे सरकार और मंत्रालय सही से चल नहीं रहे? देश के करोड़ों लोग, युवक, किसान, दलित, वंचित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक और महिलाएं राहुल गांधी को आशीर्वाद देने और प्रमाण पत्र देने के लिए खड़े हैं. पवन खेड़ा यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे कहा, रिजिजू अपनी बारी का इंतजार करें, लाइन में खड़े रहें. हम जानते हैं वह कांग्रेस में आना चाहते हैं, वह पहले भी कांग्रेसी थे, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि कांग्रेस में आने के लिए उन्हें कई साल इंतजार करना होगा. दरअसल, रिजिजू ने राहुल गांधी को लेकर कहा था, राहुल गांधी जब विपक्ष के नेता बने, तो मुझे लगता कि सुधर जाएंगे, मगर वह तो और भी बिगड़ गए हैं.

न्यूज अपडेट

द. कोरिया व फिलीपींस में साझेदारी

मनीला। दक्षिण कोरिया और फिलीपींस विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने को तैयार हुए हैं. दक्षिण कोरिया राष्ट्रपति यूं सुक येओल और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने सोमवार को सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी बनाने पर सहमति व्यक्त की. मनीला में एक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया. इसमें दोनों नेताओं ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने के लिए एक संयुक्त घोषणा पत्र को स्वीकार किया.

पाकिस्तान में सात आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने 7 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया. पूर्वी पंजाब में सीटीडी ने सोमवार को प्रांत के मियांवाली जिले यह ऑपरेशन करने का दावा किया. रविवार देर रात मेकरवाल इलाके में खुफिया सूचना के आधार पर ऑपरेशन चलाया गया. आतंकवादियों और सीटीडी कर्मियों के बीच गोलीबारी हुई. रिपोर्ट के अनुसार गोलीबारी के दौरान सात आतंकवादी मारे गए जबकि आतंकवादियों के कब्जे से छह हथगोले, सात कलाश्निकोव, गोलियां और विस्फोटक बरामद किए गए.

विस्फोट में दो चीनी सहित तीन की मौत

कराची। कराची एयरपोर्ट के पास रविवार देर रात हुए भीषण विस्फोट में दो चीनी नागरिकों सहित तीन की मौत हो गई और करीब एक दर्जन अन्य लोग घायल हो गए. सोमवार को चीनी नागरिकों की मौत की पुष्टि करते हुए इस्लामाबाद स्थित चीन के दूतावास ने हमले की कड़ी निंदा की. विस्फोट तब हुआ जब पोर्ट कासिम इलेक्ट्रिक पावर कंपनी (प्राइवेट) लिमिटेड से चीनी कर्मचारियों को ले जा रहे एक काफिले पर कराची में जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास हमला किया गया.

मुंबई में पहली बार भूमिगत मेट्रो लाइन

मुंबई। मुंबई वासियों को सोमवार को सरकार की तरफ से बड़ी सौगात मिली. 7 अक्टूबर से मुंबई में बीकेसी और आरे के बीच पहली भूमिगत मेट्रो ट्रेन सेवा शुरू हो गई है. मेट्रो प्रशासन इस सेवा के लिए मेट्रो कनेक्ट 3 ऐप भी लेकर आया है. इसे लेकर आम जनता ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं. लोगों ने इसके लिए सरकार की तारीफ की और खुशी जताई. बता दें कि बीकेसी और आरे के बीच कुल 10 मेट्रो स्टेशन हैं. इस रूट पर मेट्रो ट्रेन हर दिन 96 चक्कर लगाएगी. इस रूट पर लोगों को काफी सुविधा मिलेगी. उनकी यात्रा आसान होगी और समय की भी बचत होगी.

संजय ने ही रेप कर डॉक्टर को मार डाला

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जूनियर महिला डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में संजय रॉय को हत्या और रेप का मुख्य आरोपी बनाया गया है. सीबीआई के मुताबिक मामले में 200 लोगों के बयानों को चार्जशीट में दर्ज किया गया है. उधर, रेप और हत्या के इस मामले में जूनियर डॉक्टर्स फिर आमरण अनशन पर बैठ गए है. उनका कहना है कि ममता बनर्जी की सरकार उनकी मांगे पूरी नहीं कर रही, जिसके बाद उन्हें अब इस आमरण अनशन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है.

स्टेशन पर विक्षिप्त ने दो को मार डाला

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में सोमवार को रेलवे स्टेशन पर दो लोगों की हत्या हो गई. इसके अलावा तीन लोग घायल हैं. ये दोनों कत्ल मानसिक रूप से विक्षिप्त ने कर दी, जो मौके पर बेकाबू हो गया था. उसने स्टेशन पर खड़े लोगों पर अटैक कर दिया, जिसमें दो लोग मारे गए और तीन अन्य जख्मी हो गए. यह घटना सोमवार तड़के की ही है. प्लेटफॉर्म सात लोग सो रहे थे, तभी विक्षिप्त शख्स ने इन लोगों पर पत्थर से हमला कर दिया. हमलावर मौके से भाग गया.

मध्य पूर्व संघर्ष : पहली बरसी पर हमास व हिज्बुल्लाह के इजराइल पर बड़े हमले

इजराइल की ईरान को धमकी तेहरान भी बोला-पूरी है तैयारी

एजेंसियां। यरुशलम/बेरूत/तेहरान

इजराइल और फिलिस्तीनी संगठन हमास के बीच जंग को 7 अक्टूबर (सोमवार) को एक साल पूरे हो चुके हैं. इस एक साल में मिडिल ईस्ट में काफी कुछ बदल चुका है. इजराइल-हमास की जंग में अब लेबनान का मिलिशिया ग्रुप हिज्बुल्लाह कूद चुका है. ईरान ने भी इजराइल पर हमले तेज कर दिए हैं. जंग की आग झेलते हुए आधे से ज्यादा गाजा तबाह हो चुका है. जंग की पहली बरसी पर हमास और हिज्बुल्लाह ने इजराइल पर अटैक किए.

'अलजज़ीरा' की रिपोर्ट के मुताबिक, हमास ने सोमवार को उत्तरी और दक्षिणी गाजा से इजराइल की ओर रॉकेट दागे. इनमें 2 की मौत हो गई. जबकि इजराइल की सेना (आईडीएफ) ने उत्तरी गाजा से 5 और दक्षिण गाजा से दागे गए 9 रॉकेटों को हवा में ही नष्ट कर दिया. दूसरी ओर, हिज्बुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान से उत्तरी इजराइल के हाइफा शहर में रॉकेट दागे हैं. इस हमले में कम से कम 10 लोगों के जख्मी होने की खबर है. इन हमलों के बाद इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के गांवों में जवाबी कार्रवाई की है. जबकि आईडीएफ ने फिलिस्तीनियों से दक्षिणी गाजा के खान यूनिस इलाके को तुरंत छोड़ने को कहा है. उत्तरी गाजा को भी जल्द से जल्द खाली करने का आदेश है. दोनों हिस्सों में आर्मी ऑपरेशन तेज कर दिए हैं. इस बीच इसराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि 'अगर इजराइल को इस्लामिक रिपब्लिक नुक़सान पहुंचाना चाहता है, तो उसका हाल भी ग़ज़ा या बेरूत जैसा हो सकता है.' वहीं ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) नौसेना के कमांडर का एक बयान भी सामने आया है जिसमें उन्होंने कहा है कि 'हम किसी भी तरह की स्थिति के लिए तैयार हैं.'

हमास के हमले में 2 महिलाएं जख्मी, लेबनान ने बंदरगाह शहर पर किया हमला : रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने उत्तरी और दक्षिणी गाजा पर आर्मी ऑपरेशन तेज कर दिए हैं. गाजा बॉर्डर के पास सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी गई है. आईडीएफ को डर है कि हमास फिर से इजराइल पर बड़ा हमला करने की कोशिश कर सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक, हमास ने सोमवार को तेल अवीव में भी रॉकेट दागे. इजराइल में मैगन डेविड एडोम एम्बुलेंस सेवा का कहना है कि हमास के हमले में दो महिलाएं जख्मी हुई हैं. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है. इजरायली सेना ने पहले कहा था कि दक्षिणी गाजा के खान यूनिस क्षेत्र से मध्य इजराइल पर पांच रॉकेट दागे गए. दक्षिणी लेबनान से उत्तरी इजराइल के हाइफा शहर में रॉकेट गिरने से कम से कम 10 लोग घायल हो गए हैं. एक साल पहले गाजा पर युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब लेबनान ने बंदरगाह शहर पर हमला किया है. बता दें कि हाइफा इजराइल के भूमध्यसागरीय तट पर स्थित है, जो लेबनान की सीमा से लगभग 30 किमी (19 मील) दूर है. इजरायली अधिकारियों ने कहा कि हिज्बुल्लाह ने रविवार को लेबनान से 120 से ज्यादा रॉकेट्स दागे. हिज्बुल्लाह ने तिबेरियस शहर पर भी हमला किया. हिज्बुल्लाह ने इजराइल के कार्मेल मिलिट्री बेस को भी निशाना बनाया है.

इजराइल ने लेबनान पर की जवाबी कार्रवाई : लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि दक्षिण लेबनान में रविवार रातभर हुए इजरायली हमले में 10 फायर फाइटर्स की मौत हो गई. नगर निगम अधिकारी रेडा एशौर के मुताबिक, "इजरायली सेना ने बाराशीट में एक लोकल फायर फाइटर सेंटर को टारगेट किया. हमले के दौरान वहां 10 लोग मौजूद थे, जिनकी मौत हो गई है. ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल और लेबनान के मिलिशिया ग्रुप हिज्बुल्लाह के बीच जारी गोलीबारी में अब तक 115 बचावकर्मियों की मौत हो चुकी है.

आईडीएफ ने जारी किया ऑपरेशन से जुड़ा डेटा, इजराइल पर हमले में 728 सैनिकों की मौत

जंग की पहली बरसी पर इजरायली डिफेंस फोर्स ने सोमवार को गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और लेबनान में किए गए ऑपरेशन से जुड़ा डेटा जारी किया है. आईडीएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल में इजराइल पर 26 हजार से ज्यादा मिसाइल, रॉकेट और ड्रोन दागे गए हैं. ये हमले गाजा, लेबनान, सीरिया, हूती, ईरान से किए गए. इराक के कितने हमले हुए इसकी जानकारी नहीं दी गई है. 7 अक्टूबर 2023 को जंग की शुरुआत से गाजा में 41,909 लोगों की मौत हो चुकी है. 97,303 लोग जख्मी हुए हैं. जबकि इजराइल में हमास के अटैक में 1139 लोगों की जान जा चुकी है. 200 से ज्यादा लोग बंधक बनाए गए हैं. आईडीएफ ने गाजा पट्टी में हमास के करीब 17 हजार लड़ाकों को मार गिराया है. इजराइल पर हुए हमले में अब तक 728 सैनिकों की मौत हुई है. जबकि 4576 घायल हुए हैं. आईडीएफ ने बताया कि 346 लोग गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन के दौरान मारे गए. इस दौरान 2299 सैनिक भी घायल हुए हैं.

गाजा में युद्ध विराम का समय आ गया है इजरायली पीएम से बोले फ्रांस के राष्ट्रपति

पेरिस। दोनों देशों के संबंधों में तल्खी के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्य पूर्व के हालत के बारे में टेलीफोन पर बातचीत की. एलीसी पैलेस (फ्रेंच प्रेसिडेंट का आधिकारिक निवास) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रविवार को दोनों नेताओं ने अपनी अलग-अलग राय को स्वीकार किया और बेहतर समझ के लिए अपनी पारस्परिक इच्छा पर जोर दिया. मैक्रों ने नेतन्याहू को बताया कि उनका मानना है कि अब युद्ध विराम का समय आ गया है. हथियारों की सप्लाई, गाजा में युद्ध का लंबा खिंचना और लेबनान तक इसका विस्तार, इजरायलियों और क्षेत्र के सभी लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है. हमें तुरंत निर्णायक कोशिश करनी चाहिए, जिससे हम इजराइल और मध्य पूर्व में सभी लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी राजनीतिक समाधान निकाल सके.

पीएम अल्बानीज के बयान से ईरान नाराज, ऑस्ट्रेलियाई राजदूत तलब

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में हालिया घटनाक्रमों के प्रति 'पक्षपातपूर्ण रुख' को लेकर ऑस्ट्रेलियाई राजदूत को तलब किया. तेहरान ने यह कदम तब उठाया जब ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने बुधवार को इजराइल पर ईरान के मिसाइल अटैक की निंदा की. ऑस्ट्रेलिया के विपक्षी नेता पीटर डटन ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया में ईरानी राजदूत को निष्कासित करने की मांग की. बैठक में ईरानी विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार के 'अनुचित और पक्षपातपूर्ण' रुख पर विरोध जताया. वहीं गाजा और लेबनान में इजरायली सैन्य कार्रवाइयों को लेकर ऑस्ट्रेलिया की 'चुप्पी' की आलोचना की.

जमीन के बदले नौकरी केस में लालू, तेजस्वी व तेज को राहत

- दिल्ली की अदालत से एक लाख के निजी मुचलके पर मिली बेल

एजेंसी। नयी दिल्ली

जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व सीएम और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके दोनों बेटे तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव को बड़ी राहत मिली है. दिल्ली की राउज एवेन्यू केस ने सोमवार को तीनों को जमानत दे दी. विशेष जज विशाल गोगने ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर राहत दी. कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि आरोपियों को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया था. मामले की अगली सुनवाई 25 अक्तूबर को होगी.जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू, तेजस्वी, तेज प्रताप समेत 8 आरोपियों की पेशी हुई. इसमें अखिलेश्वर सिंह, हजारी प्रसाद राय, संजय राय, धर्मेंद्र सिंह और किरण देवी शामिल थे. इससे पहले ईडी ने मामले में पूरक आरोप पत्र दायर किया था. इसके आधार पर कोर्ट ने तीनों को समन भेजा था. लालू यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर रेलवे में नौकरियों के बदले जमीन के रूप में अवैध लाभ अर्जित करने का आरोप है.

दरअसल, मामला 2004 से 2009 तक लालू के रेल मंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है. आरोप है कि राजद सुप्रीमो के परिवार और सहयोगियों के नाम पर नियुक्तियां उपहार में दी गईं या हस्तांतरित की गईं भूमि के बदले में की गई थी. बता दें कि मामले में तेज प्रताप यादव पहली बार कोर्ट में पेश हुए. अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान कहा था कि अदालत को प्रथम दृष्टया और समन के चरण में आवश्यक जांच के मानक के मद्देनजर यह निष्कर्ष निकालने के लिए बाध्यकारी आधार मिलता है कि तेज प्रताप यादव भी अधिग्रहण और अपराध की आय को छिपाने में शामिल थे.

व्हीलचेयर पर नजर आए लालू यादव

इससे पहले रविवार को लालू प्रसाद यादव के साथ उनकी बेटी रोहिणी और मीसा भारती भी दिल्ली पहुंची थीं. इस दौरान लालू यादव व्हीलचेयर पर नजर आए थे. ईडी ने लालू प्रसाद यादव पर अपराध अर्जित आय को छिपाने एवं उसका अन्य कार्यों में इस्तेमाल का आरोप लगाया है.

भारत की पड़ोसी प्रथम नीति में मालदीव का अहम स्थान

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ मीडिया को संबोधित किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' पॉलिसी और 'सागर' विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए एक व्यापक, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी विजन अपनाया है. पीएम मोदी ने सोमवार को हैदराबाद हाउस में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ मीडिया को संबोधित किया.

मोदी ने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का फैसला किया है और साथ ही स्थानीय मुद्रा में व्यापार निपटाने पर भी काम किया जाएगा. दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और सबसे करीबी मित्र है. भारत ने हमेशा मालदीव के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की भूमिका निभाई है. चाहे मालदीव के लोगों के तक जरूरी वस्तुओं को पहुंचाना हो, प्राकृतिक आपदा के दौरान पीने का पानी उपलब्ध कराना हो या कोविड के दौरान टीके उपलब्ध कराना हो, भारत ने हमेशा एक पड़ोसी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई है. दोनों नेताओं ने डेवलपमेंट पार्टनरशिप, ऊर्जा, व्यापार, वित्तीय जुड़ाव और रक्षा सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रिश्तों को और गहरा करने के लिए व्यापक चर्चा की और कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए.

चिंता की बात वायुसेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह ने दी 'बुरी स्थिति' की जानकारी, बोले-लेकिन इसी से लड़ने को तैयार

1965 के बाद सबसे कम हुई इंडियन एयरफोर्स की फाइटर ताकत!

लगातार न्यूज। नेटवर्क

वायुसेना के पास फाइटर प्लेन की ताकत गंभीर रूप से कम हो गई है. स्थिति यह है कि भारत के फाइटर प्लेन की क्षमता साल 1965 से भी कम है. इस पर एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का कहना है कि जो कुछ भी हमारे पास है, उसी से लड़ने को प्रतिबद्ध है.

उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान मौजूदा असेट्स के संरक्षण और कर्मियों को उनके सही तरीके से उपयोग करने के लिए ट्रेनिंग देने पर है. हालांकि एयरफोर्स के पास 42 स्क्वाड्रन की स्वीकृत क्षमता है. यह संख्या सीमा पर खतरे की स्थिति को देखते हुए विस्तृत विचार-विमर्श के बाद स्वीकृत की गई है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसमें लगातार कमी आई है. इसकी वजह है कि पुराने सोवियत युग के फाइटर प्लेन रिटायर हो गए हैं और उनकी जगह नए प्लेन को लाने का आदेश नहीं दिया गया है. रिकॉर्ड बताते हैं कि 31 स्क्वाड्रन की मौजूदा ताकत 1965 के बाद से भारत की सबसे कम ताकत है, जब पाकिस्तान के साथ युद्ध लड़ा गया था. 1965 के युद्ध के बाद यह संख्या लगातार बढ़ती गई और 1996 में 41 स्क्वाड्रन तक पहुंच गई. जैसे-जैसे विमान की रूपरेखा बदलती गई, 2013 में यह संख्या घट कर 35 रह गई और तब से लगातार कम होती गई. सर्विस में मौजूद 31 स्क्वाड्रन में से दो स्क्वाड्रन कम से कम उड़ान भर रहे हैं. ये अपने मिग 21 लड़ाकू विमानों को बचा रहे हैं, जिन्होंने पहली बार 1971 के युद्ध में हिस्सा लिया था. ये विमान लंबे समय से अपने लाइफ के अंत तक पहुंच चुके हैं. उनकी रिटायरमेंट को कई सालों के लिए टाला जा रहा है. इसकी वजह है कि वायुसेना एलसीए एमके1ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी का इंतजार कर रही है.

पिछले 6 साल से नहीं दिख रही प्रोग्रेस : अपनी वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमानों (एलसीए) का उत्पादन, जो समय से पीछे चल रहा है, इसको तेज करने की जरूरत है. इसके साथ ही नए मल्टी रोल वाले वाले फाइटर प्लेन विमानों की जरूरत कल से ही है, लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है. गौरतलब है कि वायुसेना ने 2018 में 114 मल्टीरोल फाइटर प्लेन खरीदने की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन पिछले छह साल से कोई प्रोग्रेस नहीं दिख रही है. कहा कि यह कोई थोड़े समय की बात नहीं है कि हम रातों-रात सामान खरीद सकते हैं. इसमें समय लगता है. अगर हम दो या तीन स्क्वाड्रन शामिल भी करते हैं, तो निश्चित रूप से उनका उपयोग करने में सक्षम होने के लिए ट्रेनिंग में समय लगता है.

बुरी खबर

- भारतीय वायुसेना के पास फिलहाल 31 स्क्वाड्रन की है स्ट्रेंथ
- सोवियत समय के फाइटर प्लेन लगातार हो रहे सेवा से बाहर
- नए प्लेन की खरीद में लग रहा समय, ट्रेनिंग देने में लगेगा टाइम

अतीत से सबक लेने की जरूरत

एलसीए परियोजना से करीब से जुड़े रहे वायुसेना प्रमुख ने चेतावनी दी कि अतीत से सबक लेने की जरूरत है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आगे कोई देरी न हो. उन्होंने यह भी कहा कि जेट विमानों के उत्पादन में प्राइवेट सेक्टर को बड़े पैमाने पर शामिल करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि अगर एलसीए डिलीवरी की समय-सीमा पूरी हो जाती है और मल्टी-रोल फाइटर कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर हो जाते हैं, तो वायुसेना बुरी स्थिति में नहीं होगी.

आईसीयू में भर्ती होने के दावे का किया खंडन

रतन टाटा ने कहा- बिल्कुल ठीक हूं मैं, अफवाहें न फैलाएं

एजेंसी। मुंबई

टाटा समूह के दिग्गज रतन टाटा की अचानक तबीयत बिगड़ने की बात गलत निकली. उन्होंने खुद इन दावों का खंडन किया है. रतन टाटा ने अपने आईसीयू में भर्ती होने के दावों को अफवाह करार दिया है. आईसीयू में भर्ती होने के दावों का खुद खंडन करते हुए रतन टाटा ने कहा, मैं अपने स्वास्थ्य के बारे में हाल ही में फैल रहीं अफवाहों से अवगत हूं. मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये दावे निराधार हैं. मैं फिलहाल अपनी उम्र और सेहत संबंधी जरूरी चिकित्सा जांच करवा रहा हूं. चिंता का कोई बात नहीं है. मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं. आपसे अनुरोध करता हूं कि जनता और मीडिया गलत सूचना फैलाने से बचें. इससे पहले खबरें आईं थीं कि उद्योगपति एवं टाटा संस के मानद चेयरमैन को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. दावा किया गया कि उनका ब्लड प्रेशर अचानक काफी गिर गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और आईसीयू में रखा गया. हालांकि, कुछ ही देर बाद खुद रतन टाटा ने इन अफवाहों को निराधार करार दिया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)